

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अथ विष्णुसहस्रनामम्
2.534
ARJUN ARCHIVE

वासजायचलिय॥ **आष्टाल**॥ अहायजअवधजायचलिय॥ **अष्ट**
पनं॥ **पाववनि**॥ अहास्वामि तुलाकनाथ यह श्री स्वस्था निपनम-
ववि किप्रकक्षदखिकं मयी मन संगुष्टु हथा अवहम कच विननि
कचनहं हनिऊ॥ **माहा**॥ अनीपुयुम कहिय॥ **पाव**॥ अहा तुलाकना
थ यह पनम ववि कि कपासां मनो नथ पुर्ह हाकहं अव स्वर्गमन्या
काल सकल लोक को उजाव के नि कपा किऊ॥ **माहा**॥ अनीपुयु अ-
वध॥ **माहा**॥ अहा निष्ठादि सव॥ **निष्ठादि सर्व दह हाय निष्ठादि सव**

॥ अहाई लोकनाथका आगपाहात हंरुमा विषधमम ॥ महा ॥ अहावि
कादिसवरुमलोकस्वर्गमर्त्यपातालकायकेशीस्वस्थानिपत्रमहव
विकिबनअस्तुतनमनकूपसहिनउपचानसंयुक्तसांसकलुगुखि
दविडिकाउपदेसदनकाहा ॥ निष्ठादिसर्व ॥ अहाईलोकनाथअवध
हमाविषधमम ॥ निष्ठादिसर्वलिस्वकनाव्रु ॥ अहाविष्ठादिसवश्रीमा
हादेवकाआगपासांश्रीस्वस्थनिबनकाप्रकाशिकर्षजायचलित्य ॥ वि
ष्ठादिसर्व ॥ अहाविजुनोजुअवधगमनकिऊ ॥ चरनिपनंती ॥ माहा

॥ ज्यो पृथ पुत्रादिगः सवः श्रवहमलोकः श्रानन्द सांयहिनहहं ॥
सर्व ॥ जहाः श्रलोक्कनाथः श्रवः श्रवः श्रवः ॥ सर्वः श्रविः श्रवः ॥ लया
थनः श्रपः श्रपः श्रपः ॥ प्रकाः श्रिकाः श्रिकाः ॥ ज्योः श्रनकाः श्रपः
सयाः श्रवहमलोकः श्रिकाः श्रिकाः ॥ प्रकाः श्रिकाः श्रिकाः ॥ श्रनकाः श्रपः
श्रनकाः ॥ ज्योः श्रवः श्रवः ॥ श्रिकाः श्रिकाः ॥ श्रनकाः श्रपः
॥ प्रकाः श्रिकाः श्रिकाः ॥ जहाः श्रिकाः श्रिकाः ॥ श्रनकाः श्रपः
जहाः श्रिकाः श्रिकाः ॥ श्रनकाः श्रपः ॥ श्रिकाः श्रिकाः ॥ जहाः श्रिकाः श्रिकाः

ना॥ **अपसना नि सं दं ह हाय॥** **अपसना॥** अहामृतिनाजका अगप
हानहं हमा विप्रधमम॥ **नावदा॥** अहामनका दिजनेनी पाववनिनम
भोवथ पूर्व कं खान व कियाका ह्री स्वस्था निवुन अस्मानवसनपुप
सहिन उपचा व सां तु मलो कनेय ह्वन कविथमना वथ पूर्व हानहं
॥ **अपसना॥** अहामृतिनाज अवध हमकनरहं हमा विप्रधमम
विऊ किऊ॥ **नावदा॥** अहामनका दि अवध॥ **नावदा॥** अहानिहा दि
सव अवहमलो क व म पुन जाय व लिय॥ **वीहा दि सर्वो॥** अहा विजना
मर्त्य खंड

ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥ **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥**
 या उर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥ **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥**
 का ॥ **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥**
ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥ **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥**
 म उर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥ १ ॥ **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥**
 ह पुत्राक वं भ्राज ॥ २ ॥ **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥**
 चलिथ ॥ **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥** **ऊर्ध्ववक्षःगमनकवियं ॥**

नदिनि
 २

महादेव०० आदि उपनिषदपिडा विष्णु म॥ महा॥ अहा देवादि गहस
व॥ ०० आदि सर्वदेहहाय॥ ०० आदि सर्वा॥ अहा देवादि लोकनाथ कात्रा
ग्याहा नहं हमा विप्रक्षम॥ माहा॥ अहा देवादि रुमा ना अमवा पुनमा
जाय के भान नद सां निनिधर्म चर्चा कवि नहन जाह॥ ०० आदि॥ अहा
देवादि लोकनाथ अवधहमा विप्रक्षम॥ ०० आदि लिखक॥ ०० अहा
पिता मरुजमा दिगहसव अवहम लोक अमवा पुन जाय च लिथ॥ स
र्वा॥ अहा देवनाज अवधगमन कविथ॥ कनिपनंठा॥ महा॥ अहा

पुत्रगणेशकुमाव॥ गद्य॥ कुमारदं हुहाया॥ उहो॥ अहापिनाक्काआ
ग्याहारहं हमाविप्रक्षम॥ माहा॥ अहापुत्रगणेशकुमावहुमलाक
मर्त्यखंदजा०० कं हगनलाककाविघनाक्षकविबहनजाहा॥ गद्य
कुमाव॥ अहापिनामागाअवहधहमावाप्रक्षम॥ लिखक॥ अहा
॥ अहायामाअवहमलाकमर्त्यखंदमाजायचलिय॥ कुमा॥ अहाय
अअवहधविजाकिऊ॥ कनिपनंठा॥ माहा॥ अयीपयगमेविगंगाअ
वहमेगगिलोकाकाआहिवाददकहं॥ सर्व॥ अहायेलाक्काथाअ

गम्भ किंज ॥ **महा** ॥ श्री मन्मथ श्री श्री महा वाजने पा त्ति धि स्व नाम महान् ॥ स
बन्धु विक्रम साहदेवना ऊ स्थि प्रा रुव ॥ नृया पृथा दिगक्ष सव श्री मन्म
श्री श्री श्री श्री श्री महा वाजा धि वाज सु न्द्र विक्रम साहदेव का सर्व
या नाऊ भा र्य्य सिद्धि नकु ॥ **सर्व** ॥ नृहा ऊ लाक्क नाथ रुथा कु ॥ **महा** ॥ नृ
हा प्रिया दि नृवह म श्री मन्मथ श्री ३ ऊ गवा हा इ न महा वाज का आ षि वा
ददु न्ह ॥ **सर्व** ॥ नृहा ऊ लाक्क नाथ आ ग्या कि ज ॥ श्री मन्मथ श्री महा वा
ऊ ऊ गवा हा इ न ध हि ॥ न न वां चि नयः कार्य सिद्धि नकु स न स्व नि ॥ १ ॥

अथी पृथादिगहासवहमीमगहमी ३ ऊँ गवाहाइव को अखंदमनायथ
 सिद्धि वस्तु ॥ **सर्व** ॥ अहाउलाकनाथ कथास्तु ॥ **माहा** ॥ अथी पृथादि
 अवहमसकलदखनरुगनलोकनाथ कानकसवकी आही वादद
 नहं ॥ **सर्व** ॥ **माहा** ॥ **क** ॥ ॥ अथी पृथादि सवयहदखनस
 वलाकको मनायथ सिद्धि वस्तु ॥ अथहमलाकरंगभूमिमाजायच
 लिये ॥ **सर्व** ॥ अहाउलाकनाथ कथास्तु अवधविऊकिऊ ॥ **सर्व** ॥
रंगभूमिमा ॥ ॥ **नाग** ॥ **नट** ॥ **प्रा** ॥ धीनेरमनवसरुविमानह

सवाल ॥ त्वं भवि पृथग्निर्वगम हलमंजा यहा संरक्षव ॥ १ ॥ नो
 ननया पदगम क्षुपनम पदायथ पाडा ॥ नपाल हवनपदि सूत्र वि
 कम देवगृहवनहान ॥ २ ॥ **प्रकांडं द्विकांडं ॥ सर्वं इडा ॥ ल १० ॥ आरामि**
॥ ॥ वाग ॥ धनाधि ॥ वा ॥ कवनरुजन गद्यपदिकाहमकवशव
 नि ॥ लोहमाह आदिका दहनरुदिन २ कवि यमनपन ॥ १ ॥ काम
 काठ नृध कावहूपमिपापहनहा ॥ धीनल सूत्र नडा हि रु ल रु ल
 आनमिली ऊषह भवि ॥ २ ॥ ॥ ॐ मिधु ॥ लिंग पुनानादिना
 ना साकुसुंय ह स्वस्थानिको नुकनाटक वं मांक वं ॥ शुभ ॥ ॥
 ॐ मि संवत् १२२५ साल निमि वैशाख वाहि २० ऐ ३ शुभ ॥ लषक छि वल सुत्र गु

अननरुज

ॐ मिधु ॥ लिंग पुनानादिना

रुद्ररूप १

दिगोवच २

ॐ नमो ह्रीं नृन्यनाथयनमः ॥ यननादिमं ॥ नाग ॥ मालव ॥ सप्त
मां ॥ जयजय नृन्यह्वन. रुवका. चनममं. देहिमकाज्जु. हनका ॥ १ ॥
देहिललितकन. नृन्यककनन. विघ्नका नामह. रुवजयजय नृन्यह्वन
॥ १ ॥ यनमहादेव बुद्धा विष्णु नदिरुद्रिस्त्रं ॥ १ ॥ प्रवक्ष्यामि ॥ नमो
रुद्रदेवह्वन नृन्यनाथ नृन्यस्य सिद्धि कृन्मस्तु मंगलं ॥ मया पदाध्वं य
दिह कृन्मह्वन. ऊमह्वममां कृन्मदयाल ॥ १ ॥ सर्व ॥ नाग ॥ रूपालि ॥
रु ॥ दिगं वच ह्रीं महादेव कनक प्रवक्ष्यामि ॥ बुद्धा विष्णु मरुह्वन नवका कथा

॥ १ ॥ सुबेन्द्र विक्रमदेवनवपतिराने ॥ स्वस्थानि व्याख्या न कबरु सका
ऊ ॥ २ ॥ **मध्य ॥** धनमहादेवया सासा ॥ जहावक्त्रा विष्कनन्दिहंगि जू
चवगनसव जवहमलोक ०० हाकुलन कविहभमकबरुह ॥ सर्व ॥
जहाकुलाकनाथ श्रीमहादेव जवस्य विहभमकीऊ ॥ **मध्य विहभम ॥**
धनमहादेवयामहिमा ॥ जहावक्त्रा विष्कनन्दिहन्दि जवगनसव
जवहमाना महिमा ककहकहसुनिय ॥ **धनसर्व ॥** जहाकुलाकना
थ श्रीमहादेव जवस्य जहाकीऊ ॥ **धनमहादेवया हसक ॥** केलाहाह

ह्रीं ह्रीं निजकुलवसतिव्यालहावगल्लु. पृथुवाचाद्वेषगऊनवस
पव्यायचमार्तुबीया ॥ वध्वसह्रीहायकंहाऊलसकिवहहि०० दुक्षिर्धम्
न०॥ आनूखवृद्धगेजादववृकसहिनाहूलपाह्यगगाहं ॥ १॥ अहावक्त्र
विप्रज्वनगधसवप्रतादृहा नामरुम ॥ **सर्व** ॥ अहाह्रीलाक्त्रनाथह्रीम
हादेवआरुनैजथार्थआद्राकियाहं ॥ **थनवक्त्रायासहिमा** ॥ अहाह्रीला
क्त्रनाथह्रीमहादेवज्वहमावाकवे० सहिमाविनक्तिकवकहं सुनिलिजि
य ॥ **महादेव** ॥ अहावक्त्राहुमकहिय ॥ **थनवक्त्रायाह्रीक** ॥ नाजीवहंसा

सनपीरुवर्धविद्याकुमालासुकमधुलुह्व ॥ इति वादिहस्तैष्टक्येष्टिकर्तव्य
क्राशनामानकनागगाहं ॥ १ ॥ अहाकुलोक्ताथेष्टमहादेवजनादृष्टास
द्वाहम ॥ **थनमहादेव** ॥ अहावक्त्राकुमयथार्थकश्चाहं ॥ **थनविष्णुयाम**
हिमा ॥ अहाजगदीष्टवनेश्रीमहादेवज्वरुमानामहिमांकरुहंस्तनिलि
जिये ॥ **थनमहादेव** ॥ अहाविष्णुमकहिये ॥ **थनविष्णुयाम** ॥ ध्वना
होखचक्रगदापद्मलक्ष्मीखगावुरुनिकुंथिनासपसा ० ॥ हनाहकृति
व्यागलकुसुममालाकरुनानामनायाहं प्रवक्ष्यामि ॥ १ ॥ अहाकुलोक्ताथ

श्रीमहादेव प्रसादं नामहम् ॥ **थन महादेव** ॥ अहावे कुंथनाथ विष्णु मय
अर्थक ईहाह ॥ **थन नन्दिया महिमा** ॥ अहा जगदीश्वर नृणां कृपाया श्रीम
हादेव ज्वरमात्रा महिमा कच विनतिकवकहं सुनिलिजिय ॥ **थन महादे**
व ॥ अहानन्दिरुम कहिय ॥ **थन नन्दिया हस्तक** ॥ शिवाचन नरानिहं नव
वनरुत्यन ॥ नन्दिनाम विविद्याना आगताहं समादनाम् ॥ अहा जगदीश्वर
प्रसादं नामहम् ॥ **थन महादेव** ॥ अहानन्दिरुमय अर्थक ईहाह ॥ **थन रु**
गिया महिमा ॥ अहा जगदीश्वर नृणां कृपाया श्रीमहादेव ज्वरमात्रा महि

माकचरु विनक्ति कवरुहं सुनिलिजिय ॥ **थनमहादेव** ॥ अहंरुगिगुमकहि
 थ ॥ **थनरुगियाहलक** ॥ निगुहंरुसादासगुहकनाचिक्लोवनापना ॥ रूगि
 नामकि विरथाहा आगनाहं समोदनाहं ॥ अहंरुगदीह्ववेवनादृहा रूगिन
 महमहं ॥ **थनमहादेव** ॥ अहंरुगिगुमयथार्थकसाहं ॥ **थनमहादेव** ॥ अहं
 बुक्काविष्कनदिहंरुगि अववगशसव अवरुमलाककैलाहापुवीमाजायच
 लिय ॥ **थनसर्व** ॥ अहंरुलाक्कनाथह्वीमहादेव अवरुस्यजायचलिय
 ॥ **थनसर्वदे** ॥ **थनकैलासर्वे-भ** ॥ ॥ नाग ॥ कैलास ॥ पु ॥ बुक्काविष्कसव

गद्यचलाकोलास ॥ निजकूलकाजकवसूथीनज्ज ॥ सूर्यद्विक्रमसा
 हादेवगुहनाज ॥ दरवरुननजनसूधय ॥ ३ ॥ **थनपुकीहासा** ॥ जहावम्रावि
 प्रज्जानगद्यसवज्जवहमलाककेलासमीजायचलिय ॥ **थनसर्व** ॥ अहाठ
 लावनाथज्जवस्यजायचलिय ॥ **थनदिकीहासा** ॥ जहाठलावनाथहिप्रवि
 ऊकीजिय ॥ **महादेव** ॥ जहावम्राविप्रज्जचनगद्यसवज्जवस्यजायचलिय ॥
 ॥ **लू१॥** ॥ **थन** ॥ **द्रादिगद्यमै** ॥ **पर्वहा** ॥ **म** ॥ **वाग** ॥ **ह्री** ॥ **ख** ॥ **द**
 ववाज्जगद्यसवकचरुपर्वहा ॥ रुगारुकउपनमनपूयन्नास ॥ १ ॥ सूर्यद्विक्रम

देवनाज २

साहनृपगणभाह ॥ जीहिनवहाधैचू रंजनमकिपाह ॥ २ ॥ **मध्यास ०००५ ॥**
अहाऊमादिगणसवत्रवहमलोकद्वयकविहममकवरहं ॥ **थनसर्व ॥** अ
हादेववाऊसचिअविहधविहममकीध ॥ **थनसर्वमध्याविहमम ॥ ०००५ ॥**
अहाऊमादिगणसवत्रवहमावा महिमाकचू कहकहंसनिय ॥ **थनसर्व ॥**
अहादेववाऊआहूकीध ॥ **थन ०००५ द्यामहिमा ॥ हलाक ॥** निसाचवाहसि
तकान्तिपूकापृष्टिनाकंऊववाऊवऊ ॥ कवेधधृत्वाविपूनाहाहकावाचो
दिगहासववाऊनामा ॥ अहाऊमादिगणसवत्रवाह ॥ **०००५ द्यामहम ॥ स**

र्व॥ जूहा देव वाज ॐ इय थार्थ आहू किया हं ॥ थन ऊम या म हि मा वा ॥ जूहा
देव वाज ॐ इज्वह मा वा म हि मा क क क न क हं सृति ऊ ॥ थन ॐ दु ॥ जूहा ऊ
म रु म क हि य ॥ थन ऊम या म हि मा वा ॥ क ॥ का ल दं लु ध वा पा धि म हि य
स न सं स्थि ता ॥ यो म्प हा ऊ म वा जा हं दु ला सा रु म म आ ग क ॥ जूहा देव वाज
ॐ इय ता दृ स व र्ण मं हा ऊ म वा ज ना म ह म ॥ थन ॐ दु ॥ जूहा या मं हा ऊ म
वा ज रु म य थार्थ क हा हं ॥ थन व वृ ॥ जूहा देव वाज ॐ इज्वह मा वा म हि
मा क क क न क हं ॥ थन ॐ दु ॥ जूहा व वृ रु म क हि य ॥ थन व वृ या म

हिमाशुह्लाक ॥ मकवासनस्थं धरुपाहाहर्षं कलाधिपाहंसिरुकांतियुका
॥ प्रचीदिगहावबुद्धाक्षनामाममागर्भं कुरुनाटकं सु ॥ अहोदवबाज ००३
प्रनादुहापहिमदिगहावबुद्धनामहम ॥ थन ००३ ॥ अहावबुद्धाकुमय
थार्थवचनकियाह ॥ थन कुवेव ॥ अहोदवबाज ००३ अहमाशोमहिमा
कचु कनरु सुनिष्क ॥ थन ००३ ॥ अहाकुवेवकुमकहिय ॥ थन कुवेव
यामहिमाशुह्लाक ॥ इधमाह्वस्थिरुमासनगामिममह्वामानिरुकांतियु
उल्लाहावदनसदानयनकुचावृत्तिचदनाजाल ॥ विष्ठाधीपहिमायुधानु

गठया हाऊरुयंरुहृहृहृ ॥ क्षीवाबिदुतयासदा च न वनासगपधना
धीपति ॥ अहो देववाज ०० नुवनादृहा धनाकवाधीपतिकुववनामहम ॥
थन ०० नु ॥ अहा धनाकवाधीपतिकुववतुमयथमर्थककाहं ॥ थनवा
यु ॥ अहा देववाज ०० नु अवहमावा महिमा कक्कविमतिकवतहंत्
निऊ ॥ थन ०० नु ॥ अहा वायुरुमकहिय ॥ थनवायुयामहिमा ॥ ६५ ॥ क
॥ हविहमसनमावूठं प्राहमधिपध्वजकये ॥ वायुदिगाहसंगपाहृनूआगा
हाहं समादवाक ॥ अहा देववाज ०० नु वनादृहा वायुनामहम ॥ ०० नु ॥ अ

हावायुरुमयथार्थकक्षाहं ॥ **थन ००० ॥** **हमन ॥** जहादववाज ००० **दुजवह**
मात्रासहिमाकवतहं ॥ **थन ००० ॥** **दु ॥** जहा ००० **हमन** रुमकहिय ॥ **थन ०००**
हमन यामहिमा ॥ **॥ हल्लक ॥** वृथांगचावी धरुल्लपाक्षिबदाहक ॥ **॥**
उनमंडमाला ॥ ००० **हमन** रागसमदिगमधिपाहसमागरुदिगंवाजनाम
॥ जहादववाज ००० **दुवतादहा ०००** **हमन** नामहम ॥ **थन ००० ॥** **दु ॥** जहा ०००
हमन रुमयथार्थकियाहं ॥ **थन ००० ॥** **दु ॥** जहाजमववृहावायुकुवेन ०००
हमन जवहमल्लोकज्जरु **॥** **हम** वाजंज्जमवापूवमाजायचलिय ॥ **थनसर्वी**

गङ्गासर्वश्रवणप्रजापतिचलितः॥ ॥ लू२॥ धनमाहादेवादि सर्वकला
मार्गः॥ किपै॥ प्रकांडा॥ द्विको अ॥ धनमध्य॥ धनमहादेव॥ गृहावस्था
दिगङ्गासर्वश्रवणमलोककेलासमीपपर्यंतं चक्षुःश्रवणविष्णुमक
नरुह॥ धनसर्व॥ गृहावस्थाकनाथश्रीमाहादेवश्रवणविष्णुमकीक
॥ धनसर्वविष्णुम॥ धनमहादेव॥ गृहावस्थाविष्णुमलोकगृहावस्था
प्रमत्तायकनहिय॥ धनवक्त्राविष्णु॥ गृहावस्थाकनाथश्रवण॥ धन
वक्त्राविष्णुद॥ धनविष्णु॥ गृहावस्थाकनाथश्रवणमलोकवैकुण्ठमा

ॐ
नमो
ब्रह्मणे
सुब्रह्मणे
ॐ

जातहं॥ **थनवस्त्रा**॥ **गृहावेकं**थनाथ **माहाविष्णु** **गृहस्थ** **जायचलिय**॥
थनवस्त्रा **विष्णवेकं**थना॥ **म॥** ॥ **वाग॥** **व्याहारा** **वाग॥** **चलिय** **हा**
ह्ययं **रुवय** **कृष्ण** **धर्म** **गृहा** **निज** **कुल** **वास** **सचलिय** **गृहा** **मनव** **स**
रुवि **गृहा** **चलिय**॥ १॥ **सूय** **द्वि** **कम** **साह** **नृप** **गृहा** **न**॥ **गान** **न** **ग**
रुके **मन** **पू** **का**॥ २॥ **मन** **स** **रुवि** **रु** **जाय** **चलिय**॥ ३॥ **प्रकांडी**॥
द्वि **कांडी**॥ **थनवस्त्रा**॥ **गृहावेकं** **गृहा** **माहाविष्णु** **त्व** **रु** **हा** **जाय** **चलिय**
॥ **थन** **विष्णु**॥ **गृहा** **गृहा** **विष्णु** **गृहा** **विष्णु** **कांडी**॥ **थन** **महादेव**॥ **गृ**

हा नन्दिरुगि ज्वरु मलो क जानन्द साय हा नरु हं ॥ थन नन्दिरुगि रात्र
 हा पन मे हव क श्री माहादव ज्वरु पव हि ऊ ॥ थन माहादव नन्दिरुगि पवि
 ऊं पं दुगां ल ३ ॥ थन ०० डादि जूम वा पूव ध्यं ॥ तिपं ॥ प्र कां शं ॥ द्वि कां शं
 ॥ थन मध्व ॥ ०० डा ॥ जू हा ऊ मादि गा ह सव ज्वरु मलो क जूम वा पूव जू
 य प हं च रु धय क वि ह्म म क व रु हं ॥ थन सर्व ॥ जू हा दव वा ऊ ज्वरु ह ध वि
 ह्म म की ऊ ॥ थन ०० डादि सर्व वि ह्म म ॥ थन ०० डा ॥ जू हा ऊ म व नू ध कू
 व ०० ॥ हा न गा ह सव ज्वरु मलो क जू हा ना वा ऊ जूम वा पूव का च र्चा क वि र

ॐ
विष्णुसहस्रनाम

कञ्जानन्दसायहिनरुहं ॥ सर्व ॥ अहादवनाज ० ० ० अत्रवस्यनहिय ॥ यन
० ० ० अदिमर्वपरिकपड्डां ॥ नू ४ ॥ यनवस्त्राविष्णुपनिपिडां ॥ यनवेकं ०
थकंथमवा ॥ नारा ॥ व्याहागवा ॥ प ॥ चलियहा ॥ ययंरुक्कयकृष्टध
उंज्राज ॥ अकांउं ॥ दिकांउं ॥ मरध ॥ विष्णु ॥ अहाहृष्टिककविष्णुअवह
मलाकनूरुनावासस्थानवेकं ० अथपहुंचरुधयकविष्णुमकनर
हं ॥ यनवस्त्रा ॥ अहामाहाविष्णुअवहृष्टविष्णुमकीऊं ॥ यनवस्त्राविष्णु
निम्नविष्णुमगाविष्णु ॥ अहाहृष्टिककविष्णुअवहमायावदूरुपविष्णुम

हया नृवहमलोककलासयमाहृथकसयनकर्त्ताहं॥ब्रह्मा॥नृहान
क्षिपतिमाहाविष्कृन्वहसयनकविथ॥ब्रह्माविष्कृतिर्नृदे॥आक
नंदवृत्तदथसर्व॥विष्कृ॥नृहोब्रह्मा नृवहमसयनकर्त्ताहं॥थनब्रह्मा॥
नृहानक्षिपतिमाहाविष्कृन्वहसयन॥थनसयनयाकषिं॥ब्रह्मा॥नृ
होजनवृत्तनृवहमहृथीविष्कृकाताहिकमलमाधहिकजागकर्त्ताहं॥
थनब्रह्माकमलसचानहावशिं॥ब्रह्मा॥नृहोजनलाकनृवहमजा
गकर्त्ताहं॥थनब्रह्मानजागयाक॥थनविष्कृनकलनचाकहावहस्य

३६॥ वषट्कारं ॥

न स चासूता कदाचि॥ थन जलं कान्धमधु कंठरुपि शंघा कनं वस्त्राया
कासुतां॥ मधु कंठरु॥ जहाता ०० कंठरु ज्वहमलाकका वासस्थानना
हि ज्वहमाजा स्थानवाजकहं॥ थन कंठरु॥ जहाऊं एताना ज्वहध वि
जिथ॥ थन मधु कंठरु नवासमालखिं॥ थन वस्त्रास्वकरिं॥ मधु जहाता
०० कंठरु ०० हपु वृषका कथिन पीडा कवी कवरु कहं॥ थन कंठरु॥ जहा
ऊं एताना ज्वहध॥ थन देवनिर्ग्विहमम॥ थन वस्त्रानऊगमायाजा
वधनायाक॥ वस्त्रा॥ जहापयमहव बीजागमाया ०० हपापिष्ट जसून

४ वसमालि॥ मे॥ प्राग॥ ॥ ३० वि० ३० यि ५॥ मधु पिडा नि० ल० ६

नहमकावडरुपीडा कियो ॥ ६॥ जानिहमकावडा कविथ ॥ थनदविआना
धनायाकवुक्का ॥ जहाऊनवृन्दज्वहमऊंगमायाजाबाधनाकवरुह ॥ ७॥
क ॥ दहुकागधायसुप्रबन्धिभवकुहमईकरुह्रीऊयऊंगमाया ॥ विह्व
ह्ववीह्रीऊगदीह्वमील्वप्रहीमावडांकुवमऊयाथ ॥ जनीनीऊननी
ऊंगमायाहमकादवसनदीऊ ॥ थनऊंगमायाऊ ॥ मकै ॥ थनमध्व
दविनस्वयखिव ॥ देवि ॥ जहाचरुमूर्खविचिचिकिमर्थहमकाआवाह
नकियाकाज्वहवाहयाकहिय ॥ थनवक्का ॥ जनीनीपवमेह्ववीआदि

ह्वानिजागमाया ०० हपापिदानवतवहूगुखकिया विष्णुकाजागुग
कनिहमकावहाकनिदीऊं नूवहम पूजाकवरहं ॥ **दवि॥** नूहा विविंचि
कदिय ॥ **थनवुक्कान पूजाया करिं ॥ हक्कां ॥** नूनीनीजननीनुमायि
पादकमलमाकाटिरदन्दवगु ॥ **दवि॥** नूहा विविंचि नूवहम विष्णुकाजा
गुगकवरहं ॥ **वक्का ॥** नूनीजननी नूव ॥ **दवि॥** नूहामधुविपुडटि
टिष्ट ॥ **थनदविन विष्णुथनविं ॥ थनविष्णु दंकाया ॥** नूनीनीजननीक्का
गुगमाहाकहं मविषदाम ॥ **दवि॥** नूहामधुविपु ०० हवक्काकापापिदा

नवनवकृपिडादियाहमजाविथ॥ **विष्णुः**॥ अवीजननी अवीहमजनक
 नरुहं आरु अरुना अरुमगमनकविज॥ **दविः**॥ अरुविष्णु अवीहम॥ **ध**
नदविलिक्वाय॥ दविः॥ अरुजनवृन्द अवीहम अरुना अरुमजाकहं॥
थनदविजंम॥ ॥ **वाग॥** मालश्री॥ **स्व॥** ॥ अरुजागमायाहम अवीज
 यमनवसुविहवि॥ धीनर निजकूलजाजदवीकाटजाय॥ १॥ हवनलो
 कजनक अरुवइखहाविधि॥ रुद्रपीठवासिनिन्ना कजनकाविधि अदिद
 विह्वानि॥ २॥ **प्रकाशखाडं॥ दंगापह॥ दिका॥** अरुजनवृन्द अवीहमसि

घुजातु हं ॥ **धनद विडों ॥ विष्णु ॥** जहा हृष्टिक कर्तु विष्णु आरु का वदन मली
ह आ कुल नृपद खरु हं ॥ **आ ज व व ह यो आ ग म की ऊ ॥ वष्म ॥** जहा ह श्री पति
विष्णु ह म को ० ० पापि दान व न व ह र पी जा दियो ॥ **विष्णु ॥** जहा वष्म आ रु म
आ न न्द सों ब हिय ह म ० ० ह पापि को सं घा न क न ह ॥ **वष्म ॥** जहा विष्णु
ज व ह ॥ **विष्णु दं ॥ ह न क ॥** न न पापि रु म न स न पि ता म ह का इ ख दि या का
ह ल द र वा डी न हं ति छ २ ॥ **धनद ह्य नि म्ने द ह न क ॥** न न ह ड वृ षि विष्णु
रु म का ल जा डी ह मा वा ह रु म प ना मि छ २ ॥ **धन विष्णु कि रु द्र वा जा म ॥**

बाग ॥ बाऊ विऊय ॥ थ ॥ तुमाना अ नूज मा च के न य जी व मा वि विस्का
 पृथिपथा शा न न स ग द ज्ञा ॥ १ ॥ स न द वि क स सा ह द व गू ष ग म ध स
 व न वि मा न क द र वा द र वा न न आ व य ॥ २ ॥ ॥ थ न वि प्र ह नि वू क रा व ॥
 वि प्र ॥ अ हा प वा क मि म धू के ट रु रु म द खि म य म न सं तु स रु ह या रु म का
 व न ल ग ग क हि य ॥ थ न द नू क म चा क द नू न का क ॥ अ हा दू ड वू द्रि रु
 म का हा का वि प्र ह का ह रु म च व ल ग रा रु म रु म सां ल हा ॥ वि प्र ॥ अ हा
 प वा क मी मा हा वा य म धू के ट रु रु म द द ग म हा रु म क रु स नू वा चा क

त्रियः॥ **देह्य**॥ अहो विप्रुहमऊ मगमाहासाहम इअंग वाचासक्यपक
हंकहियः॥ **विष्णु**॥ अहोदानवकुम संक्कावचलेअंगरुमदानामेवहस
संक्कदनहायिकऊह॥ **देह्य**॥ यत्रैकपतिविष्णुअवकाकयहमाया
अवनगयालहा॥ **विष्णु**॥ अहोदानवकुमलाकयिहसुदहनिचकुसाऊ
वघाककवरह॥ **थनविष्णु**॥ सुदहनि कयाअस्याकवाऊ॥ मधुकेठर
निष्कैवधइडा॥ **विष्णु**॥ अहोचरुसुखवस्त्रायहअसुवसंघानहाग
यिअवहमअरुध्वानहायिकवरह॥ **वस्त्रा**॥ अहोश्रीपतिमाहावि

सौरिजोमिच

स्वामि ज्वह ॥ हाकनं ॥ म ॥ दह ॥ ज्यि पृथ ज्ववनिव सदहा ॥
 वीव ॥ नहा स्वामि ॥ हा नृ न कविय ॥ धन दक्षा कि हंगम वम ॥
 माग ॥ वला विवा ॥ सून सून पा धपिया विक कुरुन कह ॥ लाऊ काऊ ॥
 दिय मनम वहास कविय प्या नीव निव सद ॥ हिव पृविनासानृपग ॥
 गम ॥ पनजन को हिनहि संगम वसाथ कविय प्या निव निव सद ॥
 २ ॥ दह ॥ ज्यि पृथ रुमानो वटि साहि फिह्या ॥ वीव ॥ नहा पा हा नाथ ज
 वह साना विन नि स निलीऊ ॥ दह ॥ ज्यि पृथ रुम कहिय ॥ धन वीव ॥

सन सन ॥ ॥

०

किङ्करीयमगा ॥ नारा ॥ व्याहारा ॥ चा ॥ सून सून पाक्षपक्षिचयधमवि
 नतिप्रपवा रुक्षमाकविशेष ॥ अह्ना निरुमपवदयादानकविथ अति
 वसकविथपक्षि. प्रहस्वामिपियकिञ्जिकविथ ॥ १॥ श्रवकिववाननस
 मनहिगुधनतिरुमपवसुद्रिष्टिकविथ ॥ स्रवद्रविकमसाहनृपगुधग
 वज्रवलाहमपवकोषाकवा ॥ प्रहस्वामिपियकिञ्जिकविथ ॥ २॥ बीर
 ॥ अहोहवामिरुमावा अप्रवाधरुमाकीऊ ॥ दक्ष ॥ अयी पृथुमधुदाम
 रुकविथ ॥ दक्ष ॥ अयी पृथुमवजाहं रुधयकविहममकवकहं ॥ बी.

यथा नृणां पाषाणाथ श्रवणं ॥ यननिश्रं विह्वलमगदह ॥ ज्यूय पृथक् नव
 मंष्ट्रिकासमाचारवृत्तिकवयहिनहनहं ॥ वीच ॥ जहा स्वामिज्वलस्य ॥ प
 विह्वलपंडुतां ॥ लू ॥ ५ ॥ ॥ ० ॥ किह्वलिङ्गपुत्राहादिनानासामु
 संयहं ह्रीं ह्वस्थानिकोरुकनाटकप्रथमांक ॥ १ ॥ ज्यूयद्विद्विथानो
 दिम ॥ ॥ वाग ॥ रूपालि ॥ ज्यूयनवनाटकवसवधउपावि ॥ नदिरु
 दिगहाप्रतिसिधिवनदी ॥ १ ॥ विघ्नसवइवकयाजगककाउपव ॥ रूपमि
 स्यूयविक्रमसाह ॥ २ ॥ यनदहतीनउपविह्वलपंडुतां ॥ विह्वलमग ॥ यनदंष्ट्रि

रुप नवनाष्टिधन १२

पनि ॐ निपं ॥ प्रकीर्णं मंदि ॥ अहं ॐ गण न चं ख माहा वा ऊ दक्ष प्रजापति
कनिक रुजाय चलिये ॥ थन गण न चं ख ॥ अहं मंदिनी निचं ख न्वह प्रजा
यिये ॥ दिका ॥ गण न चं ख ॥ अहं मंदिनी निचं ख सिप्रजायिये ॥ नी निचं ख
॥ अहं गण न चं ख न्वह प्रजाय चलिये ॥ मध्य स्वयं हाव ॥ उहो ॥ अहं मा
हा वा ऊ दक्ष प्रजापति ह मा वा प्र ह म म ॥ दक्ष ॥ अहं मंदिनी ^{सखि गति ध} हा वा ऊ ॐ कं व
हिये ॥ मंदि ॥ अहं माहा वा ऊ न्वह प्रजा ॥ ना पश न वि ह म म ॥ थन वी व ही र
या ग र्ग म इ हा व द्वा थ स्या क ॥ वी व ॥ अहं प्रा ध ना थ म न ग र्ग वाल सां व ह

तपीयाहयासाजानिकंडपकाविवाला००ये॥**दक्ष॥** जयीपृथञ्चवहध॥**द**
क्ष॥ जहामंदि॥**मंदिनिश्रंदंमन्दि॥** जहामाहाबाजकाआगमाहातह॥**द**
क्ष॥ जहामंदिउपकाविवाला००आह॥**मंदि॥** जहामाहाबाजञ्चवहध॥**थ**
ननिश्रंलिष्ठकरिं॥ मंदि॥ जहामाहा००गमनचंखञ्चवहमलोकासाहाबाज
 काआगमासाउपकाविवालाउनजायेचलिय॥**गमनचंख॥** जहानीहिवंखञ्च
 वहपजायिय॥**सकंपनं॥** थनदिदिसहिरुं॥**मं॥** ॥**बाग॥** मालूव
नाह्री॥ दमां॥ खलं॥ धीवधातुगवहिनिकनिकटआज॥ निजकानऊकन

हम उपकाव ॥ बालक जनम तु उपकाव कर्तुं मनव सह वि२ ॥ १ ॥ श्री स नंद
विक्रम देवन न पति हाने ॥ गुरु रुजना कविके नितिकान रु ॥ बाल खज न्मा
२ ॥ **उहो मंदि** ॥ अयि उपकावि माहा बाऊ का निकट जाय चलिये ॥ **सर्व** ॥
स्वयं राव ॥ **सर्व** ॥ अहो माहा बाऊ रु मावी प्रदाम ॥ **दरु** ॥ अहो मंदि गद्यार
हो अयिक नहिये ॥ **सर्व** ॥ अहो माहा बाऊ अ व ह ॥ **सर्व विह्व** ॥ **मवा मंदि** ॥
दं मंदि ॥ अहो माहा बाऊ उपकावि बालायिक आयप हू चलिये ॥ **दरु** ॥ अहो
मंदि अ व ह ॥ **मंदि विह्व** ॥ **मवा दरु** ॥ अयि उपकाविय हम न पृथको कारुथी

दस्वियः॥ दिदि॥ जूहा माहावाज्जुवस्य॥ दिदि न स्वयत्तासा॥ जूहा माहावा
ज्जुहा रुला कसहा मविऊकी ऊयह मावा हिको बाल पेठा हुने लगभ हुमा
किऊ॥ दक्ष॥ जूहा उपका विगुम धंदा मत्क विय सविधान हा यिक न पेडा
क विय॥ दिदि॥ जूहा माहावाज्जुवहध॥ दक्ष॥ जूहा मंदिग ह्य जूवहम
ला कनी चैवहन को जा ये चलिय॥ सर्व॥ जूहा माहावाज्जुवहध॥ सर्व
दं ऊडा सुहा कनडा॥ दक्ष॥ जूहा मंदिग ह्य जूवहम ला क ह्य यक विहमम
क व कहं॥ सर्व विहमम॥ धन दिदि न मचा वये कुःभ॥ ॥ यागा॥ दिं प्रा

जूहा माहावाज्जुवस्य॥

स॥ वा॥ नाजकिनन्द ^{२ जसाहा॥} ~~राज~~ वालपेजाहानहं॥ मल्लहसिन्मवयहज
 नमहा ^{हमिपु जसाह} चेशता॥ नानाप्रकाशयधसांमैरुजपकवि॥ श्रीजयसूचकामन
 कीआनपुन॥ १२॥ **ख्यानमालका॥** थानदिदिनदकसल्लु॥ दिदि॥ अहामा
 हाजा॥ **दकमवेदहहाय॥ दक॥** अयीउपकाबिहमक्काकरहं॥ दि
 दि॥ अहामाहाजाअरुलाकारिहंविह॥ मकीऊ॥ **दक॥** अयीउपकावि
 अवह॥ **सर्वविहाम॥** दिदिनमवाऊन॥ दिदि॥ अहामाहाजायहवाल
 कमाविवरुनपेजारुयादर्शनकीऊ॥ **दक॥** अयीउपकाविअवह॥ **दक॥**

अहामंदिगद्यहमनप्रदिनाऊकुमाविकीदहानकविय॥ सर्व॥ अहामा
हाबाऊअवहध॥ धनमचास्वयरावरि॥ दह॥ ज्योउपकावियहसकत्
हहकन्यावरुसमीचाष्टि संज्ञानसापालनाहदनाकविय॥ दिदि॥ अहामा
माहाबाऊअवहमविहममकवियहवालकाकादनाकवरुहं॥ दह॥ ज्यो
उपकाविअवहध॥ दिदिविहमम॥ दह॥ अहामंदि॥ मंदिदंहुद्यय॥ मंदि
॥ अहामाहाबाऊकाआगमहाहं॥ दह॥ अहामंदिगुमजायकथाहिक
वालादं कनआह॥ मंदि॥ अहामाहाबाऊअवहध॥ मंदिनिहवय॥ मंदि

॥ जूहाऊन वन्द अवहम प्रोहिरुवाला उन जा कहें ॥ **हिपै ॥ प्रकां ॥** जूहाऊन वन्द
अवहम प्रोहिरुवाला उन जा कहें ॥ **दिकां ॥** जूहाऊन वन्द सिधु जा कहें ॥ **दरु**
॥ जूयी पृथादि ग ॥ सव अवहम लाक मंछिका समाचाव वूमिक नय हिन
ह कहें ॥ **सर्व ॥** जूहा माहा नाऊ अवह ॥ **थन सर्व प्रविक्ष पंडुओं ॥ लू ॥ १ ॥ थ**
न नाव ददा म सहिरु जलं कारं पिंडं ॥ नाव द ॥ जूहा दा म रुक कव सव कव अव
हम लाक स्नान कव ॥ का जाय चलिय ॥ दास ॥ जूहा दिऊ नाऊ नाव द अव
ह धविऊ कीऊ ॥ **प्रकां ॥** जूहा दिऊ नाऊ नाव द सिधु विऊ कीऊ ॥ **नाव द ॥ जू**

हादासहककनसंवकनश्रुवहधजायचलिय॥ **मध्वनारद॥** अहादासहककन
संवकनश्रुवहमलोकागंगाभाजायपरुचेश्रुवस्तानसंध्याकर्तुह॥ **दाम॥**
अहादिऊनाऊनाचदश्रुवह॥ धनस्तानयाक **हावविंख्यालमालका॥**
नावदनहुल्लक॥ नमामिगंगायुमयाकृतानिपापाक्रिकृष्णानिविनाह
मह्यं॥ कृष्णसिधंयमनादिगंगाप्रदहवमह्यंसर्वसुमंगलं॥ १॥ अवी
शीगंगादेवीहमाविप्रहम॥ **दासधारख्यानमाका॥** **नामद॥** अहादासह
ककनसंवकनश्रुवहमलोकापितामहवक्त्राकाहाहममाजायचलिय

वसुधा १५

कनकद्वयश्री

[illegible]

सकवकहं॥ **सर्व॥** अहो ऊँ नु न्वह विहम सकी ऊँ॥ **सर्वविहमम॥** काव
 ॥ अयी पृयादिग ह सव न्वह माना महिमा कक्क कवकहं॥ **सर्व॥** अहो
 दनु ऊँ नु न्वह आगम की ऊँ॥ **तो वयामहिमा ह्रम क॥** दनु आदिषु प्रमिस्
 व सच ह्रम रूप विहमि क्रियां न्य सऊ नं पविहक ०० ह॥ वदना किचा नु
 मदन मधी यव ह्रम श्री नावका गग माहा सव वी वना मा॥ अयी पृयादिग
 ह सव ये ना ह स नावका सव नाम ह म॥ **सर्व॥** अहो दनु ऊँ नु नाव का सव
 यथार्थ वचन आगम क्रिया हं॥ **सूर्य कांता॥** अहो ह्रम मि न्वह माना महिमा

कचु विनक्ति कवरुहं निलिङ्ग ॥ **ताव** ॥ अथ पृथगुम कहिय ॥ **थनदे**
त्यतीया महिमा हुल्लक ॥ दासि हू नरुं कय मरुती प्राविऊ वभनयन ह ॥
यनि ॥ संगम हू नम वल्ललाचना पुरुषरुक्ति वेसू नु आगता ॥ १ ॥ अ
हो स्वामियता हू ॥ अरु काषा धपिया विहूर्य कांता नाम हम ॥ **ताव** ॥ अ
थ पृथगुम यथार्थ क कहौ ॥ **पुरु** ॥ अहा पिना अवरुमा या महिमा कचु
कवरुह ॥ **ताव** ॥ अहा पुत्रगुम कहिय ॥ **पुरु** ॥ महिमा हुल्लक ॥ हीष धी व
दनं धा वरुव पुरुमाशवलि ॥ मेघा सुव किता माहं आगदं गुमाशपरा ॥

१॥ अहा पिनाथनाह समं घासूनामहम॥ **नाव॥** अहा पुत्रमघासूनु
मयथार्थकक्षाहं॥ **पुत्र॥** अहा पिनात्रवहमाया महिमा कच्छु विनतिकव
रुहं॥ **नाव॥** अहा पुत्रुमकहिय॥ **पुत्र॥** महिमाह्मक॥ शत्रु वदनं वी
वरुवपुत्रवदानन॥ पवनासूनामिनामाहं नागं रुमाहापहा॥ अहा पिना
थनाहसपवनासूनामहम॥ **नाव॥** अहा पुत्रपवनासूनु मयथार्थकक्षा
हं॥ **सखि॥** अयि माहाया हि सूर्यकांता अत्रवहमाया महिमा कच्छु अत्रवध
नकीऊ॥ **सूर्य॥** अयी सखा उमकहिय॥ **सखि॥** महिमाह्मक॥ वीनिवह

लिङ्कांतीवाविऊवसुलाचनातवसमीतिविख्याताआगताहंसमादया
न॥१॥ अथीमाहावाक्षिसूर्यकांतायनादसुतातमनिसखिनामहम॥ **सूर्य**
॥ अथीसखिहातमनिरुमयथार्थकक्षाह॥ **सखि॥** अथीमहावाक्षिसूर्य
कांताजवहमावासाहिमाककृजवधानकीऊ॥ **सूर्य॥** अथीसखिरुमक
हिय॥ **सखिमहिमाहताक॥** पञ्चपदेवयालाक्षहमानिवर्धसंनिता॥ स
र्यमनीतिसंगपरुङ्गागताहमाहापरा॥ अथीमाहावाक्षिसूर्यकांताय
नादसूर्यमनिसखिनामहम॥ **सूर्य॥** अथीसूर्यनामसखिरुमयथ

र्थकक्षाहं॥ **मंदि**॥ अहादनुऊं दुगावकासुवज्वरुमाया महिमाकचु
विननिकवतहं सुनिऊं॥ **नाव**॥ अहामंदिनुमकहिये॥ **मंदिमहीमाहुला**
का॥ दानवेदुमाहावीनहुयविषधमपहा॥ कवमिद्वेमंशुनुसंहाह
रुममागन॥ १॥ अहादनुऊं दुगावकासुवयनादुहावृद्धिवीवनाममंदिह
म॥ **नाव**॥ अहामंदिवृद्धिवीवरुमयथार्थकक्षाहं॥ **मंदि**॥ अहादनुऊं
दुगावकासुवज्वरुमाया महिमाकचु विननिकवतहं॥ **नाव**॥ अहामं
दिनुमकहिये॥ **मंदिमहीमाहुलाका**॥ निर्दयाकाठयालाह बाग्यसेवन

कहं प्रव॥ कवहृष्टे वदासाहं आगनं तु समादवाक॥ अहादनुऊदुतायका
सुययनादृष्टाचनचिमंदिनामहम॥ **नाय॥** अहोचचिमंदिनुमयथार्थ
कक्षाहं॥ **वाहसदं॥ वाहस॥** अहादनुऊदुतायकासुयअवहमावा
महिमाककुविननिकनहं॥ **नाय॥** अहाकुव्यावतुमकहिथ॥ **महि**
माहसक॥ लंवेकक्षदीर्घकश्चस्थूलं ऊ० वंसयपानं॥ वकुंपादमांसाहा
वंदीर्घदंनंमंवीवं॥ १॥ अहादनुऊदुयनादृसदीर्घदंनवाहसनामह
म॥ **नाय॥** अहावावपालदीर्घदंनुरुमयथार्थकक्षाहं॥ **वाहस॥** अहा

माहा माहा वाऊ माव कास्व ज्वह मावा महि माक रु विनरि कवत रुहं ॥ मा
वा ॥ जहा कया वरुम कहिय ॥ वाऊ स ॥ महि वा रुमा क ॥ घो वव दनं रुक्त न
यनं रुद्रियं मासं नीत्या हाव ॥ सु क के हां ही मं रुपं व कु दं ना मं वी वं ॥ १ ॥
जद नु ऊं दय माह सव कु दं रुना ऊ स नाम रुम ॥ माव ॥ जहा दाव पाल व
कदं रु रुम यथार्थ क हां ॥ माव ॥ जयी पूय सूर्य का मा स वि सूर्य म कि रा
नुम कि पूरु मे घास्व पवनास्व मं ठि वृद्धि वी व च चि मं ठि दाव पाल दी घ
ई रु व कदं रु ज ग व ग धास्व ज्वह रुम लो क रु रुना वा ऊ स्वयं पूव जाय

चलित्य॥ **सर्व**॥ अहादनुऊं ठुतावकास्वमाहावाऊअव॥ विऊंकीऊं
 ॥ **सर्वदं**॥ **स्वयंपूजांम**॥ ॥ **यागा**॥ **स्ववथा**॥ **प**॥ सवपेविऊनमिलि
 निजघनजायः सतनसहविहविजाय॥ निऊकुलकावऊकयस्थिव
 पनऊनदाविकेनहंधनलुटिदानवमंदिगहसवःसमंजाय॥ १॥ पनऊ
 नसवहिकेदूखसलायअहनकास्वपावे॥ पनधनपनकुीहविकेन
 हं॥ रूपनिनृपवनरुनयेहिआऊ॥ दानवमंदिगहसवसमंजाय॥ २॥ **म**
ध॥ अथीपृथपूजादिगहसवअवहमस्वयंपूवमाजायचलित्य॥ **सर्व**

॥ जहादुर्वेन्दुनामकासुवज्रवस्यजायचलिये ॥ **थनद्विकै ॥** जहादान
वेन्दुनामकासुवसिधुविऊकीऊ ॥ **नामका ॥** ज्यीपृयादिगधसुवज्रव
स्यजायचलिये ॥ **॥ लू ३ ॥** थनदक्षादिउपविकुपंपिडा ॥ **विज्जम ॥** दकु
राज्यीसखि ॥ **थन** ^{सखि} **सखिदंहाय ॥** सखि ॥ जहामहाबाऊका जहाहाहाह
॥ **दकु ॥** ज्विसखिनापिककावाला ॥ **हीदह ॥** **सखि ॥** जहामहाबाऊज्रव
स्य ॥ **थन** **सखीलिस्ययहाहाय ॥** जहानापिकरुमयाहा ज्हा ॥ **ययाहा ज्हा**
यया ॥ **थन** **सखिलिहाय ॥** **थन** **नापिकडा कृमिपनं ॥** **मध्य** **स्वयराव ॥** ज्यी

स्वामिनिष्का आह्वाहा कहँहमाशोपनाम ॥ **सखि** ॥ अहानापिरुमुमनेमहा
नाऊको सुन्दन कचीदेह ॥ **नापि** ॥ अनी स्वामिनि अवस्य ॥ **नापि** ॥ अहाम
हावाऊहमाविप्रक्षम ॥ **दक्ष** ॥ अहानापिरुयहसूकिनखक ॥ सहाल
नकचिदेह ॥ **नापि** ॥ अहामहानाऊ अवस्य ॐ हासनमा विऊकीऊ ॥ **थन**
दऊदेहाहाय ॥ मध्यविहमम ॥ **थनदक्षयासऊखाय** ॥ **हावखि** ॥ **ख्यान्मा**
लक ॥ **दक्षदेलिहाया** ॥ **दऊ** ॥ अनी सखियहनापिरुको खनचदेह ॥ अहाम
हावाऊ अवस्य ॥ **सखि** ॥ अहानापिरुयहखनचलकपिऊह ॥ **नापि** ॥ अ

विस्वामिनिःश्रवस्य॥ **थनखर्चविश्रासाद्य॥ खर्चकयानापिरुडांकिपं॥ मध्य॥**
श्रीपृथख्यंमं॥ श्रवहमलाकजाहूनावासभाकायचलिय॥ नानि॥ ज
हास्वामिरुयसिंश्रवस्यकायचलिय॥ प्रकंहासामध्ययागं॥ दिक्कं॥ ज
हास्वामिरुयसिंसिद्यकायचलिय॥ नो॥ जनिपृथख्यंमंश्रवस्यचलि
य॥ थनमैदिषाहिरुपिडा॥ म॥ ॥ बाग॥ काला॥ प्र॥ चलाकायोषाहि
रुदवगक्षभाज॥ ऊलदिजायचलाविवाहकंघात॥ चलादिकववसनव
सरुनि॥ १॥ सूर्यलुविक्रमसारनृपगुक्षगावे॥ ऊऊमानकंतिननतिऊराव

वसोकाया १५

लिये ॥ २॥ **षको हास ॥** नृहा प्राहिकादिग दसव नृवहमलाकमहाबाऊकोपा
सनिकरुजाय चलिय ॥ **सर्व ॥** नृहामंदि नृवस्यजाय चलिय ॥ **दिकें ॥ सर्व**
॥ नृहामंदि सिषजाय चलिय ॥ **थनमंदि ॥** नृहा प्राहिकादिग दसव नृव
स्य विऊकीऊ ॥ **मध्यस्वयहाडा ॥** नृहामहाबाऊरुमा बाष दसमये ह्वाहि
रुवाला ॥ **दकु ॥** नृहामंदि नृवस्य ॥ **प्राहिक ॥** नृहामहाबाऊ
सर्वार्थ तृहादय सु ॥ **दहा ॥** नृहागुनू प्राहिक ॥ **हासनमा विऊकीऊ ॥ प्रा**
हिक ॥ हाहाय वि ॥ **म ॥ दहा ॥** नृहामंदि जा सिषको वालाहा ॥ **मंदि ॥** नृहाम

हानाऊऊवस्य॥थनमंहिहाहाय॥मंहि॥अहाऊनिषरुम००हाआ००य२॥
मंहिलिहाय॥वि०मम॥थनऊनिषडाऊफिपन॥मध्यस्वयहाव॥ऊनि
ष॥अहामहानाऊसर्वार्थसिद्धिचक्रकाआहाहाकहं॥दहा॥अहाआ
हिरऊनिषयहमबाबालखकाप्रफ्रकविया॥ऊनि॥अहामाहानाऊ
ऊव॥ऊनिखदंलिहवकनंमध्यवि०मम॥ऊनि॥अहामाहानाऊऊव
हमप्रफ्रकवहहं॥दहा॥अहाऊनिखऊवस्य॥प्रफ्रयाकल्याखचायाआ
स्वडाहावहांवि॥ऊनि॥अहामाहानाऊयहदानीकन्यावहकसूलक्षकी

वालपहं कचुहिकि मत्कविऊ॥ यहऊ मपुहिकालीऊ॥ **दऊ॥** नूहाथानि
स नूवहध॥ **जातकवियहावरि** ^{दक्षिण विषय} **॥ हऊ ॥** नूहामंदि॥ **मंदिदं॥** नूहामहा
बाऊको आगमहा नहं॥ **दऊ॥** नूहा ^{नूहा} चूर्चि मंदि नूवनाम कर्धका सुबाजाम
कविया॥ **मंदि॥** नूहामाहा बाऊ नूवहध॥ **हहाय॥** सुबाजाम नूवहधवरि
॥ मंदिलिहाय मंदि॥ नूहामाहा बाऊ सुबाजाम सवतया नरुया॥ **दऊ॥**
नूहामंदि नूवहध॥ **दऊ॥** नूहा ^{नूहा} पाहिरुलोक सवयह वालकको नाम क
र्धकविदीऊ॥ **पाहिरु॥** नूहामाहा बाऊ नूवहध॥ **दऊ॥** नूया पृथादिगध

सवयह्वालकोनामकर्धकर्धकोजायचलियः॥ सर्व॥ जूहामाहावाऊ
 ज्वह्वविऊकिऊ॥ सर्वदं॥ हाकनैमध्यडा॥ दऊ॥ जूहाप्राहिनादिगाह
 सवयाहंहासकवरहं॥ सर्व॥ जूहामहावाऊज्वह्व॥ सर्वविह्वाम॥
 प्राहिरा॥ जूहामहावाऊजाचमनकविय॥ दऊ॥ जूहाप्राहिराज्वह्व॥
 दऊ॥ जाचमनयाक॥ दहा॥ जूहाप्राहिरायहस्वाक्रामसांहासकविय
 ॥ प्राहिरा॥ जूहामहावाऊज्वह्व॥ यग्यथाकम॥ ॥ वाग॥ मंगल
 ॥ वा॥ यग्यकनैहमवदसां॥ वहाकलहावक्ताआदिविधिजनपनक

प्रपकन

विषयगण

५॥१॥ ^{नृ}ऊय नृप ह्वाले हा॥ वाल खकं न्या दान ह्वा हलगन भाषि कया ॥ २॥
हां गि॥ **आहिक**॥ नृहाम हा ना ऊय ह्वा ल काना न स कि द वि नृस्वि न्यादि
हं नृवय गध पू र्ण क विर्ये ॥ **दहा**॥ नृहा आहिक नृव ह्वा ॥ **आहिक नवाक्क**
याय॥ काम कोटा दिकं सर्वे मद माश्चर्य मेव च ॥ दस ०० डादिकं स
र्व पू र्ण हामं रु हा म्य हं ॥ **हाम याय**॥ **आहिक**॥ नृहाम हा ना वा ऊ नृव र्ण
उ क विर्ये ॥ **दहा**॥ नृहा आहिक नृव ह्वा ॥ **हा उ आहिक न**॥ **दहा उ आप**
ति ना गध पु डि ऊ न्म ति ह न व ॥ नाम क र्ण क रु हा म सां ग्य काम न ल न म

॥ **प्राहिम** ॥ अहा माहावाज आरु काषकापधनं २ उत्सुतुहा वामहा
गयी अवष ॥ दलीऊ ॥ **दका** ॥ अहा प्राहिरु अवष ॥ **प्राहिरुन स्वा**
न वियह ॥ क ॥ ह वाऊ न आदिरु न व वांधवग ॥ उजाना ॥ दिघमा
यक्रिया सिद्धि विघ्नं मिमदाहव ॥ अहा माहावाज सर्वार्थ सिद्धि व
तु ॥ **दका** ॥ अहा प्राहिरु यहु दहि ॥ **प्राहिम** ॥ अहा माहावाज
अवष ॥ **दहि** ॥ **वियखिं** ॥ दा सया खाल मालका ॥ **प्राहिरु** ॥ अहा
महावाज अवहम अरुना आश्रम जा कहं ॥ **दका** ॥ अहा प्राहिरु अव

उत्तरवर्षिका २०

हृषविऊ किऊ ॥ **आहिरुलिहवक** ॥ **आहिरु** ॥ अहादासलाकज्वरुमला
कज्वरुनाआहमजायचलिय ॥ **दास** ॥ अहादिऊवाऊज्वरुहृषविऊ
कीऊ ॥ **चमिपनंठां** ॥ **दिदि** ॥ अहामाहावाऊज्वरुमयहवाल्काहा
दनाकवरुहं ॥ **दऊ** ॥ ज्योउपकाविज्वरुहृष ॥ **थनदिदिनमचाश्रित**
क्रम ॥ **राग** ॥ **वलाडा** ॥ **पविर्मां** ॥ उधरुवविव्याधीन
॥ **आडा** ॥ मतनसकविकमधुववालिथहासि ॥ १॥ **कंवापापालन**
॥ रागालमालका ॥ **दिदि** ॥ अहामहावाऊयहवाल्कादनाहयालीजा

शालेनिवाविनाहकनयुक्त ॥ ननपक्रिक
नरुमेनहयिरुगननादका ॥ २॥

दङ्गा ॥ ज्योत्स्ना उपका मित्रवत् ॥ मचा विथरिं ॥ दङ्गा ॥ ज्योत्स्ना उपका वि
यह खर्चल कजाह ॥ दिदि ॥ जहा माहा वाजु ज्वत् ॥ खर्च विथरिं ॥
दिदी ॥ जहा माहा वाजु ज्वत् का प्रताप सां यह खर्च मिल गयी ज्व
हम जान हं मनिष क्षम ॥ दिदिलि चय ॥ दीदी ॥ जहा ज्वत् मित्रवत्
मलाक ज्वत् ना माहम विजु कीज ॥ वृत्ता ॥ ज्योत्स्ना पृथ ज्वत् जाय
चलिय ॥ दिदि ॥ छुनि पनं ॥ दङ्गा ॥ ज्योत्स्ना दिग क्षम ज्वत्
मलाक ज्वत् नन्द सां यह ज्वत् ॥ सर्व ॥ जहा माहा वाजु ज्वत्

सर्वपत्रिज्ञ २९

हिय ॥ सर्वपत्रिज्ञपनं इडां ॥ लृ ४ ॥ थननावकादिहवयं पुत्रथं
माहृथमय ॥ वाग ॥ स्ववथ ॥ प्र ॥ ॥ प्रकं ॥ दिकं ॥ ताताक्रापा
यागं ॥ मह्य ॥ नावका ॥ ज्यी पृथादिग ॥ सवज्वहमलाकज
रुनावां स्वयं पुत्रमा ॥ ०४ ॥ परुचं ॥ हाऊ ॥ नृक विहमामकव
कहं ॥ सर्व ॥ जहादनं ॥ उतावकासूत्रज्वस्यविहमामकी ॥ थनना
वकादिमर्वविहमामयाकराह ॥ थननावकासूत्र ॥ ज्यी पृथादिग
॥ सवज्वहमलाकजानन्दसांयहिवरुहं ॥ थनसर्व ॥ जहादन

श्रीकृष्णनन्दि २९

कन्दजवस्यवहिय ॥ **थनमर्धपत्रिकुपंदुतां ॥** ॥ ल ५ ॥ ५ ॥ ॐ ह्रीं
ह्रीं लिंगे पुनानादिनातासासु संगृहदिनीयांक ॥ २ ॥ अथ कृष्णाय
॥ **॥ थननादिम ॥** ॥ **॥ गग ॥ नामकवि ॥ ख ॥** श्रीजयनन्दि
चंदिनाटे ह्वनित्पदवजानदीजीय ॥ नटनसिद्धित्वकवियग्रवृष्टि
वद्विनिरुविद्ययाकिनी ॥ १ ॥ ज्वलानवप्रवकवियग्रगगकिज्जिव
मुखिकविय ॥ नृपयगमवृत्तननपकिमकिटिववकुमदिनीय
॥ २ ॥ **थदक्षादिउपत्रिकुपंदुतां ॥ विष्णुमधदक्ष ॥ ज्हामंदि ॥ थनमंदि**

देह हाय ॥ मंदि ॥ जहा महाबाऊका आह्ला हा रहें ॥ **दऊ** ॥ जहा मंदि ज
वरु माभा पुखिला कको विवाह का वख रह या हें ॥ जव गूत्र पा हिरु व
हस्य निक हध पचतु मावा ला ० ही क च ल्या ० ० य ० ओ व स बा जा म सहि
रु रु या च क बी दहा ॥ **मंदि** ॥ जहा महाबाऊ दऊ प्रजा प मि जव ० ध ह
मा बा प्र द मा ॥ **थन मंदि लिख क ॥ मंदि उं क नि पं ॥ मंदि** ॥ जहा ऊ
न वन्द जव रु म महाबाऊ का आह्ला मां पा हिरु वाला उन जा रहें ॥ **म**
ध ॥ पकै रा सा उं ॥ जहा ऊन वन्द सिधु जा रहें ॥ इडा ॥ थन वरु स्य नि
दका दि प मि ह प इ ग ल

हं
सवग
७
२२

चंद्रमाकहधप्रहमभ्रलंकारपिउं ॥ ॥ वाग ॥ वलाडा ॥ ३ ॥ हं
सवगधचलिकाथमनरुविनसकविश्राजजायचलिय ॥ नववस
रुवि२धीनभ्रवजाय ॥ सवजनवम२जायनिजगधसवमिलिजाय
चलिय ॥ १ ॥ हं सर्वद्विकमसाहदेवगुधगधचकाजकामपुनध
कव ॥ आहि२काडाकसाहि२पुनधहाचनस२मनरुविकावऊपुन
धकव ॥ २ ॥ मध्यगुन ॥ अहाचंद्रमादिसवयाहाऊधयंकविहम
कवरुहं ॥ सर्व ॥ अहागुनभ्रवहध ॥ सर्वविहम ॥ मंदितादिपं ॥ ३ ॥

भाग॥ कोला॥ प्र॥

कौंदि कौंउं॥ मध्य॥ जूहा पाहिरुह माविष्य॥ मद ऊप जाप निक नि
करु विऊ कीऊ॥ सर्व॥ जूहा मंदि जव वष॥ सर्व दंद ऊप जाप निक नि
मा॥ चला जायी पाहिरुह देव गाध आऊ॥ जल दिजाय चला विवाह के
चासु॥ चला दिऊ वच मन वसरु वि॥ १॥ त्वं नु विक्रम सा हनृप गु
ध गावें॥ ऊऊ मान के निक नति ऊहा वलिय॥ २॥ मंदि॥ जूहा गुव
नाथ जूव ह मलाक माहा बाऊ द ऊप जाप निक प्रा सवी ऊ कीऊ॥ स
र्व॥ जूहा मंदि जव स्य जाय चलिय॥ दिक्कं॥ सर्व॥ जूहा मंदि सि

वर्णन

२३

इडां लं २॥ दक्षादि उपनिषद् पण्डिताः॥ मन्त्रिणादिनां त्रयं॥ प्रकाशिका ३

प्रजाय च लिय॥ **मंदि**॥ नृहा गुग्गुलाथ नृव स्य विऊं कीऊं॥ **मध्यम**
यहाव॥ **मंदि**॥ नृहा महा वाऊह मावाष द्वा म सवाजा मसहिक
प्राहिक गुग्गुला ००ी कव न्याया हं॥ यह सवा मलीऊं॥ **दक्षा**॥ नृ
हामंदि नृव स्य यहा ००ी कव हिय॥ **मंदि**॥ नृहा महा वाऊ नृव
स्य॥ **मंदि विहमम**॥ **वृहस्पति**॥ नृहा दकु प्रजा पन्ना दिसर्व गुह्य हा
दया सु॥ **दक्षा**॥ नृहा गुग्गु वृहस्पति ह मावाष द्वा म ०० हा सन मो
विऊं कीऊं॥ **गुग्गु**॥ नृहा दकु प्रजा पन्नि नृव स्य॥ **विहमम**॥ **दक्षा**॥ नृ

हागृहहस्यनित्यं कं न्या क षध्यादि रुटि स्काटि देवला क का कं
न्यादान दन कासन स्रप ह्याहं सा जानिकं सुलग्न विचार क नी
कं न्यादान कास नाजाम दक्षी कं कं न्यादान क विदीज ॥ मृ ॥ जूहा
दक्षप्रकापति मृक षध ॥ बृहस्पति नलग्न विचार या क ॥ गृहा जूहा
दक्षप्रकापति यरु रुत्ताग्न भा कं न्यादान क विद्य ॥ दक्ष ॥ जूहा गृह
आहि न जू वे षध ॥ धन बृहस्पति न चला या क य द्रु द्य कि क्षय ॥ गम
॥ जूहा गृहा क न हान क न यरु कं न्यादान कास नाजाम य द्रु रुया

दासदेहहाय

नकनीदह॥ **चैला**॥ अहो गुनुनाथ अवध्या॥ **गुधक** वा अहो हा० डी
हानकन अवहमला कनये हं नयावक वरहं॥ **ज्ञानक** वा अहो व
नेला० डी गुधक व अवस्य कविय॥ **चैलान** यद्दुदयै कृतां विंथन
निम्न हहाय॥ **उहा**॥ अहा गुनुनाथ ऊहू कंद साहिक नयावहयाहं
॥ **गवा**॥ अहा गुधक व ज्ञानक द अवस्य॥ **गवा**॥ अहा दक्ष प्रजा पति
यह ऊहू कृधु सव नयावहयाहं॥ **दका**॥ अहा गुनुनाथ अवस्य ऊहू
कविलिऊ॥ **गवा**॥ अहा दक्ष प्रजा पति यह चन्द्रादिहं टिसकोटि देव
सर्वदेहहाय

नाकाकं न्यादानदनहामकनरहं ॥ **दृग** ॥ अहावाजन आचमनक
 विय ॥ **दृग** ॥ अहावाहित अवध ॥ **आचमन** याकृ यद्वाक सिं ॥
 ॥ **यन** ऊह्याकम ॥ **दृग** ॥ ॥ **वाग** ॥ **मंगल** ॥ **चा** ॥ **यम**
 कनरहमवेदमा ^{परिक्रम} ॥ **अहा** वाजन अचमनक न्यादानदनकालगनर
 यादह ॥ **दृग** ॥ **अहा** गुरुधाहित अवधवाक्कीऊ ॥ **गुरु** ॥ **अहा** द
 ऊषलिकमंदलुलकंकी नावपाककनिय ॥ **वीवनि** ॥ **अहा** गुरु

वहध ॥ **गुग्गुलु** ॥ ज्ञायादियऊमानहधदऊप्रजापत्याः पुत्रिजृहिर्वंयादि
 कंन्याप्र^{जाप}पु^{जाप}यादिदेवतयंदारुणपदाह्यामी ॥ **रुगु** ॥ ज्ञाहादरुप्रजाप
 निज्वकंन्यादानहागयियगपपूर्धकविय ॥ **दकु** ॥ ज्ञाहागुवृधाहि
 नज्वहध ॥ **पुर्धयाकहलक ॥ हापायागु ॥** ॥ **गुग्गु** ॥ ज्ञाहावाऊतज
 वस्तुऊकविय ॥ **दकु** ॥ ज्ञाहागुवृधाहिरु^{पत्रिकतामि}ज्वहध ॥ **हाहलापायागु**
 ॥ **दामयारयालमालका ॥ दकु** ॥ ज्ञाहागुवृधाहिरुयहदकि धालीऊ
 ॥ **गुग्गु** ॥ **हावाऊतज्वहध ॥ दहिधविडाखि ॥ गुग्गु** ॥ **कआही**

पापद्वयदहनलगविद्य

बन्धु गृहापत्तिपि लभ्यते

वाँदहस्तकक्षापायागं गुरुषाहिरुसर्वं ॥ अहादवादिनां स्वसुवनाज
नदक्षप्रजापतिश्रवहमलोकश्रुताश्रमसजाकहं ॥ **दक्ष** ॥ अहा
गुरुषाहिरुजामातादिसवश्रवहधविजकीऊहमाश्रपधम ॥ **अहि**
नी ॥ अयीऊननीपीनादक्षप्रजापतिहमावीषधमश्रवहमस्वामिक
साथजाकहं ॥ **दक्षवीजनी** ॥ अयीप्रजिगुमसावधानहायिकवजायि
य ॥ **अहिनी** ॥ अयीमातापिनाश्रवहध ॥ **गुरु** ॥ अहाचंडादिसवश्र
वहमलोकश्रुताश्रमसजायचलिया ॥ **सर्व** ॥ अहागुरुनाथ

सिधुविऊकीऊ॥ अरुवविऊकीऊ॥ **सर्वथउं चउं निमावम॥** ॥
वाग॥ गेविमावंग॥ पविमा॥ निऊधवजायचलाधीनरधावे॥ मन
 नसरुविश्रहमगृहजाय॥ १॥ **सुअंद्रविक्रमसारुनृपगुहगमवे॥**
 काहांगयमननरुहनखिरुधावे॥ २॥ **प्रकोउंठिको॥ सर्व॥** अहाग
 वनाथसिधुविऊकीऊ॥ **गु॥** अहाचंडादिसवअवधजायचलि
 य॥ **सर्वदुआं॥ दऊ॥** अयीपृयादिगधसवअवहमलोकप्रुठिकास
 माचाववृत्तिकवयहिंनरुहं॥ **सर्व॥** अहामाहानाऊअवधवाह

य ॥ सर्वपविक्षपंडुओं ॥ ल ३ ॥ थनमाहादेवठपविक्षपंडुओं विष्णुम
 ॥ अहां नंदिहिंदिदखा २ देवलाकनकेसा अंधमकिया अरु न २ विवा
 हसवकाहागयीहमकेलासपकिहायाक विवाहनहिरुयी अरु वरु
 मकाकनकागदष्टि सांदखरुह ॥ अहां जनवृन्द देवलाकनकावि
 बामनहि कियाथककन्याहमकावाकि कायाथा अरु वरुमठाहिकन्या
 लेनकादकुप्रजापतिकनिकटजारुह ॥ दं माहादेव दकुयाथासुठाम
 ॥ वयपुय ॥ देव २ वाजा ॥ प्रकींठं ॥ दिकों ॥ अहां जनवृन्द अरु वरुमहि

नदिरिंदिपत्रिकपराशादुग

ब्रजामहं ॥ इति ॥ लू ४ ॥ थनदक्षप्रजापतिउपविअं पं पिठां विहभामा ॥
थनमहादेवतां निपं ॥ प्रकां ॥ द्विकां ॥ मधु ॥ जहावाजनदक्षप्रजापति
वाक्केत्रकमनसुनिय ॥ दकु ॥ जहाकालाकहिय ॥ दकु ॥ जयोपुयद
खादखादिगैवववाधिसर्पाहर्त्तवाधकालावकुदेखनेमवदू
कुरुयंकनदखरुहंदखिय ॥ वीवनी ॥ जहाहवमिज्वहधदेखरु
हं ॥ माहादेवा ॥ जहावाजनकुमाविक्रपासासकलदेवलाककावि
वाहकयाज्वहमायाविवाहनहिरयासाजानिकुमायायकपूडिदेव

ला कनका बाधो हरिकं त्याहमकादनपवादह॥ **६३॥** जहाहाला
नुमाबास्थानवानवाधिकाहदिगंवनरुमकामविसृन्दविपुत्रि
ज्जागपहदोरा नहिरुमजाह॥ **थनमाहादेवलज्याचाडाहावलि**
धाय॥ माहादेवा॥ जहाजनवृंदयहपापिनत्रेसीवंधनरुजिरक
वधकाहनहिदोराकलाभाहाजाकहंज्वहमकेसिकनकाह
जावज्ववैकु० जाकह॥ **कृनिपनंटा॥ ६३॥** जयीपृथज्वहम
जानन्दसायहीवहकह॥ **सर्व॥** जहामाहाबाजुज्ववध॥ **सर्वप**

त्रिकुपंड्रं ॥ ल ५ ॥ धनविष्णुसहास्रनामं ॥ प्रकं ॥ जहाजनवृन्द
ज्वहमसहामंदिलजगहं ॥ दिक् ॥ जहाजनवृन्दज्वहमसिषुज
हं ॥ म ॥ जहाजनवृन्दज्वहमसहामंदिलआयपंड्रं चरुधय
कविष्ममकनहं ॥ विष्मम ॥ धनमहादेवडांतिपं ॥ प्रकांदिक् ॥
॥ म ॥ महादेवा ॥ जहावेकंठनाथ ॥ विष्मदंविष्म ॥ जहाकुलाक
नाथ ॥ महादेवहमाविप्रधमयहासनमाविष्मकिं ॥ माहा
देवा ॥ जहाविष्मज्वह ॥ हहायनापंविष्ममाविष्म ॥ जहाकु

लाकेनाथह्रीमहादेवभारुकोवदनमलीनआकुलरूपदेखकरहैं
व्याज्वस्थाहयाआगमकीऊ॥**शिव॥**अहोमहाविक्रपापिदऊप्र
जाप्रतिकपाहायेकरकेत्याहमविवाहकर्धकोहमगयाउसनकाव
हनबंधनरुजीनकियायहज्वस्थचक्रा००॥**विक्रा॥**अहो
लाकेनाथह्रीमहादेवयहनावाकमआकुलमनकबीदीऊहमऊ
कनरुगानिऊनकविकयहिबहकरहैं॥**शिव॥**अहोमहाविक्रज्व
वस्थ॥**निष्कंपविहृपंडां॥**लू६॥**थनदजादिउपविहृपंडांरुका॥**

ॐ
सं
॥
॥
॥

॥ अयोप्यादिगद्यस्य अत्र ह मला क सहा मं दिन जाय चलि
य ॥ **सर्व ॥** अहा माहा वाज अत्र वष विजकी ऊ ॥ **थन सहा डी भा ॥** ॥
आग ॥ बला डी ॥ प्र ॥ हं हं सव गद्य चलि जाय मन रुवि न स कवि ज्ञा
ऊ जाय चलि य ॥ मन व स रुवि २ धी व अत्र जाय सव ऊ न व स २ जाय
नि ऊ गद्य सव मि नि जाय चलि य ॥ हं हं स व न्ड विक्रम साह देव गु ध ग
द्व का ऊ का म पु व द्य क न ॥ जा हि २ रु डी रु सा हि २ पु व द्य हा द्य न स २ म
न रु वि का व ऊ पु व द्य क न ॥ २ ॥ **प्र की डी ॥ दिका ॥ सर्व ॥** अहा माहा वा

अऊ

अहंजनवृन्दज्वरहमदकनिकटकपनहं॥

ऊसिचुविऊकीऊ॥**दऊ॥**अयीपृयादिगधसवअवहधजायचलिय
॥**दुडां॥**लू॥थनमाहादवविष्कउपविऊपंयिडांविहममविष्क॥अहा
कुलाकनाथह्रीमाहादवअवहमदऊकपाहाजायककंन्याका
प्रहियहकबधकाजारहआरुयहिंविनाजियहमावीप्रहम॥
हिव॥अहामाहाविष्कअवहध॥**विष्कदेससाडां॥छनिपनंडां॥हिव**
॥अहनवृन्दअवहमविष्कासमाचाववमिकयहिंवरुहं॥
थनमहादवपविऊपंइडां॥लू॥थनदकादिसहाथं॥हथुम॥

प्रकं हासाई ॥ दिक्कै ॥ उं ॥ मल्ल ॥ दका ॥ अयी पृयादिगद्य सव अवहम
लाकसहा मंदिलभा आ ० ॥ पी पडूचें ऊद्य कविहम मकनरुह ॥ सर्व
॥ अहा मरा नाऊ अवस्य विहम नकीऊ ॥ सर्व विहम मा ॥ थन विहम डा
निपै ॥ प्रकंदिकों उं ॥ मल्ल ॥ विहम ॥ अहा दका ॥ दकादिसर्व दै ॥ दका
॥ अहा वेंकू थनाथ मरा विहम मा नाथ ॥ म ० ॥ सन मा विहम कीऊ
॥ विहम ॥ अदक अवहम ॥ थन विहम हराय ॥ विहम मा ॥ विहम ॥ अहा द
का ॥ दका विहम निमंदै पलाखन दथ मठां ॥ विहम ॥ अहा दका प्रकाप मि ध

न्य २ तुम तुमा ना ज नू ग्रह सा म व द व ला क का य हा ष मा ध ग ह म वे कुं ठ
प रि हा य क के न्या को आ ग्र ह न हि ह यी तु मा नि के न्या दे हा ॥ **दऊ ॥** जू हा
च तु र्वा रु मा हा वि प्र का क न द न भा न हि हा यि न व जू हा का व च न ल
घ न क र्मा ना हि व च न हि वा प न हं क र हा यी क वि य ॥ **विप्र ॥** जू हा
द रु प जा य रि धं न्य २ तु म जू व क ल का नू र्मा द य को ल ग न ह डा हि म
क वि य ॥ **दऊ ॥** जू हा वे कुं ठ ना थ जू व र्ध ॥ **दऊ लि हा या ॥ विष्णु ॥** जू हा
ऊ न व न्द द ख रु मी ल रु मा या सां भा रु क वि द ऊ को के न्या हा मि ल ग यी

अवहमसि व हं संवादक न हं का जान हं ॥ कृति प नं ॥ ६३ ॥ अहं
मंदि ॥ मंदि दं ह हाय मंदि ॥ अहं माहा वा ऊह मा भा प्र धम मक्का आग्य
हं हं ॥ ६४ ॥ अहं मंदि अवयग्य का स वा जा म रु या न क वि गू नू प्रो
हि न वा ला ०० ल्या ह ॥ मंदि ॥ अहं महा वा ऊ अव हं ह मा भा प्र धम मा
लि म्ब क मंदि ॥ अहं ऊ न वृ न्द अवहम श्री साहा वा ऊ दं प्र जा प कि
का आ ग्या मां यग्य का स वा जा म रु या न क वि गू नू प्रो हि न वा ला उ न
जा न हं ॥ मा क नं ॥ ६५ ॥ अयी पृ या दि ग ध स व अवहम लो क मं

ठिकासमाचानवृजिकवयहिंनहहहं॥**सर्व॥** जूहामहाबाजज्व
ह्यनहिय॥**थनसर्वपनिकपंडुठां** माहादेवउपविक्तुपं पिठां विष्णु
म॥ थनविष्णुगतिपं॥**पकांडुं द्विकां॥** जूहाजनवन्दज्वहमसिष
जारहं॥**मह्यविष्णु॥** जूहाकुंलावनाथज्ज्माहादेवहमागपक्ष
मगायाकाकाजसिद्धहागयीज्ज्मरुकोकुकाहानाहिरुमकोकव
कसिद्धकियाज्वकक्षकमा॥**माहा॥** जूहावैकुंठनाथमाहावि
ष्णुयिहाजायिकयहनकनीवहिय॥**विष्णु॥** जूहाकुंलावनाथज्ज्

वहध॥ विष्णुहस्य नापं विष्णुम॥ विष्णु॥ नृहाहं लावनाथ नृवह
ननकविय हिंनरुहं॥ माहा॥ नृहा माहा विष्णु नृवह॥ निष्क
इगंगान् ५॥ थनवहस्यत्या दिवस लाकथं निपं॥ प्रकांदि कांउं॥ गु
नृ॥ नृहाचउ मादिगधसव नृवहम लाकआरुना मंत्र नृय प
रुचैरु धयक विष्णुम कनरुहं॥ सर्वा॥ नृहागृ नृवह विष्णु
मकिऊ॥ सर्वविष्णुमा॥ थनमं द्विथं दंड॥ मधु स्वयराव॥ मं द्वि
॥ नृहागृ प्राहितादि सवहमा विप्रह॥ ममाहा नाऊ दंड प्रका

परिका नितकटविजकीऊ ॥ गुरु ॥ नृहामं हि ज्वह ॥ सर्वदा ॥ मं
दि ॥ नृहागुरुपाहिनादिदन्वा न विजकीऊ ॥ सर्व ॥ नृमं हि ज्व
ह ॥ जायचलिय ॥ रुमिपनंता ॥ लृ १० ॥ धनमहादेवविष्णुपत्रि
कपंपिठां विष्णुम ॥ विष्णु ॥ नृहाउलाकनाथह्रीमहादेवज्वह
मजायककंत्यादानकजाउंगडावखरुआरुआयकहिकूकनृप
हायिकहिशालनविजकीकहमनमायासां सकललाककोमाहक
विचवक्षकोरुमकंत्याहऊगज्वहमजाकहहमायापदम ॥ हि

व॥ नृहा विष्णु नृव ६४ ॥ विष्णुर्दं विष्णु ॥ नृहा जन हन् नृव ह म च ल ठ
 मा वि कं न्या दान क त्रा उ न जा न हं ॥ मा कं ॥ महा देव ॥ नृहा जन हन्
 नृव ह म विष्णु का समा चान वृ मि क च य हि न हं ॥ प वि षु पं ड डी
 लू ११ ॥ धनं द का दि स र्व प वि षु पं पि डी ॥ वि ष्मा मा ॥ धन मं दि षा हि
 रु द व वा न थं डू थु मं ॥ त्रा गा ॥ का ला ॥ ७ ॥ च ला जा या ॥ ष कं हा मा ॥
 मं डि ॥ नृहा गृ न्ना थ प्रा हि ना दि द व वा च मा वि षु की षु ॥ सर्व ॥ नृहा
 मं डि नृ व स्प का य च लि या ॥ दि कं ॥ सर्व ॥ नृहा मं डि सि षु का य च लि

ब्रह्मपत्र २६

य ॥ मंदि ॥ नृहागुननाथनृवल्भंजायचलितय ॥ मल्ल स्वयहावा ॥
मंदि ॥ नृहामहावाऊहमावापक्षमगुनृषाहिरवात्ता ॥ की कल्याया
ह ॥ दऊ ॥ नृहामंदिनृवस्य ॥ ० ॥ हा ॥ ० ॥ कवहिय ॥ मंदि ॥ नृहा
महावाऊनृवस्य ॥ मंदिह रायविहमम ॥ गुन ॥ नृहादऊषजापति
सर्वकुसुमादयास्तु ॥ दऊ ॥ नृहागुननाथहमावापक्षम ॥ ० ॥ हास
नमाविऊंकीऊ ॥ गुन ॥ नृहादऊषजापतिनृवस्य ॥ विहमम ॥ धन
विहममिपं ॥ पक्कं ॥ नृहाऊनवृन्दनृवहमदऊषजापतिकपास्त

कैल्या दान लन का जा कह ॥ **दिकीं ॥** अहा जन वृत्त नृवह मसि धु जा न
हं ॥ **मधु सय रात्र ॥ विष्णु ॥** अहा दक्ष प्रजापति ॥ **मधु ॥** अहा वैकुंठ
नाथ श्री विष्णु हमा गोपना मठ ॥ रासन मा विऊ किऊ ॥ **विष्णु हहा**
यविष्णु मा दक्ष ॥ अहा गनुनाथ य हस निदवी का कैल्या दान दन
का ॥ **का हा कहं कवि दीऊ ॥ गुरु ॥** अहा दक्ष प्रजापति नृवक्ष ॥ **गुरु**
गुरु ॥ अहा दक्ष ॥ **दामदं रुहाया ॥** अहा गनुनाथ का आहा हा कहं ॥ **गुरु**
गुरु ॥ अहा दक्ष य हं कैल्या दान का समाधी ऊह नया न करी दीऊ ॥ **दाहा**

॥ अहो गुरु अवस्य ॥ **गुरु** ॥ अहो हा ॐ हान कनक हस्ताला रुया नक
वकहं ॥ **हान** ॥ अहो वनका ॐ गृह कनक अवस्य कविथ ॥ **थनदा स**
नऊ हस्ताला दय कुरु रिवं ॥ दासो ॥ अहो गुरु ना थऊ हस्तनाजाम
रुया नरुयाहं ॥ **गुरु** ॥ अहो दा स अवस्य ॥ **गुरु** ॥ अहो मुरु नथ दक्ष
प्रजापति ऊ हस्तनाजाम रुया नरुयाहं कंन्या दान कविथ ॥ **दऊ** ॥
अहो गुरु नाथ अवस्य ॥ **दऊ** ॥ अहो मरु विष्णु आवे कुरु थनाथ कंन्या
दान कं सुलगत रुया कंन्या दान लीऊ ॥ **विष्णु** ॥ अहो दऊ प्रजाप
अहो गुरु जो हिन अवस्य यग्य करिये ॥

किन्नुवस्य ॥ यिन कंन्यादानवियवाक्क झापागे ॥ थनमहादूहिदुकर
प्रश्रयाहिकारुनानाननितं ॥ प्रकं ॥ अहाजनवृन्दज्वरुमविप्रने
कलकपककोदुप्रजापतिककंन्यादानलनेकाजारहं ॥ द्विकं ॥
अहाजनवृन्दसिधुजारहं ॥ मध्यस्वयराव ॥ महादेवा ॥ अहाविप्रन
दुऊमेनकोहिकानहिदककंन्यादानलिमांहिकानेंदियाभाहिकार
हुमदानाकाअहिहभापदरहं ॥ विप्र ॥ अहाहिकुकरुमनहभापमरु
दसवकंन्यादानकोलग्नचूकेनलगिआरु ०० हासनमाविऊकी

ॐ॥ हिङ्ग॥ नृहाविष्कृत्तुवस्य॥ हिङ्गुहहायनापेविहभम॥ गन्तवा
क्यायेक्रापायाग॥ कन्यादानमहादेवयामलाकके॥ दक्षकमचा
कहाडाहकके॥ दक्षा॥ नवपापिविष्कृमनचलकपनिमायासां
त्वधकवित्रसाहिङ्गुकाँकन्यादानरुजादियानुमावाविहभसना
हि॥ दक्षा॥ नृहापुष्टिनुमावीकर्मकारुलकपनिविष्कृकाकृपाने००ह
हिङ्गुनुमावीपुष्टिहोग०००काकयनुमावित्रस्त्रीगहिहाग०००॥
सन्निद्वि॥ हविर्भविक्वमधिकायरुगिनिसवदेवकिपेत्तिरुम

हिये कवहु हिजा गिकि पाहा रुचि मंत्र गति ॥ **विन निद्रा ॥** देखि लहा
पुछि विष्णु किक पट चकल सांघा गति रुयी रुना बाहा गवहु हिजा गि
जाने प्रभा रुम जा ० ॥ **सनिद वियाइहा ॥** नहि मंत्र माकाना हि मंत्र प
ना नरु न देव कि वचना दाख हि दन किस्का माना मंत्र कत्र म कि ली
ला ॥ नरु माना पिना कर्म मंत्रि सी गति दाख नरु का नहि रुम न
दि या का हि रु रु वा सां हि रु रु ला क नाथ रु ल्य था मंत्री कर्म नु सी रुं का
कन अ न रु गि ति ला क सव का देव ला क पृष पाय का क य नु सा हि रु रु

या सा हि हृदय रुतु हं ॥ **वीर दंड** ॥ अथोपुष्टि धं स शुभ मेने सीवाल ख
हा ०० कने सी धर्म वार्ता कि यो रुम धं दाम न कभी य ॥ **सनि** ॥ अहा माना
पिना च न दाम धं न स न द ॥ **प्राहिका** ॥ अहा माहा वा ऊ अ व पूर्व धर्म क
विया ॥ **दंड** ॥ अहा प्राहिन अ व ह ध ॥ **पूर्व** या क ॥ **हस्त** क क्रा पा या गुं ॥
प्राहिन ॥ अहा माहा वा ऊ अ व रुतु क विया ॥ **दंड** ॥ अहा प्राहिन अ व
ह ध ॥ **हस्त** क क्रा पा या गुं ॥ **प्राहिका** ॥ अहा माहा वा ऊ अ हा ही वा द ली ऊ ॥
दंड ॥ अहा प्राहिन अ व ह ध ॥ **हस्त** क क्रा पा या गुं ॥ **दंड** ॥ अहा प्राहिन

यद्दक्षिणलीला ॥ **आहिता** ॥ अहामहाबाज्जवहध ॥ **दक्षिणान्वय**
विं॥ आहिता ॥ अहामहाबाज्जव अहकापतापहद्रिहाच सर्वज
 सहादयास्तु अवरुमजाकहं ॥ **दक्ष** ॥ अहा आहिता अवरुध विक्रक
 ऊरुमाविषहमम ॥ **चडु अहिनि** ॥ अहा पिताहमाविषहमम अवरु
 मजाकहं ॥ **दक्ष** ॥ अहा कामाता पुत्रि अहिनादि अवरुमजा ॥ **०००** ॥
चडु अहिनि ॥ अहा पिता अवरुध ॥ **लिखय्या चडा** ॥ अयी पृथ अवरु
 त्यादि आहिता गद्य सव अवरुमलाक अरुनामं दिवजाय चलिय ॥

सर्व ॥ अहा ना पधी हाव अत्र वृष विऊ कीऊ ॥ सर्व ॐ कनिपं ॥ विष्णु ॥ अ
हा दश प्रजा नि अत्र हम वेकं थ मा जान हं ॥ दऊ ॥ अहा विष्णु अत्र वृष
विऊ कीऊ हम नि प्रधम ॥ विष्णु दं रु हाया ॥ विष्णु ॥ अहा जन वन्द अत्र
हम वेकं थ जान हं ॥ कनिप नं ॥ दऊ ॥ अया पृथ सति दवि अत्र हम
आक माता पिता सा विहा लिय कं अरु ना आहम मजा ये चलिय ॥ स
नि ॥ अहा स्वामि अत्र वृष ॥ दऊ सति दं दऊ सति ॥ अहा माता पिता अत्र
हम लोक निऊ मंदिर जान हं हम नि प्रधम आरु लोक सावधान हो

ॐ कवहिये ॥ **दकु** ॥ अहाऊमाकापुष्टिसक्तिदेवीरुमलाकसावधान
 हायीकनजाहा ॥ **वृद्धसक्ति** ॥ अहातामापिनाश्व ॥ **लिस्म्यवृद्ध** ॥ अ
 यीपृथसक्तिश्वरुमलाकनिकुमंदिनजायचलिये ॥ **सक्ति** ॥ अहा
 स्वामिश्वरु ॥ **थनवृद्धसक्तिनिष्कंठामा** ॥ ॥ **नाग** ॥ **ह्री** ॥ **आधी**
 नमनप्रधातिऊघनजायचलीये ॥ माकापिनासंगविदालियकव
 जाये ॥ मननसहवि२निऊघनजाये ॥ १॥ ननपतिस्त्रेदुविक्रमसाह
 देव. हावरुहिवचन ॥ मनकविआसा ॥ **धीये** ॥ २॥ **प्रकीर्तिकं** ॥ **सक्ति**

॥ अहो स्वासि सिषु विरु की ऊ ॥ इडा ॥ दकु ॥ अयी पूया दिग दस व अ व
 र म ला क पु ठि का स मा चा य वृ मि के य हिं ह न हं ॥ सर्व ॥ अहो मा हा वा
 रु अ वे ह ध ॥ सर्व इ अ ॥ ल ११ ॥ ॥ ०० कि ह्री लिं ग पु त्रा ह्मा दि
 ना ना सा रु सं ग्र ह ह्री स्व स्थ भ्या पा र त्वा न को रु क ना ट क सर्व द्वि ति यां
 क ४ ॥ ॥ अथ च रु र्थ नां दि भ ॥ ॥ ना ग ॥ वा रु वि रु य ॥ अ ॥ रु य ग
 द ना य क मं ग ल का य क रु मं ग ल ना हा क ना था ॥ रा वि कि षा द प नि
 ध वि रु रु ण मा टि हां क व प ह प नि ना थ कि ना थ ॥ १ ॥ स व रु वि रु म सा

हनृपग्रधगमडागरुकाधनकवियहानाथ॥ ऊगरुकिऊनतिम्
नयऊनकंसंरुचपिषापतिनाथकिनाथ॥२॥ **थनदडादिउपविऊपं**
पिडांविहाम॥ दऊ॥ अहामंदि॥ **मंदिदेहहायमंदि॥** अहामाहावा
ऊदरुपजापनिकाआगमहाकरहमाविषहाम॥ **दऊ॥** अहामंदि
गमनचंखअवहमअहवमधयगपकनरहंआहिकवाला०० देवला
कपुत्रिआदिमाहादेवसकिदेवीवाहकअडावसववाला०० केयगम
आऊमरुयात्रकविआह॥ **मंदि॥** अहामाहागजअवध॥ **मंदिनिमा**

यमंदि॥ अहा गुरुआहिरुदवगंधर्वयज्ञादिसुवक्षीमहाबाहुदकु
प्रजापतिकाआग्नेसाअह्वमधयग्यकवहकोरुमलोकासवयाह
आयिय॥ मंदिनिहायमंदि॥ अहामाहाबाहुसवलाकवोला००
कआयपहंचयग्यसबाऊसकयावरुया॥ दकु॥ अहामंदियाहाआ
००कवहिय॥ मंदि॥ अहामहाबाहुअवह्व॥ मंदिहहाय॥ नापंवित
हमम॥ दकु॥ अयीपुयादिगहसवअवरुमलोकाअह्वमधयग्यकाम
बाऊसकनीपुडिआदिकोआहानकविनरुह॥ सर्व॥ अहामाहाबा

नदि उपनि

श्रीमन्नारायण

ऊर्जवद्वध॥ सर्वपविऊर्जपद्वध॥ ल१॥ थनवद्वसुहिताहथुम॥ ॥ वा
ग॥ श्री॥ ॥ ॥ धीयमन्नपा॥ हिखाऊरुय॥ प्रकांडं दिकांडं॥ अयीपृ
यसहिदविऊर्जवहमाया मंदिलन आयपहंच विहममकविकवहिय
॥ सदि॥ ऊर्हास्वामिऊर्जवद्वध॥ विहमम॥ वद्व॥ अयीपृययहववनमी
वहकपनिहमरुया ऊर्जवहमकक कालसयनकनरुह॥ सदि॥ ऊ
र्हास्वामिऊर्जवद्वध॥ वद्वसयनराव॥ सदिइहा॥ हनि२मन्नकनमधिका
न. रुगिनिस्वदवकिपतिहमहियकवद्वऊगिकिपा॥ रुयिमन्नग

ति॥ अहोऊत वृन्ददेखा २॥ हमा नाद ववाऊसा सर्व धर्म सीधन की कंन्या
अवयह चरि मवासरु योधि कात्र मय कत्र महं वि२॥ **कनका वंका क**
का॥ कनका निन इहा॥ नहि मय सामानहि मय पीता. अरु न देव किन
चनादाष हिदु किम का माता मय कत्र म किलीला॥ **धन वृद्ध दं वृद्ध**
॥ अयी चान्याली स्त्री कहि हम को वहाव नि काले कनखा गुमन का
खायिलिया मा पापि॥ **सति॥** अहा स्वामी अरु आनन्दु निजाद खिह
मवा लाया नहि सर्व चिऊ खायिलिया॥ **वृद्ध॥** अयी पृथह न हम सा

ॐ नमः ॥ सति ॥ अहं स्वामि अवेष्ट ॥ ब्रह्म देवता वा ॥ सति ॥ अहं ऊन वृ
न्द स्वामि का कुरु स्वा ऊन हं ॥ नय वक्तु मा लखि ॥ सति ॥ अहं ऊन वृन्द
यह दिदृथान मक्का मिल गम स्वा ऊन नाहिय हवन मो धारु चो न अ
यि कम न धर्म का नास किया सा हम का क न ह नि ह नि ॥ क न धन का
कडा ॥ थन ब्रह्म दे ॥ ब्रह्म ॥ नयी पृथ यह गुरु का नास क विथ ह मा ना गृ
ह ना हि ॥ सति ॥ अहं स्वामि अरु ब्रह्म रु या का हं नास क न ॥ ब्रह्म ॥ न
यी पृथ धन्य शुभ ॥ मल्ल स केला स कुरु य नि स दं प ला ख न लि चि

लमब्ध ॥ वृद्ध ॥ ज्योतिष्यहमाविद्वान्वायपहचगमवनसारु
मिलनपनकनिय ॥ सहि ॥ जहास्वामिधन्यरुमाहकोदववाजाज्वरु
मलपनकनरुहं ॥ वधिकरि ॥ वृद्ध ॥ ज्योतिष्यधन्यरुमावाचवि
कुदखिकहं संकुदरुथाज्वमन्यूपदनसनकनिय ॥ सहि ॥ जहा
स्वामिज्वरुध ॥ धनगमकुमय ॥ मारुदेवनवृद्धरुपनालनाडामारु
देवरुपदर्शनविडा ॥ सहि ॥ इत्तक ॥ देवात्वं लंरुवससुनगधपवि
ऊनेयागध्यानकनारु ॥ पृथ्वीव्यपनऊवायुगगनवसनविकालरुप

त्वमेव ॥ सुदुर्बलं इदं दधकल हवने न कनूपात्म साहि त्वां द
वन्नोमिति ह्यं हव कल य हव नीलकंथ महः ॥ अहा स्वामि तुला के
नाथ ह्यमाहादवधं त्य रं मयिक न मरु मा या च व ह कमल भा कोटि रमा
तां कप ह्यमज्वह मदा मिहानि कव दया किं ॥ **माहादेव ॥** ज्योप
य रुम धं दाम रु क विथ क रु काल वि ह्यम करु हं ॥ **सहि ॥** अहा तुला
क नाथ ज्वह ॥ **निष्कं वि ह्यम ॥** **माहादेव ॥** ज्योपृथ ज्वह मला क
नं दिहं गि साथ ल क य हि न रु न हं ॥ **सहि ॥** अहा स्वामि नाथ ज्वह ॥ **प**

विष्णुपंडुओं ॥ २ ॥ धनदकादिउपविहर्षं पिठां विहाम ॥ धनकाविष्णु
ना नदधाहिरु ॥ ३ ॥ दादिचंद्रसहिरुओं निपं ॥ प्रकां ॥ गुरु ॥ अहादवादि
अंशानग ॥ सवदककनिकटजायचलित्य ॥ सर्वा ॥ अहागुरुअवह
विऊकीऊ ॥ दिका ॥ सर्वा ॥ अहागुरुनाथसिषुविऊकीऊ ॥ गुरु ॥ अ
हादवादिसवअवहजायचलित्य ॥ ऊठां सगुरु ॥ अहादऊपजापति
॥ दऊदिसर्वदंहराथदऊादिसर्वा ॥ अहागुरुमाहाविष्णुदेवादिसवर
माविष्णुमयहसानकामसां अहमं धयग्यकविदीऊ ॥ प्राहिरु ॥

अहं हकिमानदऊपजापनि अंवहध ॥ ५ हो सर्वनापं हुहाय हुस्वक वि
हमम ॥ गुरु ॥ अहादासलाकयहयगपमंदपरुयात्रकवियं ॥ दासदं
॥ दास ॥ अहागुरुअंवहधहमाविषक्षाम ॥ निस्वकयगषदयं कृषिं
॥ दास ॥ अहागुरुनाथयगपमंदपरुयात्ररुथा ॥ गुरु ॥ अहादासअ
वहध ॥ हू ॥ अहामंदिनिस्त्विंखग्यानचैखयगपसनाजामनयात्र
कवियं ॥ मंदिमंदं ॥ अहामाहाजाऊअंवहधहमाविषक्षाम ॥ हुस्वक
सनाजामनयात्रवाकविं ॥ मंदि ॥ अहामहाजाऊधादहाहृहिसकिन

पुष्पक

ॐ कविथ ॥ **दकु** ॥ अहा पाहिरु जव ॥ **पूछ्या क हल क हा पा या गुं** ॥ **पटपट**
दकु ॥ अहा गुनु पाहिरु जउ न ग ॥ सवह मा वि अ ह व म ध सा रु म ला क
पु सि ह कि न हि ॥ **सर्वी** ॥ अहा नाऊ न व रु क अ च्छा हं क च्छ धं दान क वि थ
॥ दधि चि ॥ अहा नाऊ न य ह हा म रु ज व ॥ अ च्छा हं य क ह्वी मा हा दे व
वि ना य ह य ग्ग मं द प रु चि ना क र्त्त वी न ऊ सा द ख रु हं रु म ला क क्रि या पु रु
ऊ सा द ख रु हं ॥ **दकु** ॥ न न डु वा चा न कि स न वा ला ॥ क न आ यि य ह हा
म को रु म री स क न रु हं रु म वि न रु न क ठ को जा रु ॥ **दधि चि ॥** अहा च्छ

उवृक्षिपवदनरुमलोककाहंवरुहं^वमारादेवनहिरयगपमरुमवरु
नानाहि॥ अहाधाहिनादिसवअरुनामंदिलजायचलिये॥ अष्टादि॥
अहाओमारादेवांसअवहध॥ सर्व^{अष्टादि}किपनंठा॥ नावद॥ अहाजनवृ
न्दअवरुमकेलामऊरुहं॥ किपनंठा॥ दकु॥ अहादेवादिधाहिरुस
वअवयगपकाफिउध्वनकविकयहिंवरुहं॥ दवादि॥ अहावाजनअ
वहध॥ यगपकंदसमरुसर्वपनिऊपंडुठा॥ लु३॥ थनमारादेवसकिनं
दिरुंगिउपनिऊपंपिठाविहामा॥ थननावदडाकिपनं॥ मध्यना

थनमहादेव. सकिदेविरुल्लवाय॥

नदा॥ अहा ऊँ लोकाध्वजनी सतिद विमवर्देदवतुद ऊषजापतिका
अवधुधकिया टटिसकाटिदवलाकवरुताह अहूनोहि॥ **माहा॥** अ
हानावदहमविनायकह॥ **सति॥** अहा स्वामि अवहमनावदकसाथ
पिका स्थलभाजाकहं॥ **महादेव॥** अयी पृथगुमजानसां कृडालनाहि
विनापनाध अविमानहाकहं॥ **सति॥** अहा स्वामि श्री महादेव अवह
म अवधुधपिकाके पास जाकहं हमा विप्रक्षम॥ **सतिदं॥ सति॥** अहा
नावदसिद्यजायचलियो॥ **नावद॥** अनीजननी अवधुध विऊकीऊ॥ **ॐ**

किप्रनं०॥महा॥ नृहानन्दिहंगि नृवहमलाक सतिदेवीकासमावा
नवृत्तिकवयहिनरुहं॥ नन्दिहंगि॥ नृहाकेलाकनाथनृवहधवि
नाजिय॥ प्रविजुपंडुता॥ लृ४॥ धनयग्यकंदसहिरुसर्वउपविजुपं
पिताविहममा॥ धननावदसतिता ककिप्रनं॥ मधुस्वय॥ सति॥ नृ
यीमातापिताकुमावीचनकमलभाकादि२३धम॥ दकु॥ नृयीप
दित्तिदेवीयहायीकवहिय॥ सति॥ नृहामातापितानृवहध॥
विहममा॥ सतिदकुयालाहानादं॥ नृहापिता॥ धनरुहायविहम

दक्षवर्जनीमिदं ह तप
माणसक्तिया इह माह माताभिनाहा. कटिस्काटिदेवा स न सवर्किवान्ना
डा न जाऊ. उ सिह म का का ह को न जि मन मे ड ख रुयी ॥ **दऊ** ॥ ह सनि
द विहा रु मा बिस्वा मि अंग दिग म्ब न. खा डी न हांग ध रु न. उ स हा ना
द ख न म जी का ह का ड ख लग यी ॥ **सनि उहा** ॥ ह पि ना जि हा न व हि
ऊ ग प का पुं न्य मि ला डी वा ला डी ह्री मा हा दे व का पुं न्य प्र का हा क बा
हि भा ऊ का ह का ड स्म न रुयी ॥ **दऊ** ॥ ह स नि दे वी हा वे ता मा हा दे व का
हा क दे व का हा तां दे व पुं न्य. पुं न्य प्र का सि न व श्मा वि प्र डी न ही स नि

साय॥ **सक्ति॥** अयीमाता पितातुमावाचवधममयप्रधममहामरुमा
माप्रतिनाहिमंतिमानयनतिहं अवषाधवहकानाहि॥ **सक्तिदंरुहा**
य॥ सक्ति॥ दुहा॥ हुजननिहाहिवकाउमिनिंदाहागयीकमिदीलव
नंवि० अवहिहंमंमयषाधमवनवहमानिमाव॥ **थनयगपचाकउ**
लाडाहासा॥ अहाजनवन्दमयस्वामिह्यामाहादवकाउमानिंदक
हागयिहिवरुहविहवि॥ **थनयगपसकावाक॥** आधनालुरुहाव॥ **आ**
हिता॥ अहाजाजनुविष्कअठानदवसवयरुजनर्थहागयीहविशाद

ह॥ अहा प्राहिनादिसवधं दामरुकिऊ ॥ नावदं ॥ अहं ऊन वंद अवरु
मकेलास जात हं ॥ थन नावद केला हाठा कृनिपनें ॥ दह ॥ थन गृह का
खठा कां खिंखा लमाल का दुठा ॥ दह ॥ अहा गुव्वाहिरु नूनर्थ उपड
वरुथा के सिकथ ॥ प्राहिरु ॥ अहा दह अवरु मऊन नक विवरु हं ॥
सर्व ॥ अहा प्राहिरु अवरु ॥ यगपस मरु सर्व दुठा ॥ लूज ॥ थन नंदिरु
मिमाहा देव उपविऊ पंपिठा विष्म म ॥ थन नावद हा कृनिपनें मल्ल
हय राव नावद ॥ अहा स्वामी श्रीमाहा देव हमा विष हामऊन नीस

निदवीन पापिदऊन बहुरूआरुका निंदयाका अवतकविहिवर
नामलियकयगपकंदमपाधग्यागकिया नूनर्थरुया ॥ **माहा ॥** नून
नानदपापिदऊन विनापत्राधमहमका निंदकविमत्रपाधमरि
कापाधमाचनरुया नूनहमपापिदऊकोनाहक नूनमजायिय ॥
नानद ॥ नूनस्वामि नूनवधमत्रधम ॥ **नानदलिहवकनायदा ॥** नून
हऊन नूनद नूनहमबसलाकजारुह ॥ **नानदकनियनेउं ॥** **माहा**
देवदेहहायमाहा ॥ नूनवी नूनइमाहाकालिगधसवूनमलाकया

हान्नायीय ॥ माहा ॥ लिहाय विहमम ॥ थनवीनरुडा दिक्कं पचकान्नं
ॐ मत्स्य ॥ सर्व ॥ अहास्वामीहमाविषक्षमकाज्वत्क्यारुथीकाज्जा
गमहाकहं ॥ माहा ॥ अहावीनादिगक्षस्वदुमलाकजायकपापिद
ऊकासहवकविनायीय ॥ सर्व ॥ अहाहममिज्वक्षमत्रपक्षमा
माहा ॥ अहानन्दिरुंगिरुमसाथजार ॥ नन्दिरुंगि ॥ अहास्वामीज्
वक्षहमाविषक्षमा ॥ निष्कंदं ॥ वीनरुडा ॥ अयीमाहाकालिगक्षज्व
हमलाकसंशामकनक्षजायचलिये ॥ सर्व ॥ अहामाहावीनवी

वरुड भव इध विऊ कीऊ ॥ चकालेंडा ॥ माहा ॥ जहाऊन वृन्द भव
हमवी वरुड का समाचाव वृमिक यहिं नरुहं ॥ माहा ॥ पविऊ पंडु
ओं ॥ नृ ॥ दऊादिउपविऊ पंपिडां विहभामा ॥ थन वं विंचाडा रव्या
लमाल कोइडां ॥ दऊा ॥ जहा पाहिनादियरुऊं वृकनेउपडवक विग
या ॥ सर्वा ॥ जहा नाऊन भवऊऊन कविथ ॥ थनवी वरुडादिडा च
कालें ॥ मधु स्वय ॥ वीनादि सर्वरुहकु ॥ वन पापिनुमने विनापना
धमनी ठकवि सहिदविका नासकिया रुनकाहाजा वृनिदु ॥ दऊ

॥ ज्यो पृथु प्रसिद्ध वरु मलाक सावधान हा वरीक बहिय ह मलाक क
कक बरु ह ॥ वीचनि ॥ अहा स्वामि अव स्प ॥ वीचनि सर्व पवित्र पंडु
॥ दकादि सर्व द ॥ सर्व रुक ॥ न य इ म हि रु मलाक का काल न च ए न
कविक म न सन न प त्या था हे रु मलाक का हां जाओ निष्ट ॥ दकादि
सर्व लिय ऊ च सवी ना दिख च स द का दि ला क क ॥ दका ॥ अहा मं दि
ग धा रु मलाक न य रु द वृ सां रु क वि थ ॥ मं दि ॥ अहा महा बा ज अ
व ह प ॥ वीच ॥ अहा नं दि रु गि रु मलाक न य रु पा पि सां रु क वि थ

॥ नन्दिरुगि ॥ अहा ऐन्ना काधी पत्रवहध ॥ हहा यंदं हकके ॥ मँ छि
॥ नयें इनात्मा रुम काहा जावे निष्ठर ॥ नन्दिरुगि ॥ नयें इर्वुद्धि रुम
लाक काहा जावे निष्ठर ॥ युद्ध वाजा रिविमानका ॥ विष्णू ॥ अहा मँ छि
ग धय हाभा ००० के बहिये ॥ मँ छि ॥ अहा विष्णू अर्वहध ॥ विवरुडा ॥
अहानन्दिरुगि रुम यहा जा ००० के बहिये ॥ नन्दिरुगि ॥ अहा ऐन्ना
काधी पनिष्ठरी वी नरुड अर्वहध ॥ विष्णू मा ॥ विष्णू ॥ अहा ००० हानव
नृह यहुडस मां युद्ध कबिये ॥ ००० हानवनरुडा ॥ अहा वैकुंथ नाथ

श्रीविष्णुः श्रवणं ॥ ॐ ॥ नवनृक्षनरुके ॥ यत्र पापि नुमलो ककार
जाचनियु ॥ **विनरुड** ॥ अहा श्रीमहाकालिप्रमथादि नुमलो कन
यहडुष्टजनकासगधसंहानकविथ ॥ महाकालिप्रमथा ॥ अहा
लाकाधीपनिश्रवणं ॥ महाकालिप्रमथनरुके ॥ यत्र इवृजि नुम
लोककाराजाचनियु ॥ युद्रवाजामालका ॥ **विष्णु** ॥ अहा वनृक्ष ॐ
॥ नयल ॐ ॥ कनहिया ॥ **विष्णु** ॥ अहा श्रीमहावीष्णुः श्रवणं ॥ **वि**
नरुड ॥ अहा श्रीमहाकालिप्रमथादियिहा आयिकनहिया ॥ महा

कालिप्रमथ॥ अहो ह्री विप्र रुद्र नृव ह्य॥ निष्प विहस मा विष्क॥
अहो अम वायु यरु दुष्ट सगन संहायक विथ॥ अम वायु॥ अहो मा
हा विष्क नृव ह्य॥ अम वायु रुद्र क॥ यं यं इष्टु रुम लाक काहा जाव
निष्ट॥ विप्र॥ अहो या गिन्यादिय हपापि सगन संहायक विथ॥
या गि॥ अहो तुलाकाधिप नृव ह्य॥ या गि रुद्र क॥ यं यं इना चादि
रुम लाक काहा जाव निष्ट॥ रुद्र वाजा माल क॥ विष्क॥ अहो अम
वायु ॐ हा नृ ॐ कं न हिय॥ अम वायु॥ अहो ह्री विष्क नृव ह्य॥ वी

॥ अहा यागिनी गद्ययहा ॥ ॐ के न हिय ॥ यागी ॥ अहा ऊगना
धिप अव ह्य ॥ विष्णु मनि व्यं ॥ विष्णु ॥ अहा ॐ उकु वन य ह द द उ
न सव को सग न सं ह न क वि थ ॥ ॐ उकु वन ॥ अहा वे कं थ ना थ ह्री
माहा विष्णु अव ह्य ॥ ॐ उकु वन ह ह ह ॥ वन पा पिरु म ला क काल
न घ ना क वि म ना स न म य ल्या या हं रु म ला क का हा जा ह्य नि ह्य ॥ वी न
माहा का नि ॥ अहा यागी न्या दि स व रु म ला क ज्ञान न्द सां न हिय ह म
रु द्र क न हं ॥ या गि न्या दि स र्व ॥ अहा उ ला का धि प नि अ व ह्य ॥

दीपमाहाकालिदंरुक् ॥ यत्र कृष्णगिरुम लाककाहाजावृकिष्ट ॥ ६
चलति शङ्खवाजा मालका विष्णु ॥ अहा ॐ नृकुव न ॐ हात्रा ॐ हीक
नहिय ॥ ॐ नृकुव न ॥ अहावेकंथनाथ नृवह ॥ विनमहाकालि ॥ अ
हायागिन्नादिगद्यसवकुहावृकविहममकनरुह ॥ सर्व ॥ अहाउला
काधीपनि नृवह विहममकीऊ ॥ विहमम ॥ विष्णु ॥ अहाचन्द्रमारुम
नयहृदयऊतसांशङ्खकविथ ॥ चन्द्र ॥ अहावेकंथनाथ नृवह ॥ चन्द्र
मानरुक् ॥ यत्र पापिरुमकाहाजावृकिष्ट ॥ वीना ॥ अहानन्दिरुमन

यहचतुर्भांशकविथ॥ नन्दि॥ जहाजगताधीपञ्चवक्ष॥ हनक॥ न
थइनात्मारुमकाहाजावनिष्ठ॥ शङ्खवाजा मालक॥ विष्णु॥ जहाच
तुमाँ० हाआँ० केनहिय॥ चतु॥ जहा श्रीविष्णुञ्चवक्ष॥ वीना॥ ज
हानन्दिरुमँ० हाआँ० केनहिय॥ नन्दि॥ जहाजगताधीपञ्चवक्ष
॥ विष्णुदका॥ जहा देवायहर्षवृद्धिलाकसां हमशङ्खकनरहं॥ सर्व॥ ज
हा श्रीविष्णुञ्चवक्षकीऊ॥ दंहरक॥ ननपापिद्विज्वहमात्राहक
भापनाकाहाजावनिष्ठ॥ माहाकालियागिनि॥ जहा श्रीवीरहृदय

हृदयकप्रतिमाहमशुद्धकनरह ॥ वीन ॥ अहो ह्रीमाहाकालि अवध
कीऊ ॥ माहायागिदं हक ॥ नयदुनाचाविद्वद्विदुमलाककाहाजावे
मिष्ट ॥ शुद्धदं वलखिनगवावाजा मालका ॥ विन ॥ अहाविष्णुमजा
०० कंयहपापिहिवनिन्दकसर्वकामुच्छाकनिय ॥ विष्णु ॥ अहामहा
वीनह्रीवीनरुद्रज्वहमहमजारहं ॥ विष्णुदं हाकविष्णुनपुशामुच्छा
शुभावाच ॥ विष्णुनलिमाक ॥ विष्णु ॥ अहाऊनवन्द्याश्चर्य्य २ यरुपा
पिति विष्णुनदवादि सर्वकामुच्छा मापना ज्वहमह्रीमांगनरुद्रन

कनकहं॥ **विष्णु**॥ अहाही मांगनु मजा वही कंदवा दिसव काम् चो चू
ना वही कपापि विष्णु को सग दसं हान कवि कंदहा॥ **हि मांग**॥ अहाम
हविष्णु नव वध॥ **ही मांग दं विष्णु** माहा कालि लिहाय विष्णु म॥ **हि मां**
गनरु कं॥ न न पापि रुम कारा जा वृ निष्ट ॥ **विष्णु**॥ न न इष्ट रुम कारा
जा वृ निष्ट ॥ **रुद्र वाजा मालका**॥ **विष्णु दं रुद्र कं**॥ न न पापि रुम लाक
कारा जा वृ सग दसं हान कनक निष्ट ॥ **वीन**॥ अहाही माहा कालि रु
मय इष्ट पापि सां रुद्र कनकहं॥ **माहा कालि**॥ अहाही वीन रुद्र अंव

हृषीकेश ॥ **वीनदंरुके** ॥ यत्र दृष्टकप्रतिविष्कुरुकाहाजावृत्तिरुहमा
 नाहमभापयामिष्ट ॥ **विनविष्कुरुद्रयाकमे** ॥ ॥ **नागा** ॥ पहवि
 या ॥ **ऊर्तिगवला** ॥ सूनरदाहिमर्षकाहिरजसंहावहा ॥ हादसबगक्षथे
 याथेयाकवरुवहकापापिना ॥ १ ॥ हादगक्षमानदखिलानपवन
 नानहा ॥ थेयाथेयाकवरुजमपुत्रिपथाक्षरत्रिसवगक्षरमे ॥ २ ॥ **वि**
ष्कुरुके ॥ यत्र पापिदृष्टदद्यादद्याज्वरुमात्राजीवनरुतनाहिसव
 स्रुतासकियाकायहसुदर्शनचक्रदधारुमकाहाजावृत्तिमवरुहमा

पत्रादिष्ट ॥ वी न ह न कू ॥ न न पापि कपतिरुमव न पत्रा कुमी हागा हा क
हना मातु नाहिने स से पृ ध स नू संह न कि था का च क हागा हा कहना मातु
नाहि प्रहा न क नि य निष्ट ॥ च क यु न न या क र्विं ॥ वी न ह ड न नू नू स नू
या का धे न ड ॥ च क ऊ ड न वि न्ध ड ॥ च कालं लि य ॥ वी ना दि म ध्व स ॥ वि
न निं ड प रिं पि ड वि न्ध म ॥ वी न ॥ न न पा पि वि वि व क नि न्द्रा कि या का रू
ल द र रा नू मा ना वि न नू द न क नि के नू ध्व स ध रू नू पृ ध स क न न हं ॥ मा
द सा रू या क वा जा ॥ मा द सा रू या क ऊ रू स ड ड ॥ वि न नि रू मा ॥ नू हा नू ध्व

र्ययहृज्ज्वमधमाप्रकलितकोदकुनवालायानाहित्यनेसाहमकावि
 पनिरुयाभनिक्कागनिहनिहवि॥**वीचनिंकनुंम॥** ॥**वाग॥** विहासा॥
 ॥**खा॥** हमसमाभूगगिनिकाहिनाहिप्ररु॥पनिविनूकसांनरुंप्ररुज
 वपाडं॥१॥^{कनुंमोति}रुभनखरूपनिनृपयधगाद्व॥डाहिस्वामिराडंपरुहिवध्मा
 नगाडा॥२॥**विचनिं॥** जहाकुलावनाथह्रीवीवरुडमाहाकालिआरु
 नभिष्टिकविकनेसामरूपदकुप्रककोनासमरुकविऊ॥**थनविप्र**
हू आदिदवसकल्यंडाचुनिपनं॥**मध्यस्वया॥** सर्वकुनियाकहुलाक॥

रसमसा ३२

दवित्वं हं हवक्रसूत्रगद्यपविजने. यागव्यानरुतांते ॥ पृथिव्यपह
जवायुगगद्यवसूत्रविकालनूपत्वमेव ॥ पुद्गलवक्रादखंदादधरुत्तर
वनेनेरुत्तरपात्मासांति ॥ त्वं देवतोमिति न्येव कलषहवं विनकालि
स्वत्रपं ॥ **वक्रादिसर्व** ॥ अहाहोभाकनाथ श्रीवीनरुडकालिभिक्ति
स्थितिर्महात्रकारुआरुकाचनद्यकमलमाकादि २४ भासुंगपद्यम
यरुद्वर्जिमर्षदकुकाजीवदानदीऊकुमाकीऊ ॥ **वीन. माहा** ॥ अहावक्रा
दिद'वारुमानाहकिहावभांरुमसंरुत्तरुथा अत्रदकुकाहिनरुत्तरुमाहा

वीन॥ अहाहकि तुमा नापुनखलहा॥ वीनी॥ अहाउं लाख नाथ सदस्य हमाजी प्रहमम॥

मरुया न्व शिवनिदा किया कारुल सांय रुहु मावलिनदान किया का
कागमष कनिक जीवदान देरुहं ॥ सर्व ॥ अहा आदी नाथ न्व वध दीऊ
॥ थन रुक्या कागमख याकां ॥ थन वीन ॥ अहा हरी माहा काल्या दिअ
वरुमला कजग दी हवन हरी माहा देव के निक रुकेला ॥ माजाय चलि
य ॥ सर्व ॥ अहा हरी वीन रुहु न्व वध विक कीऊन ॥ थन विनादि साकनें ऊं
॥ थन विप्र वक्ता ०० आदि सर्व ऊं निप ॥ विप्र ॥ अहा वक्ता दिदवान्
वरुमला क आरुना आरुना आ अमजाय चलिय ॥ वक्ता दि सर्व दं

नृहा ह्रीं वेकथनाथ नृवह्य जायचलिय ॥ प्रकांडं दिक्कां सर्व ॥ न
 हावेकथनाथसिधुविऊ किऊ ॥ विष्णु ॥ नृहा वस्त्रादिदेवा नृवह्य जा
 यचलिय ॥ सर्वहुता ॥ दक्षा ॥ नृयी पृथादिगद्यसव नृवह्य मलाक ह्रीं प
 नम ह्वन रुजना कर्वका जायचलिय ॥ सर्व ॥ नृहा स्वामि नृवह्य विऊ
 कीऊ ॥ दक्षादि सर्वदे ॥ ह्वन रुजना उं ह्रीं निम ॥ ॥ नाग ॥ व्याहाग
 रा ॥ लंका ॥ प्रियचला ॥ ह्वन रुजना कन ॥ पनम पदायथ कामनक
 विहाय नहि नरु सनिमाय ॥ पृथ्वला ॥ १ ॥ ननपतिराचन सूर्यंद

विष्णु ॥ ३३

विक्रम साहन हि न ह सनि सा न ॥ पृथ चला ॥ २॥ **प्रकांडां ॥ दिक्कां सर्वा ॥** अ
 हा स्वा मि सि धु वि ऊ कि ऊ ॥ **६॥** अ यी पृथा दि ग ह स व अ व ह ध जा य च
 लि थ ॥ **सर्व इडां ॥** ^{रवा कता} **॥** ॥ ००० **कि ह्रीं** तिं ग पु न्ना द्वा दि ना ना सा सु
 मं गु ह स्व स्थ ॥ त्वा पा र्थ्या न को रु क ना ट के सर्व च नु र्थ अं क ॥ **॥ अथ पं**
च म नो दि म ॥ ॥ **ना ग ॥** बा ऊ वि ऊ य ॥ **चो मां ॥** ऊ य ऊ य स न ह ध कि वा
 क्षि रु व स रु ग कि ॥ रु व हि च न ह म वि न कि ॥ स रु केा दि न वि ऊ कि रु च न
 प वा ग प कि ॥ ह न य हा इ ख स व क रि य उ ऊा न ॥ नृ प व न क न रु वि न

रु प रु प
 २०

अथ विसंख्ये ३३॥

दि॥ १॥ थनमहादेव उपविं पिता॥ थनवित्र हडादिता आ कं दी॥ प्रिकं हासा
हापायागं॥ दिक्कं सर्व॥ नृहा हरीवीन रुड सिधु विऊ कीऊ॥ वीन॥ नृहा
हरी॥ माहाकाल्यादि नृव ह्य मधुप्ररु निमिस्कादि देवा सन सव की चू धा
रु कवि नृवा वी पुरुच रमा ना प्र धा म॥ विऊ कऊि॥ मधु स्वयमा
व॥ सर्व॥ नृहा रुगदी हवन हरी महादेव नृरु का नृहा सां पापि रु द
रु का नृ ह्य मधुप्ररु निमिस्कादि देवा सन सव की चू धा रु क कवि नृवा वी
पुरुच रमा ना प्र धा म॥ दिव॥ नृहा विन रुडादि नृव ह्य नृव रु म नो क

ॐ हाञ्ज ॐ श्रीक मय स विव मास्ती नहा ॐ श्रीजाह ॥ विमादि ॥ अहा ॐ श्रीहव
नञ्ज व ॐ ॥ धनन नदिहृदि नूनं च ॥ वीव ॥ अहा ॐ श्रीमहाकात्यादि नवह
महाकवी ॥ हाजायचलित्य ॥ सर्व ॥ अहा वीवह ॐ नवह विऊकीऊ ॥
थन विमादि सर्व माकनं ॥ धनमहादेव ॥ अहान नदिहृ गिरुमलाकजा
नन्दसायहीनहिय नवहममय प्राधसकि नृधमधय ह्माकसापना
हासादखनजाह ॥ नदिहृगि ॥ अहाजगदीधन नवहममय प्राधम
॥ धनमहादेव ॐ निप ॥ महादेव ॥ अहाजनचन्द नवहममय प्राधस

किं कादखन जा कहं ॥ प्रकंडे ॥ दिक्कां ॥ नृहाऊन वृन्द सि पुजा कहं ॥ दुआं ॥ थ
नन निहं गि पवि कपंदुआं ॥ ऊरुउ पवि पिडा ॥ महा देव डा च्छु किपं ॥ मध्य
स्वय ॥ महा ॥ नृहाऊन वृन्द यरुपा पि दऊन विना नृ पनाधन मना निन्द कि
या सा नृ पनाध मनी व मा व्याकुल रुखा मय प्राध स किन प्रा ध म्या ग किया
नृ व मय प्रा ध केडा वरव नाहा हाय प्रा ध स कि २ म का क कि रु म का हा ग २ ३
हा प्रा ध २ ॥ २ जगत् परब सोसा उ मध्य इहा ॥ ये सि कि या द रु थन ऊरु न स कि देवी थ का थ ॥ महा देव क नृ हा व ॥ महा देव या
इहा ॥ महा ॥ ह स कि देवी हा रु म सां ला ग ल पी व कि क रु ल को न दि या वि थो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ग. कुमनेसि संदविकास मिले नवके ह्यदिल धय ॥ **सक्तिमद सक्त्या ॥ ६**
हृदयम ॥ ॥ वाग ॥ ॥ द ॥ ॥ वा ॥ हायदवि हाय हाय सक्तिद विरुम विन
के हाव हं ॥ मय मन के साधीन धन सय रुदिकु मसा हा ॥ १ ॥ देवनृप गृध
२ वी ल का हां गय का हां द खनु ॥ हाय मय प्रा धा जलिन ग य सा क नां दे रु वि
॥ २ ॥ थन विष्णु वेकं ० थं निपं ॥ प्र कां ॥ विष्णु ॥ नृहा जन हृन्द नृवह म
वेकं थमा जा रहं ॥ **दिकं ॥** नृहा जन हृन्द सि धु जा रहं ॥ **म ॥ विष्णु ॥** नृ
हा जन हृन्द नृवह म वेकं थमा जा ० ॥ प हू चे ऊ ह एक विष्णु स क विन ह

हं॥ विष्णुमा॥ थन००॥ आदिसर्वनिर्घं॥ प्रक०॥ ००॥ उ॥ अहायमादिभूव
हमलाक० श्रीमहादेवकोविपनि००॥ नापकनवकोविक्थजायचलि
यो॥ ऊयमादि॥ अहादेवनाऊ००॥ उअव०॥ जायचलिये॥ दि०॥ स
र्व॥ अहादेवनाऊ००॥ असिद्युविजकीऊ॥ मध्यसर्व॥ अहावेक्थना
थ०॥ विष्णुहमावाप०॥ म॥ विष्णु॥ अहादेवादि००॥ हाजायिकेवहि
यो॥ ००॥ आदिसर्व॥ अहावेक्थनाथअव०॥ सर्वविष्णुमा॥ ००॥
उनविष्णुयालाहाऊनाद॥ हहायनिष्क॥ विष्णुमा॥ अहावेक्थ

थ नाथ श्रीविष्णु जगदीश्वर श्री महादेव का जेसा उन्मरु हवरावक नीके
वखना के अऊन नहि नूवयह जगत् संसार नूनर्थ हया के हाम कने ॥ वि
ष्णु ॥ अहादेव वाऊ ॐ नमो भद्रात्मने नमो कविभ्यो मायासां सति देहनाशक
वरहं नमो भद्रात्मने नमो पूनजायिके बहिभ्यः ॥ ॐ नमो ॥ अहादेव कथ
नाथ नूव हव ॥ ॐ नमो ॥ अहादेवादि नूव हम नमो नमो पूनजाय चलिभ्यः ॥
सर्व ॥ अहादेव वाऊ ॐ नमो नूव हव विभु किं किं ॥ सर्व नमो नमो पूनजां हय
म ॥ ॥ वाग ॥ कदावा ॥ हमां ॥ चला जाय स्वगद्य ॥ प्रकांडां ॥ द्विकी

॥ सर्वा ॥ अहा देव बाऊ सिधु विऊ किऊ ॥ ॐ नमः ॥ अहा देवादि नव वषट्का
यचलिय ॥ सर्व दुःख ॥ विष्णु ॥ अहा ऊन वृन्द अवरु ममाया सां सनिद
हना कबरु हं ॥ माया ऊं आखि ॥ विष्णु ॥ अहा ऊन वृन्द अवरु ममान
दसां यहि वरु हं ॥ पविच्छं पंडिता ॥ ल १ ॥ धन महा देवता निपां ॥ इहा ॥
हं प्राप्ता पिया विहा रुम ह म वे ० ल वंग महल म पूछल वहु विधि वारु
सुनि पुना हा नं ० ॥ आदिको न पूछल आ दे ॥ घस पूया ॥ माहा देव
मना या कह थु म ॥ ॥ बागा ॥ देहा ॥ चे ॥ हाय दे विहाय हाय सनिद वि

ॐ नमः
राय देवि

॥ प्रकीं ॥ इहा ॥ हं प्रा ह्य व नी हा • को न प्र च्छ ल नू व हि वा ठ • का हा जा थ का
मां क हं • हा य स नि हा थ प्रा ह्य नू व भं के हा न हं ॥ वृ पान य ॥ हं प्रा ह्य व
वि हा ऊ व हि भं न कू व न ह्यि न व हि का ल रु म आ ॐ • भं य हां ग व रु न सा
चि रु हा य प्रा ह्य हा य स नि ॥ वृ य ॥ हं प्रा ह्य पि या वि हा रु म वि न् • ना हि भं
भं आ द न • सा चि रु स व हि ची ऊ • नू व हि भं य सा चि रु को ना हा य स नि हा य
प्रा ह्य ॥ द्वि कीं इ हा ठं ॥ थ न स नि दे वी का स वि न् को कि व न हा वा ॥ म ध्व म हा
दे व ॥ अ हा ऊ न वृ न्द दे खा २ स नि दे वी का दे ह प रु न रु थो नू व रु म मा या रु

जूयीपृयादिसवजूवहमलोककचूकालविष्ममकनरुहं॥**सर्व**॥जू
 हारुपाधनिविप्रजूवधविष्ममकविथ॥**सर्वविष्ममाविषा**॥जू
 यीपृयादिसवरुमलोकसावधानहायिकवयहिनहियहमलोकन
 दीप्लानकवधजागरुहं॥**ब्राह्मनी**॥जूहारुपाधनिविप्रजूवधविऊकि
 ऊहमाविषहामा॥**विषा**॥जूहारुपकवविषादिसवजूवहमलोकनदी
 स्नानकवधजायचलिय॥**दिऊसर्व**॥जूहारुपाधनिविप्रजूवधविऊ
 किऊ॥**सर्वनदीस्नानउभ**॥॥**वागा**॥हयवा॥**मा**॥चलियहादिऊ

[illegible]

ॐ॥ ॥ नमो॥ गोवि॥ सा नंग॥ नदिनिव जाय चला धीय शवाद्य॥
 मनन सह विरहम नृव जाय ॥ १॥ स्रवद्विक्कम साहनृपगृह गाद्य॥
 नाहा गय मन नहं पूजा कथं अज ॥ २॥ प्रकांडं ॥ द्विकं सर्वं ॥ नृयी रुकि
 कन विप्र हाय्या सिध विऊ कीऊ ॥ वाक्कृही ॥ नृयी विप्र स निवाक्कृ ही
 सव नृव ह्य जाय चलिय ॥ ल् ॥ वाक्कृ ह्य दिगं गायं निपं ॥ प्रकांडि
 कांडं ॥ मल्ल विप्र ॥ नृहो रूप कन विषादि सव नृव ह्य मलाक नदिनी न
 आय पद च द्यय कवि ह्य म कन रहं ॥ सर्वं ॥ नृहो रूप धनी विप्र नृ

वधवाह्य ॥ **सर्वविष्णुम ॥ विष्णु ॥** अहो रूपकचविष्णुदिसवज्वह
मलाकनदिमीनज्जयप्रह्वेदधयकविष्णुमकचरुह ॥ स्नानसंध्या
कचरुह ॥ **सर्व ॥** अहो रूपपाधनीज्वधकचिऊ ॥ **थनस्नानयाकहांखि**
॥ विष्णु ॥ अहो रूपकचविष्णुदिसवज्वगंगकाकाकचरुह ॥ **स**
र्व ॥ अहो रूपपाधनीज्वध ॥ **सर्वकाकयाकहुआक ॥** नमानमककक
रुगिनिचूपीवस्त्रादिदेवककसवनिम ॥ अस्माहिस्नानककककियु
क ॥ कलानिपापंरुचममस्व ॥ अनीवीजहमूर्तिदेवीहमावीप्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

६॥ मा॥ विप्र॥ अहं रूपक न विप्रदिस्व ज्वहमला कवुक्त पूनजा
यचलिय॥ सर्व॥ अहं रूपाधनी विप्र ज्वह विऊ कीऊ॥ वाक्क ६॥
दिवक्क पूनडां मे॥ ॥ नागा॥ कांडा॥ खा॥ जा००० यचला दिऊगा द
हा॥ सवगा हाऊा विमिलि हनख मनक विजाथ॥ १॥ वक्क नगवधीय
चलिय॥ ^{जीद विना कल वि} सूनं द्र विक्क मसाह सून्य विह नखि नवा ल॥ २॥ प्रकांडां दि
कां॥ सर्व॥ अहं रूपाधनी सिधे विऊ किऊ॥ दुडां॥ लू॥ वसु निडा कि
पं॥ प्रकां दिकांडां॥ मत्वा वाक्क ही॥ ज्यी विप्र सनिवाक्क दिसव ज्व

हमलाकधुधयकविष्ममकनरुहं॥ सर्व॥ ज्योतिरुक्ति कनविप्रहा
र्यात्रवधविष्ममकीऊ॥ सर्वविष्ममा॥ थनमहादेवकुत्रापंथऊंद
उलं॥ वक्रांदिऊं॥ ऊठासमहादेव॥ नुमहमवेथल॥ थनमहा
देवचाकउलाठाहासूका॥ थना॥ वासुधा॥ ज्योतिविप्रसक्तिवाक्कहिद
खा॥ दिगम्बनश्रीमहादेवसक्तिदिविविनुमाहाविलापसाकामकी
ठाविनाउमरुहंरुसनकनरुहं॥ ज्वहमलाककोकामनविनाहि
फनाहिहमाविप्ररूपऊपहामकोरुऊसाकीडाहाग०००॥ आकबका

नाहि ज्वह मला कडा हि माहा देव के साथ चलिये ॥ **सर्व** ॥ ज्योतिरु कि कन
विप्रहाय्या ज्वेष्ठ विऊ कीऊ ॥ **माहा देव दं माहा** ॥ जहा जन वन्द ज्वेष्ठ मका
मका छलाह माह रजि का ग कन धा जा रहें ॥ **ब्राह्म** **हि सर्व दं माहा देव स**
मने छ निप नै डी ॥ लख ॥ ब्राह्म **हि ब्रह्म पुनर्थ रिप ॥ प्रकाहि का ड ॥**
मध्य ॥ विप्र ॥ जहा न पक नवा ब्रह्म लोक देखे ॥ **हमा वि स मि ला क देखे न**
हि क्का रुयी अनर्थ रुयी ज्वह मका ग छि सां देखे रहें ॥ सर्व ॥ जहा न पो
धनी ज्वेष्ठ ॥ विप्र ॥ जहा विप्र ला क स नि द वि वि नु उ न्म न्म दिगं व न माहा दे
व का साथ गयी हा देखे न जाय चलिये ॥ सर्व ॥ जहा न पो धनी ज्वेष्ठ विऊ

किं॥ ॥ प्य रं स्वयं वदुता ॥ ल ॥ ॥ य न महा देव वाक्महीता दंडालंता वाक्म
छिद्रतां स महा देव दथु स दग नं वाक्म छता दंडालं मध्य विष ॥ अहो श्री महा
देव ॥ महा देव पलाखं हृचिल ॥ माहा ॥ अहो विषला कक्का कह न हं ॥ विष स
र्व ॥ अहो हिला काह ह मा विखीला कह न ह कियो ॥ माहा ॥ अहो विष ह म ना
हि जान ॥ विष ॥ अहो सुरु मा वि पृष्ठ देखा ॥ माहा देव लिहा का ॥ माहा ॥ ह
वि र ह म ना हि जान रु मा नी खीला कह न ह कियो ना हि ॥ विष ॥ अहो हा ला तु
म न ह न ह कियो ना हि रु मा वि स क्लेष वा हि रु गु ह स हि रु स्त्री ला क की म न रु

मनकवीह्नवक्षिथासाप्रव्यरुमाभिपहनहाआह॥ विप्रलाकजडासनिहा
यविष्मम॥ थनलिंगाकृतिनमाहावमाकपुथ॥ विप्र॥ अहाविप्रलाकदखा
शिवकीलिंगपहनहा॥ ककालिलिंगउरुपतिरुयासाआनिशांसकलदव
माकुसादिदधदहाचैत्रवजहनकवीयहिंनहनहं॥ वासहसर्व॥ अहाक
पाधनीअवधवहिज॥ आतिलिंगसभनंपविक्षपिडडा॥ ०००॥ दादिउपवि
पिडा॥ ०००॥ अहाकमादिसवदखा२माहाअदरुतडासादखनहं॥ अहि
नऊसांहमलाकंदगहनलग्नत्रवयहवार्तापितामहकाचवधमविन

निकवद्यजायचलिय ॥ सर्व ॥ अहादवनाऊ अवधविऊ किऊ ॥ माकं उं
॥ लो ॥ वस्त्रा उपविं पिडा ॥ वस्त्रा ॥ अहाऊनवन्द अहाव्य २ यहा निहांद
गवहनिनलगा अवहम अशंकवदरवकहं ॥ पलारवह हाय ॥ स्वयहाव ॥ वस्त्रा ॥
अहाऊनवन्दयहा निका अदि अंननाहि अवऊननकवकहं ॥ लिहायव
स्त्रा ॥ अहाऊनवन्द अवहमयहा निका चर्चा कविनहकहं ॥ विहममाथ
नं ॥ डादिडा कृतिपं ॥ मध्यस्वया ॥ सर्व ॥ अहारकपालसूवऊ सुनुमावा
चर्धकमलमाकाटि २ सासुंगपक्षम ॥ वस्त्रा ॥ अहादवादियहं अं ॥ कं

बहिय॥ ॐ नमोऽदि सर्व॥ नमोऽहं कपालमन्त्रं ॐ नमोऽहं ॥ सर्वनापं विष्णुम
॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥
नमोऽहं नमोऽहं कपालमन्त्रं पञ्चमं ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥
नमोऽहं नमोऽहं स्वर्गमन्त्रं कलकलकादगाधं ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥
कवीदीर्घं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥
कयहं नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥
किं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥ ॐ नमोऽहं नमोऽहं ॥

लिंगावाक्कहिवाक्कधादिउपविंपिउ॥थनवक्का०००दादिउमाके॥ऊ
उमवक्का॥अहासिरुपविष्कयहंअ०००कंलाकनकाकविथ॥विष्क
उककिपं॥मध्यऊउमा॥स्वयतावा॥विष्क॥अहाचरुमुखक्काआग्गहा
नहंरुमाविषधामा॥वक्कादंहुहाय॥वक्का॥अहाविष्कयेरुऊनिकाहम
आयंरुनदखिलियाकामध्यनुकेटकीसहिरुसाथलकंअवलाककवि
लियाहं॥विष्क॥अहा६८षिकरुहमपानालपुत्रमाऊनिकाअंरुदखि
लियाहमकामाल्मनहिआरुकेसानिअग्गकिया॥वक्काहस्वयका

2534

ASMA ARCHIVES

②

मध्वनुसलुवुवस्मा॥ अहा कामध्वनुसुम ॐ नद्यागंमयकां॥ वस्माविष्म
लिहायविष्मम॥ यनकामध्वनुडीपरुलं॥ अरुमचो॥ वस्मा॥ अहाचरु
वाहुथिनविष्मस्वयहाव॥ विष्म॥ अहाचरुमुखक्या अग्पाहाकहं हमावि
पक्षामो॥ अहाचरुवाहुमहूमहिवविनायहवस्मांदनकुहाकनाहि॥
विष्मइहा॥ हपजापनिहालिंगकि आधावरुगाहिचपहंआटिलिंगकी
रुजसमनरुकयहा अवहिआनिवाहाको आधावरु॥ १॥ अहापिनामह
अवहमदानाहा ॐ केयहवस्मांदनआखाकवरुमलिंगधावआरुवस्म

पीथहाहिक कामकुल्यलिंगकाऊा निसमनक बरुहं ॥ **वस्त्रादुहा ॥** हेहभी
पहिहाअवहिमनवसहिपी०हेऊा निसवृपकिवीऊ ॥ **हगहिलिंगका**
आसनहा०० केलाककी बक्षाकबी ॥ १ ॥ अहाविष्णुअवहध ॥ **वस्त्रा ॥** अहाद
वादिहुमलाकनेलिंगका सुनिकवि बहियहनसमनक बरुहं ॥ **००** **आ**
दिसर्वा ॥ अहावस्त्राविष्णुअवहधहमाविषधम ॥ **वस्त्राविष्णुहलयम**
ध्या ॥ उहा ॥ अहाकुलाकनाथश्रीऊा निलिंगहमाविषधमयहवस्त्राद
नऊाकनीदीऊ अवहमऊा निसमनालिंगके बरुहं ॥ **हचिलवस्त्राऊा**

वस्त्रा विष्णु उहाउं

सविप्रनघसपुथआनितां निरुडा हाव ॥ ॐ ॥ अहाजमादिसवत्रव
हमलाकश्रीआनिलिंगकाकुनिकचहाजायेचलिये ॥ वास्तव. जमा
दिसर्व ॥ अहादेवबाजत्रवहपविऊकीऊ ॥ वास्तवसहित ॐ ॥ आदिदेह
हाय ॥ ॐ ॥ अहाजमादिसवत्रवश्रीनाथआनिलिंगकापूजाकचन
हं ॥ सर्व ॥ अहादेवबाजत्रवहप ॥ पूजायाकहांविं ॥ ॐ ॥ अहाजमादि
अवसीककचनहं ॥ वास्तवजमादि ॥ अहादेवबाजत्रवहपकीऊ ॥ का
क्याकम ॥ ॥ वाग ॥ मघमलाल ॥ ख ॥ आनिस्वपिसंरूपहपनि

ऊगगपाहि॥ विनहिहपाहिनि सवलाकपालहं॥ पाकालदिविलाकवकु
२ प्राहिदेवहऊगगपाहि॥ १॥ **सर्वा॥ इत्यका॥** ऊगगिह्रीलिंगवपऊगदिद
खिलमिदंरुक्कपालसूत्रं॥ इत्यप्यपीथान्विकावे॥ खगपकिहविह्वादीर्घ
ऊगस्यह्मंकि॥ **ऊगगालिंगमऊगगिलिंगंममऊनपविगह्मन्दीर्घमायु**
प्रदाना॥ मंरुह्रीविह्वनाथंरुक्कवचवद्युगांदवदवंनमस्तु॥ १॥ अहंवि
लाकनाथह्रीऊगगिलिंगहमाविप्रह्ममयह्वम्रांदवऊकवीदीर्घंअव
हमंऊगगहंरुमाविप्रह्ममं॥ **ॐ॥ आदिहृहाय॥ वाक्कह्मादिऊगसहृहाय॥ वि**

प्र॥ जूहा रूप कन विप्रलाक सव जूवह मलाक द्वादशक विष्णु मक न कहें
॥ सर्व॥ जूहा रूप धनी विप्र जूवह ॥ सर्व विष्णु म ॥ ॐ नमः ॥ जूहा ऊमा
दि सव जूवह मलाक जूमना पूजाये चलिय ॥ सर्व॥ जूहा देव नाज
ॐ नमः जूवह विजंकी ऊं ॥ ॐ नमः दिथ डा दे हां ऊं कृति प ॥ वक्रा ॥ जूहा
ऊमि लिङ्ग हवन स्थित सांम न जूग सव रूप पीथ भा विना जिय जूव
हम जा कहें ॥ विष्णु ॥ जूहा छटिक वना जूवह विजंकी ऊं ॥ वक्रा ह हय
वक्रा ॥ जूहा जन वन्द जूवह म सिद्ध जा कहें ॥ ॐ नमः ॥ वसु लोक जा कहें ॥ वक्रा

ॐ नमो
ॐ नमो

॥ नमो ॥ गोविंसा वंग ॥ प्र ॥ निरुद्यनजाय चलाधी न २४ ॥ म न व
 सरुवि २४ म गृह जाय ॥ १॥ स्वयं विक्रम साह नृप गृह गाव ॥ ता हा गय म
 न न हं ह न खि र व ॥ २॥ **द्वि कां** ॥ अ हा जन वृन्द अ व ह म सि धु जा न हं ॥ **दु**
ॐ ॥ **विष्णु** ॥ अ यी का म ध्व नु रु म अ नि रू हा ख न कि या रु मा नि मु खा सू द्र पु
 च्छ म ल मु रु स क ल मा सू द्र हा ०० ॥ **विष्णु** ॥ अ हा जा तिलि ग स्व न म न अ
 गं स मा लिं ग ध्व न क वि सा व ध्व न हा ०० क व वि बा जि थ ह म जा न हं ह मा
 नि प्र द क्ष मा ॥ **पत्नार्व ह हा य ॥ विष्णु** ॥ अ हा जन वृन्द अ व ह म वे कू थ जा न

चलित्यहं

हं॥ ^{दयलं} विष्णुओं मा॥ ॥ वाग॥ व्याहागना॥ प्र॥ चलित्यहं हवयै हवय कृष्ण
उं नृज॥ निजकलवा स व स चलित्यहं नृज॥ मनन सरुवि २ जाय चलित्य
॥ १॥ स व न्द वि कु म सा ह नृ प ग ह रा नि ॥ ज्ञान च रु ग रु के मन पू न का
॥ २॥ मनन सरुवि रु नि जा य चलित्य ॥ २॥ प्रकों ॥ द्विकों ॥ नृहा ऊ
न वृ न्द मि धु जा न हं ॥ दुओं ॥ थन मा हा दे व जा नि लिं गं पि डा वा म्म ह सा य
॥ महा॥ नृहा वि षा दि स व वा म्म ह्री ला क स व ह म को वि ना प वा ठ मा म्म
लिं गं म्म क प ल कि था रु म ला क का वा क्का स ह हा यी रु मा वी प लि लो क

॥

कापनिवृत्ताधर्मनष्टहा जाहा ॥ **माहादेवपलापं हहायि मध्या ॥ माहा ॥** अ
हा जनवृन्द अत्रहमकामका छादिन कि गप काया म क र्क्ष जा न ह ॥ **क**
निप नंतां ॥ विप्र ॥ अयी पुयादि अडा वग ह सव अत्रहम लोक निजवास
जाय चलिय ॥ **सर्व ॥** अहा नपा धनी अत्रहम विऊ कीऊ ॥ **सर्व दं हहायि म**
ध्या विप्र ॥ अहा विप्रादि ग ह सव अत्रहम लोक निज मंदिन व श्र पृ व जा
य चलिय ॥ **सर्व ॥** अहा स्वामि लोक नपा धनी अत्रहम विऊ कीऊ ॥ **सर्व**
थडा दे हाडा नि साव भ ॥ ॥ **गागा ॥ वलाडा व ॥ प्र ॥** हं सव ग ह चलि

जाय मन रुवि वसक वि नृज जाय चलिय ॥ नव वस रुवि रधी न नृव
 जाय सव जन वस र जाय निज गद्य सव मिलि जाय चलिय ॥ १ ॥ हं हं
 मूढ विक्रम साह देव गृह गम च काज काम पूव दक्ष कथ ॥ जाहि र हा ठा
 रुमा हि र पूव दक्ष हा च व स र मन रुजि का व ज पुन दक्ष कथ ॥ २ ॥ प्र को उं दि
 को सर्वा ॥ नृ हो स्वा मि रु पा धनी वि प्र सि ध वि ऊ कि ऊ ॥ वि प्र ॥ नृयी पु या
 दि सव नृव दक्ष जाय चलिय ॥ धन वि प्रा दि सव दु ऊं ॥ धन काम मूधु
 ह हा य म मू ॥ काम मूधु ॥ नृ हो जन व नृदु स्ता को प्र नि रु खा रु व रु म नृ

ॐ कऊाकिदरुनकनलियाञ्ज्वहम श्रीऊाकिलिंगकेउपचडुधपाक
 वरुहं ॥ इडुहायके ॥ वास्वोपकिमावाऊा ॥ लिंगचकउलाडाखिंकासंठां ॥ का
 म ॥ अहाऊनवन्दञ्ज्वहमऊारुहं ॥ कामधनुठां पहा ॥ नाग ॥ गुमेवीसा
 नंगा ॥ प्र ॥ निऊघवजायचला ॥ प्रकाउंदिकां ॥ अहाऊनवन्दञ्ज्वहमसिघ
 ऊारुहं ॥ इडां ॥ ल ॥ थन ॐ डादिअमवापूवथं कडाहथुमा ॥ नागवला
 व ॥ प्र ॥ हं हंसवगहचलिजाय ॥ प्रकाउंदिकाउं ॥ मधु ॥ ॐ डा ॥ अहाऊ
 मादिगहसवञ्ज्वहमलाकअमवनायपहुचैऊहयकविअमकनरुहं

॥ सर्व ॥ अहा देव बाज ॐ ॐ अहं विष्णु म किं ॥ सर्व विष्णु म ॥ ॐ ॐ ॐ
॥ अहा ऊ मादि सव अह मला क सव का श्री वस्त्र विष्णु का अनुग्रह सांझा
हिलिंग का स मन कबी आनन्द कि या अह मला क आनन्द सांय हि न ह म
हं ॥ सर्व ॥ अहा देव बाज ॐ ॐ अहं विष्णु न हि थ ॥ सर्व पवित्र पंडुओं ॥ ल १२ ॥
थ न वस्त्रा वस्त्र पुन थं कों कि पं ॥ प्रकों ॥ अहा ऊ न वन्द अह मला क निज
वा सव कला क जा म हं ॥ दिकों ॥ अहा ऊ न वन्द अह म सिधु जा म हं ॥ म
वस्त्रा ॥ अहा ऊ न वन्द अह म निज वा सव क पुन आ थ प हं च रु ध थ क

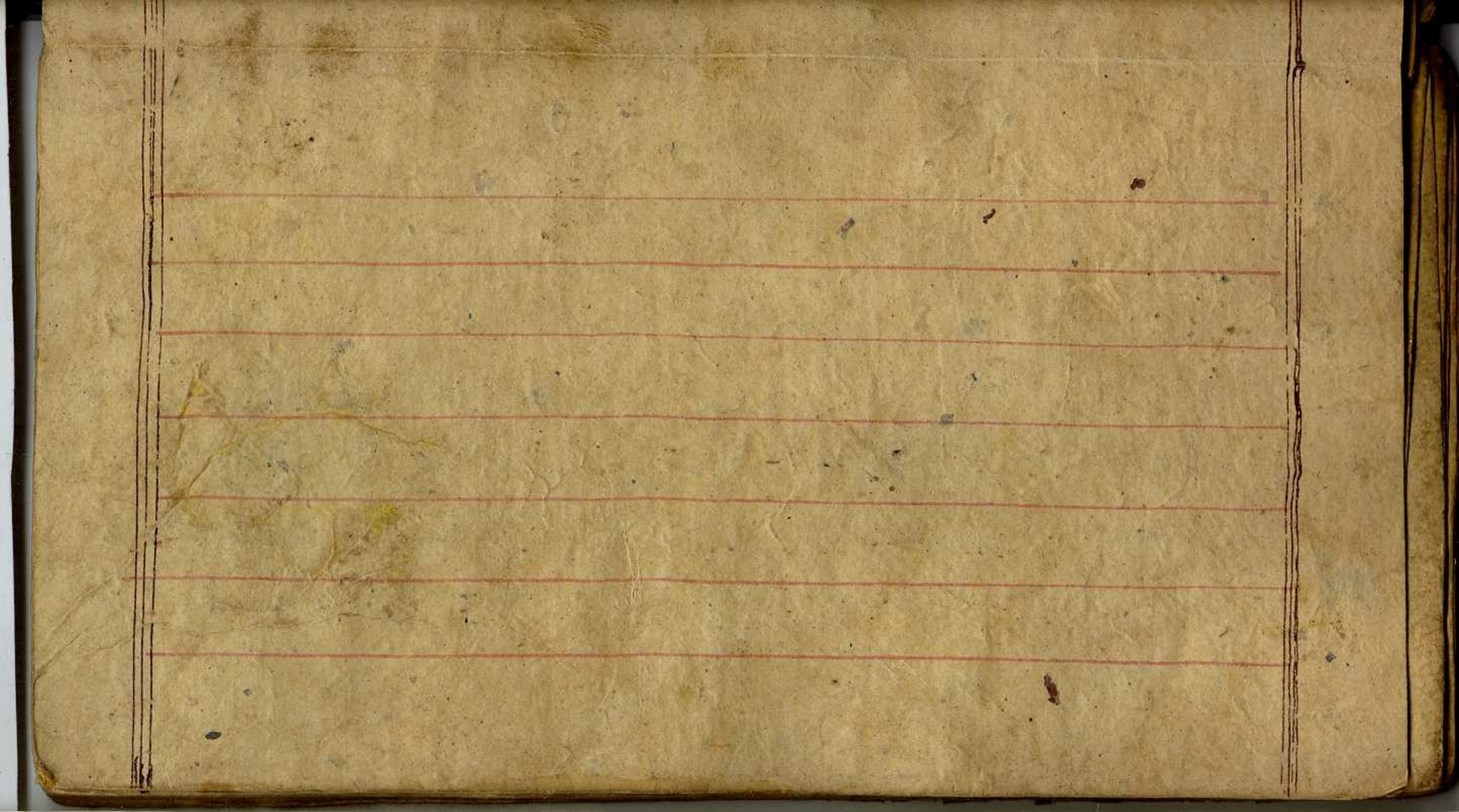
विष्णुमकनरुहं ॥ बुद्धा विष्णुम ॥ बुद्धा ॥ अहाजनवन्द्य अवहम आनन्द
 मां यो हवहह ॥ पविष्टपंडुतां ॥ ल ॥ थन विष्टवेकं थथ्यं कडां हथुमा ॥
 ॥ वाग ॥ आहागवा ॥ प्रा ॥ चलियहा स्वयं ॥ पुकांड ॥ अहाजनवन्द्य
 वहमलाकवेकथजाह ॥ दिकांड ॥ अहाजनवन्द्य अवहमलाक सिधुजा
 रुहं ॥ मध्य विष्ट ॥ अहाजनवन्द्य अवहमवेकं थथ्यं आ ॥ प ॥ च ॥ क ॥ ध ॥ य ॥ क ॥ वि
 ष्णुमकनरुहं ॥ विष्ट विष्णुम ॥ विष्ट ॥ अहाजनवन्द्य अवहम वि अंग सन
 आनिलिंगका लाकन द्वा खारु व समन कवि सवलाकका आदन हया अव

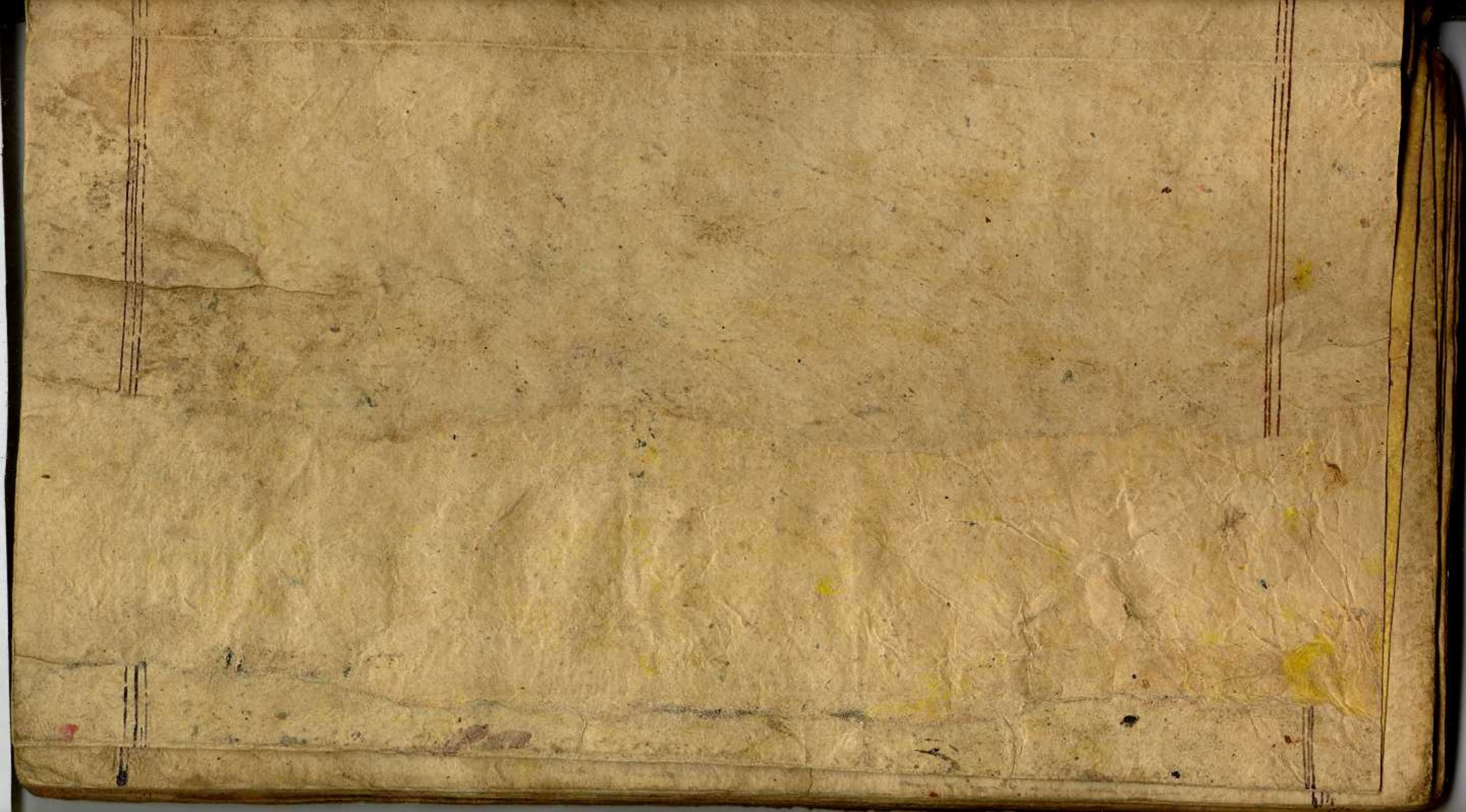
आनन्दसांयहिंवरुहं॥ विष्णुपवित्रुपंडुओं॥ ल॥ ५४॥ धनमहादेवठठापंथ
थंनिपा॥ प्रकां॥ अहाजनवृंददशारसकिंदवीकादहपनरुयाअवहमसा
याहकिउरुनापंथजायीगमनकायागकवीरहरुहं॥ द्विकांडं॥ अहाजनवृ
न्दसिधुजानहं॥ ५५॥ अहाजनवृन्दअवहमउरुनापंथआयपहुचं
अवग्यानयागकविवरुहं॥

देपगहायानायविंवायकगुहावाथ॥ अहाप्रजालाकयगपधुंस्कभलंभूकअग्निग्न

स्क, हर्षग्र, स्क, वायुग्र, स्क, ताहिवाहन, हस्ति, मर्दन, लवक, ठ, काल, करार्ध, ७८, क, धि,
प्रताचन, विलाचन, सिंहवदन, माहनाक, यकाक, पंचनाइत, व, इदंत, विवटदंत,
रूलदंत, तिलाध, तिलाणात, रावृपात, प्रवृकंद, हृकंद, चन्दमन्द, नानि,
विनम्रचि, कालननिदकधान, रूलोदन, शंघात, मधुहास्कन, मंधासन,
प्रवधमसन, अंखासन, विजयासन, चंद्रासन, प्रसल, मधवल, कर्मवेग, नी,
लमृदंग, व्याधुमुख, शग्निमुख, रुन्वकु, लखवकु, रुन्वकु, मधु, हर्ष, हृपं,
वड, गाय, मध्यग, रूल, गाय, हृहृवड, हृवड, वल्लिनादास, गल

तल्लगतल, जहातल, पाताल, सुतल, प्रगतल, भ्रंतल, तेजवतीपूत, वैवस्वतपूत,
कृष्णपूत, सुधपूत, श्रद्धपूत, महादयपूत, यहावतीपूत, कान्तिपूत, रुक्म
पूत, लालितपूत, भ्रंगदह, रंगदह, नागनदह, गरुजाटदह





ॐ नि षी र्ध व म ह ॥ ५ ॥ सु त म नो द म

निबहन्तं ॥ विष्णुम ॥ माहा ॥ अहाजनवन्द्यं नन्द्यं मायाजालरुजि
 यहिबहन्तं ॥ पविक्षपंडुतां ॥ ल^{कादि} ॥ थन अपसनाशक्तिपुष्पांक्षिकां ॥
 ॐ ॥ अपसना ॥ अयीमनका अवननीकाध्यानकवरुहं ॥ म
 नका ॥ अयीउर्वसिअवध ॥ विष्णुम ॥ निष्कनंवा नहत्तक ॥ गृह्णी
 लाकमाताशेषद्वयसमवांछिर्न ॥ हयमसर्वइखानिपापहायेनमा
 तुम ॥ अयीगृह्णीदवीहमायीषक्षमहमकोदर्शनदीक्ष ॥ थनदविशु
 जाकं ॥ मध्यदवि ॥ अहारगरु ॥ अपसना निष्कंद ॥ अपसना ॥ अयीजननी

हमात्रीकोटि२ नमस्काव श्वरुर्म पूजा करुहं ॥ देवि ॥ अयीरुगरुवि
००० आकविथ ॥ पूजायाकरुं शिवं ॥ अपसना ॥ इल्ल कक्षापायार्गं ॥ अनी
वीजननीमयाकोटि२ नमस्काव ॥ देवि ॥ अयीरुगरुविहकिहावसांरु
मसंरुष्टरुयाजा ००० कामां वयल्यहा ॥ अपसना ॥ अनीवीजननीजगरु
माहनसिधिवनदाऊ ॥ देवि ॥ अयी अपसनाऊगमाहनवागसिद्धिहायि
श्वरुमजाकरुं ॥ अपसना ॥ अनीवीजननी श्वरुषविऊकीऊरुमावीप्रधु
म ॥ देविपलाखं लिहाय देवि ॥ अहाऊरुवृन्द श्वरुम देविलाकजाकरुं ॥ दे

वीडां ह्युभे ॥ ॥ वाग ॥ मालवरी ॥ अ ॥ आहां का ग मा या ॥ प्रकांडं द्विकों ॥
अहाजन वृन्दसिधुकारहं ॥ इहां ॥ अपस्तमा ॥ जयी मनका आरुना जा
हम मजाय चलिय ॥ मनका ॥ जयी उर्वसी ज्वल्ल विऊ कीऊ ॥ कमिपनंग
॥ थन नाम कादिउपनिपिठां विछामा ॥ थन नाज दडा निपंप्रकां ॥ नाज
द ॥ अहादा सरुगरकज संवक न ज्वल्ल हमला क काम का सुब को स रामें दिल
जाय चलिया ॥ दासा ॥ अहा दिऊ जाऊ ज्वल्ल विऊ कीऊ ॥ द्विकां ॥ दाभा ॥ अ
हा दिऊ जाऊ नाज दसिधु विऊ कीऊ ॥ नाज द ॥ अहा दास ज्वल्ल जाय चलिये ॥ म

स्वयं राव ॥ नानद ॥ अहा दानवें तु सर्व हूँ सहा नि संतु ॥ नान कादिदं ॥ नान
कादि सर्व ॥ अहा दिऊ नाऊ हमा निष हाम यहा स नमा विऊ कीऊ ॥ नानद ॥
अहा दानवें तु अर्व ह्य ॥ सर्व नापं विहमा ॥ नानद ॥ अहा दानवें तु ॥ नान
नदं म ह्य ॥ नानद ॥ अहा दानवें तु ह्यी माहा देव नें उऊ नापं थभा गपान
याग किया हुमलाक स्वर्ग संया मक विय अर्व हूम ऊरु हं सर्व हूँ सहा नि
संतु ॥ नान ॥ अहा दिऊ नाऊ अर्व ह्य हमा निष हाम ॥ नान लिहाय ॥ नानद
॥ अहा दा स ह्यारु कन संव कन अर्व हूमलाक वृक्ष पुन जाय चलिया ॥

दासो ॥ अहादिऊनाऊनावदअवहव विऊकीऊ ॥ **कमिपनंठा ॥ नावा ॥**
 यीपुयहुमलाकसावधनहायिकनयहिनहियहमलाकसंगामऊन
 ह ॥ **सूर्यकान्तादि ॥** अहादनुऊदअवहव विऊकीऊहमाविपुधम ॥ **ना**
वा ॥ अहापुजादिगहासवअवहमलाकस्वर्गवाऊमांरुद्रकनहकाजायच
 लिय ॥ **मद्यादिमर्व ॥** अहादनुऊदनावकासवअवहव विऊकीऊ ॥ **थन**
रुद्रयाऊमांम ॥ ॥ **वाग ॥** **स्ववथा ॥** **चा ॥** चलियदानवगधवअमनाप
 नआऊ ॥ **कीदिलहाममापुनसुनविनवनसुन ॥** हदियाचलियकनआऊ

॥१॥ तून मनिजन के घनमा जाय लुटि लुनिखाय ॥ तून उविक्रम साह
देव गृह हान्नः सवहिके मनध निभाऊ ॥२॥ **प्रकां ॥ नात्र उं ॥ द्विकां सर्वा ॥**
हादन ऊंड सि घु विक्रीकीऊ ॥ **मान ॥** अहा पूजादिग दसव अवहध जाय
चलिय ॥ **इडा ॥ ल ३ ॥** थन **०००** डादिउप विक्रपे पिडा विहमम **०००** डा ॥ अहा
ऊमादिग दसव अवहमलाक ह्री देविका रुगरक न द जाय चलिया ॥
सर्वा ॥ अहा देव नाऊ अवहध विक्रीकीऊ ॥ पला लं जद हाय

नृहाऊमादिगहसुवह्रीपत्रमहविस्थाननायपहंचया
 हाविष्णुमकविष्णुनकत्ररहं॥**सर्वा**॥नृहादेववाऊनवहृ॥**सर्वविष्णु**
मा॥नमास्तुतुऊगहमाकारुगहानांववदायिनी॥लाकसाऊकिहिलाकेहा
 सर्वपापहनहृम॥नृगीनीऊननीकामनृदवीहमाविषहमहमकाद
 नेहानदीऊ॥**थनदविडा**॥**मा**॥**विग**॥**मानह्री**॥**चीमा**॥**गा**॥**धीनरुजा**
 यचल्ल॥हादेरुगहकेपनः**ष**॥हादेरुगहिसुखवनमनप्रविधि॥**या**॥हा
 देऊगादविषकासिनवऊनफालन॥**प्र**॥हादेवनदानदनचल्लनपकिरु

चन॥ **पकां॥** नृहाजनवृंदज्वरुमरुगुरुकै निकरुजाकरुं॥ **दिका॥** नृहा
जनवृन्दसिधुजाकरुं॥ **ऊआमो॥** दवि॥ नृहारुगरु॥ ॐॐॐ आदिदं॥ ॐॐॐ आदि
सर्व॥ नृवीवीजननीरुमाविप्रक्षमननृवरुमपूजाकरुं॥ **दवि॥** नृहारु
गरुकरुवि ॐॐॐ आ॥ **थनपूजायाकरुं** शिवि॥ ॐॐॐ आदिसर्व॥ **हक्षक** कक्षापायागूं॥
नृवीवीजननिमनीप्रक्षम॥ **दवि॥** नृहारुगरुदेवादिगुमात्रागरुगकिमा
रुमसंरुषुकरुयागुमलाकदहादिगत्राऊहा ॐॐॐ नृवरुमजाकरुं॥ ॐॐॐ आदि॥
नृवीवीजननीरुथासुहमाविप्रक्षमननृवरुमविऊकीऊ॥ **दुविनिद्राय**

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

देवि॥ नृहाऊनवृन्दनृवहमनिऊस्थानऊरुह॥ देवितांरुथुम॥ ॥ वाग
॥ मानलह्री॥ प्रकांदि कांउं॥ इतां॥ ॐ००५॥ नृहाऊमा दिगधसव नृवहमलाक
नृमनापुनीजायचलिय॥ सर्वा॥ नृहादेवमाऊनृवहध विऊकीऊं॥ ॐ००५॥
दिनृमनापुवितांम॥ ॥ वाग॥ काहि॥ प्र॥ धीप्रहमजायनिऊपुन
आऊ॥ नीऊगनसवमिलिजायचलिय॥ सवगधमिलिमिलिधावु॥ १॥
सुनवविकमसाहनृपगृधगध॥ रुगरुकासनपुननकव॥ २॥ प्रकांदि
कांहापायागं॥ इतां॥ नृव॥ ॥ थनहमालयकंदप्रवसा॥ म॥ ॥

वाग॥ सायंग॥ छिमा॥ पुनर्वसुहंमालकनरुनिऊगनसवमिलिकनञ्ज
 ऊ॥ पुनर्वसुवाऊनामवरवानननरुञ्जोच्चैर्देविनाथरुऊनकप्रहा॥ मि
 नऊंगपनमसुवासवान्नीमृनकि॥ नृपञ्चिथानधर्मऊरुनकर्मदेवदहि
 ॥ नृपहानमहाहिजोमसुकिपदावथ॥ १॥ ॥ मध्य॥ हंमाला॥ नृयी
 पृयादिगद्यसवञ्जवहमलोकाऊद्यकविहममकनरुहं॥ सर्व॥ नृहा
 गिनिवाऊञ्जवहधविहममकिऊ॥ सर्वविहमम॥ हंमाला॥ नृयीपृयादि
 गद्यसवञ्जवहमात्रामहिमाकचूकरुहंरुनिय॥ सर्व॥ नृहामहानाऊ

पुनवनाधीपतिनागपुत्रकिङ्क॥ **हंमालमहिमाह्वयक॥** अमीवचानुवदनादि
गहोलसर्वे. सप्तविनाशदिनसुकुम्भिकया कि॥ चंद्रं निहासूटिकका
नियुक्तं वक्ष्ये विख्यात आगरममहिमनाऊनामा॥ १॥ अयोपुयादिग
हसवयनाह्वयपुनवनाऊहिमालयनामहम॥ **सर्व॥** अहापुनवना
ऊहिमालययथार्थवचननागपुत्रकिङ्क॥ **मना॥** अहास्वामिअवमया
विनक्तिनिङ्क॥ **हंमाल॥** अयोपुयकुमकहिथ॥ **मनायामहिमाह्वयक॥**
हापुनवनाह्वयमवाक्कं वक्ष्ये विनिर्मला॥ **मनानाम** विख्याता आगरा
हंसमादवाक्॥ अहास्वामिथनाह्वयकुमानापुयमनानामहम॥ **हंमा॥**

अथोपयुक्तमयथार्थकक्षाहं॥ सखि॥ अहा स्वामि अहमात्री विनक्ति सु
निजा॥ **सना॥** अथो सखि तुम कहिय॥ **सखिया महिमा हस्तक॥** हमुनिर्म
लमकांतिरुवदा ध्वनि विवे स्मधि॥ कमल लोचन नामाहं आगरु सुसमा
दनाह॥ अथो ध्वनि यथा दृष्टा सखि कमल लोचनी नाम हम॥ **सना॥** अथो
सखि कमल लोचनि तुम यथार्थ कक्षाह॥ **दया सखि॥** अहा ध्वनि अ
वहमात्री महिमा कच अह्वान कीडा॥ **सना॥** अथो सखि तुम कहिय॥ **द**
या सखिया महिमा हस्तक॥ स्वर्धकांति प्रमच अह्वानि सवन रुपये॥ प
म लोचन नामाहं आगरु सुसमादनाह॥ अहा स्वामि यथा दृष्टा प्रम लोच

निनामहम॥ **मं**ना॥ ज्योतिरुमयथार्थक धाहं॥ **मं**दि॥ जहाज्जीमाहा
वाज्जन्वहमाभासाहिमाकचु विनक्ति कनकहं सुनिलिङ्ग॥ **हमा**॥ जहामं
दिरुमकहिय॥ **मं**दियामहिमाह्मक॥ कवमंदिमाहावीननृपदासनि
वस्महि॥ बुद्धिमेननिनामाहं जागकुरुसमादजाक॥ १॥ जहाज्जीमाहा
वाज्जयकादहाबुद्धिमेनमंदिनामहमा॥ **हमा**॥ जहाबुद्धिमेनमंदिनुमय
थार्थक धाहं॥ **दपा**मंदि॥ जहाज्जीमाहावाज्जन्वहमाभासाहिमाकचु
विनक्ति कनकहं सुनिलिङ्ग॥ **हमा**॥ जहामंदिनुमकहिय॥ **दपा**मंदियाम

हिमालयक ॥ हावाऊन पर्वताधी पसमवा वसुधै कुरुते ॥ नवमं हिमा
 हाविन आगभाहं समादना ॥ अहो श्रीमाहावाऊय माहासाहावीनमं
 दिनामरुम ॥ हमा ॥ अहामरुवीनमं दिनुमयथार्थककाहं ॥ हमा ॥ अ
 यीपृथमनासखिकमललाचनिपमलाचनीमं दिवृजिमनमाहावी
 नअडावगधसवश्रवहमलाकहिमालगिनिवासमाऊयचलितय ॥ स
 र्व ॥ अहापवपमनाऊहिमालयभवविविधकीऊ ॥ सर्वदंथडादहाहि
 मालडाआनन्दप्रेमवम ॥ ॥ आग ॥ ऊयऊमं कि ॥ वा ॥ नीऊयवजाय

हासनधनिकमरुमहिकविचलिसवहखसान् ॥ मनवसरुनिश्चिन्ता
सवहिगद्यधीयश्चकविमनधाव ॥ ५ ॥ ओहिननरुहोरुपवमगहिसख
वनथा ॐ यजायहिपदसाव ॥ सथन्दविक्रमसाहवीनयहोडाहिपदपा
वो ॥ ३ ॥ प्रकोडं ॥ दिक्कोसर्व ॥ अहाधीमाहनाजपवकाधीपनिसिधुविज
कीडा ॥ हमा ॥ अयीपुयादिगद्यसवज्ववधजायचलिय ॥ सर्वइडा ॥
नधु ॥ थन ॐ आदिसर्वडाहिपनंसर्व ॥ ॥ प्रकोडं ॥ दिक्कोडं ॥ मरु ॐ द
॥ अहाऊनादिगद्यसवज्ववहमलाकनमनापुनजायपहुंचऊक्षय

निर्गुणमहाय ०५

गद्यसवत्रवरुमलाकजानन्दसांयहिनरुहं॥सर्व॥अहापत्रवरुनाऊ
त्रवद्वनहाय॥सर्वइडां॥ल११॥थन००आदिउपविऊपंपिडावि०म
॥थननात्रकादिडांमाकं॥मध्यनात्रसर्व॥अहादेवनाऊरुमकाहांऊां
निष्ठ॥००आदिदे००आदिसर्व॥त्रपापिअमूनलाकरुमकाहांऊां
निष्ठ॥चकालेलियदेवगद्यऊांसदेवगद्यखडांमा॥०००॥अहाऊ
मादिरुमलाकनसावधनहाहिकवयहअसूनसांरुऊकविय॥ऊमा
दिसर्व॥अहादेवनाऊत्रवद्व॥नात्र॥अहापूजादिगद्यसवरुमलाक

सावधानहायिकवरुद्रकविय॥ भघादिमूर्ध॥ अहादनुऊडनुवहध॥
नान००० विहममा॥ सर्वउहाहककजापायाग॥ रुद्रवाजामालकां॥ नान॥
अहापुत्रादिगुमलाकयाहाजायीकवहियहमरुद्रकवरु॥ भघादिम
०००॥ अहादनुऊडनुवहध॥ ०००॥ अहाऊमादिगधसवरुमरुद्रकवरु
हममलाकयाहाजा००० केवहिय॥ ऊमादिमूर्ध॥ अहादनुऊडनुवहध
॥ भघादि० यमादिविहममा॥ ०००॥ ननपापिअमवरुमलाककाहाजा
वहमाविहममापनाविह॥ नान॥ ननचुडइवुद्रिगुमकाहाजाचे

निष्ट २॥ रुद्रमा ॥ ॥ वागा ॥ सा वंग ॥ छिमाना ॥ धमा ॥ अस्व नुस का हां ऊ
 वंगमा ॥ रवा ॥ मे नरु सु मा पना सुवप निऊ नमा न ॥ ऊम पुनि पथा वुरुस
 वग धमा ऊ न ॥ ५ ॥ बहिय रवा ना रुयी के ना ॥ १ ॥ थन ॥ रुद्र व क हाव सर्व
 दं लिप ॥ रुद्रा दि वि छु डी ॥ ना न ॥ अहा पूजा दि अ व द व लो क मां ह म लो क
 ऊय हा गयी आनंद सां वि छम म क न रु हं ॥ सर्व ॥ अहा द न ऊ ड अ व छ ध वि
 छम म कि ऊ ॥ सर्व वि छम म ॥ ना न ॥ अहा पूजा दि ग धा सु व अ व आ न न द सा
 य ह अ म ना पु न मा न रु हं ॥ सर्व ॥ अहा द न ऊ ड अ व छ ध ॥ सर्व प नि ऊ

देवगणराज॥२॥**प्रकां॥००॥**अहाऊमादिअवहमाओअमनापूअदिहि
हरनलियोअवहमलाकवुआकासवधजायचलियो॥**ऊमादि॥**अहा
देवमाऊअवहमविअकिऊ॥**दिका॥सर्व॥**अहादेवनाऊसिधुविऊकी
ऊ॥**००॥**अहाऊमादिअवहमजायचलियो॥**सर्वइडां॥ल२॥**थनव
आउरिप॥३॥अहाऊनवन्दअवहमवस्रलाकजाकहं॥**दिकी॥**अ
हाऊनवन्दअवहमसिधुजाकहं॥**मध्य॥**अहाऊनवन्दअवहमवस्रला
कजायपहंचेऊहायकेविअमकवकहं॥**विअम॥**थन००॥**आदिडां**

उपनिषद्

ॐ
वलिजायदेव
ॐ

हथुभा ॥ वाग ॥ श्री ॥ चो ॥ चलिजायदेव ॥ प्रकादिका ॥ मध्व ॥ न्व
यहाव ॥ ॐ ^{प्रका}दादि ॥ ह्मक ॥ नमस्क कमला नृत्त स्रवक्षु पिनामह ॥
न जांकु नृत्त स्रवक्षु गगनपालका ॥ १ ॥ श्री ॥ ह्वयं ह्वमा विप्र ह्म
म नृत्त न नृत्त म वा पुन कि रिलिया भा निहम का न का कवी दा ऊ ॥ व
म्मा ॥ नृहा देवादि य हां नृ ॥ ॐ कं न हिय ॥ ॐ दादि सर्व ॥ नृहा पिना
मह नृव ह्व ॥ सर्व नाप वि ह्व म ॥ वम्मा ॥ नृहा देवादि नृव ऊ न क वि
य हि न ह्व हं ॥ देवादि ॥ सर्व ॥ नृहा पिनामह नृव ह्व न हिय ॥ सर्व इ ॥

ॐ अहो पनामह वम्मा ह मादि ए

॥ लृ३ ॥ धनमानकादिउपनिषदपिडाविष्मामा॥ धनदेवतातादिपि॥
प्रकांदिक्कां॥ सूर्या॥ अहास्वामिसिध्विऊकीऊ॥ मध्यऊडास॥ स्वय
हावा॥ सूर्यादि॥ अहादनऊऊहमाविषमामा॥ मावा॥ अयीपुययाहा
आ०००कवहिया॥ सूर्यादि॥ अहादनऊऊअवह्य॥ अहायनापविष्मामा॥
मावा॥ अयीपुयादिगहसवयहअमवापुवहमावाहयाअवअनन्द
मीयहिंवहहह॥ सर्व॥ अहादनऊऊअवह्य॥ सर्वइडा॥ लृ४॥ धनह
मानादिउपनिषदपिडाविष्मामहमा॥ अहामंदिबुद्धिस्तनमाहावीनरुम

नारुहम

लाकसहामंदिलकाचर्चाकविंयहिवहहं॥मंदि॥नृहापर्वदवा
ऊनवहधमायापधाम॥मंदिदं॥मंदि॥नृहामंदिमाहावीनृवहम
लाकसहामंदिवचर्चाकर्नकाजायचलिय॥महावीन्या॥नृहामंदिबु
द्धिमननृवहधजायचलिय॥मंदिउं॥नृमपनंदुं॥हं॥नृयास
खिहुमलाकमंदिलाककासमाचायवूमिकवआह॥सखिनिमंदं॥
॥सखि॥नृहामहाजाऊनवहधमानिपधाम॥कमललोचनिस
खि॥नृयासखिपमलोचनिनृवहमलाकमंदिकासमाचायवूम

नका जाय चलिय ॥ **पमलाचनि ॥** ज्यी मखी कमललाचनि ज्व
 ६५ जाय चलिय ॥ **कृष्णनेडी ॥ हमा ॥** ज्यी पृथ ज्व साथ का हिन
 हि ज्व रहम कूक करुहं ॥ **मना ॥** जहा इवामि आगफ की ऊ ॥ **निर्कंदह**
हाय ॥ हमा ॥ ज्यी पृथ रुमावी बकि जो रुन दखि मया मन अकिचंच
 लरुया बकि न सको वारु सुनिय ॥ **मना ॥** जहा इवामि वे सि आगफ मरु
 की ऊ ॥ **धनहमा लाकि डगुम यम ॥** ॥ **बाग ॥** सुन सुन प्या जी खलं
 य ॥ नयन कि साहान सा माविय काल ॥ वालिय कया बकि आ खिक सा

हन॥१॥ सूनं विदुमवाल॥ कुचहिमर्दनचुवनकर्त॥२॥ **हमा॥** अ
 यीपुयमनाहुमाशोयतिवसुसंहमसंरुष्टरुया॥ **मना॥** अहोस्वामिज्व
 हमात्रिविनाहिसुनिक॥ **हमा॥** अयीपुयहुमकहिय॥ **थनमनाकिहं**
भवम॥ **॥ वाग॥ असाडा॥ तं॥** सूनरवदिपदिनाहिमयगुहानी॥ अ
 ग्यानिहमपनदयाकरदीक्षप॥१॥ नृपगुहवालिहमनवसरुनिक
 व॥ दिलरुनिकनपदिनमकनियषरु॥२॥ **मना॥** अहोस्वामिहम
 अवलापनरुपाकविअपयाधकुमाकीरु॥ **हमा॥** अयीपुयहुमधरु

सूनरवदि ३१

मरुकात्रिय ॥ **हमा** ॥ अथीपृथग्भवहमलाकानन्दसांविष्णमकविन,
हरहं ॥ **मना** ॥ अहास्वामिन्नवह ॥ **निष्कंकिष्णम** ॥ **थनमंदिगदिपं** ॥ **पकां**
॥ बुद्धिभन ॥ अहामंदिमाहावीनन्नवहमलाकमाहावाऊकनिकटजाय
चलिय ॥ **माहावीन** ॥ अहामंदिबुद्धिभनन्नवहजायचलिय ॥ **दिका** ॥
माहावीन ॥ अहामंदिबुद्धिभनमिष्टजायचलिय ॥ **मध्वजगत्** ॥ **मंदिनि**
॥ अहामाहावाऊसहामदिवचर्वाकविनायपहुचंरमादिपक्षम ॥ **ह**
मा ॥ अहामंदिप्याहाशायिकजहिय ॥ **मंदिनि** ॥ अहामाहावाऊन्नवह ॥

मंदिनिमं हहायनापंविष्मम ॥ धनसखिडादिपं ॥ पकां ॥ कमललाचनि ॥ ज
यीपमलाचनिमाहाबाधिकनिकटजायचलिय ॥ पम ॥ जयीकमलला
चनिज्वल्लजायचलिय ॥ दिका ॥ पम ॥ जयीकमललाचनिसिधुजाय
चलिय ॥ कमल ॥ जयीपमलाचनिज्वल्लजायचलिय ॥ मल्लजगम
सखी ॥ जयीमहाबाधिहमाविप्रदम ॥ मना ॥ जयीसखियाहाजा
कचहिय ॥ सखी ॥ जहामाहाबाधिज्वल्ल ॥ सखिहहायनापंविष्मम ॥ ह
मजयीपयसखादिगदसवज्वल्लहमल्लकसयनकचरुहं ॥ सर्व ॥ जहा

पर्वताधिपतिः श्रवणं सयनकीर्तनं ॥ सर्वद्वन्द्वं वा ॥ पवित्रं पंडितं ॥ लज्जा ॥ थ
न ० ० ॥ द्वादि उपविष्टा विष्णु मन्त्रा ॥ अहा वायु ॥ थन वायुदं ॥ हुहाय वा
यु ॥ अहा पिनामहं का आम्भारुहं हमा वी प्रक्षाम ॥ बुद्धा ॥ अहा वायु रु
मवायु वगमां कामदेववाला कीकन आयीथ ॥ वायु ॥ अहा पिनामहं श्र
वण ॥ लिखक ॥ वायु ॥ अहा जनवृन्द श्रवणमकामदेववाला जनजाकहं
॥ अर्केश ॥ बुद्धा ॥ अहा देवादिगण सव वायुको समाचा नवृषिक नयहि
नरुहं ॥ ० ० ॥ द्वादि ॥ अहा पिनामहं श्रवण ॥ सर्वद्वंद्वं ॥ लज्जा ॥ थन हमा ला

दिउपविंपिडाविष्मम॥ मना॥ अहास्वामीमन्त्रगर्हवाल्मीकीदाहयाउ
पकाविवालाॐ दीऊ॥ हमा॥ अयीपुयअवध॥ हमा॥ अहामंदि॥ म
हावीनदी॥ माहावीन॥ अहामाहावाऊकाआगमहाहहमाविप्रधममा॥
हमा॥ अहामंदिमाहावीनरुमजाॐ गमनिउपकाविवालाॐ अह
॥ माहावीन॥ अहामाहावाऊअवधहमाविप्रधममा॥ लिखया॥ माहावीन॥
अहागमनिउपकाविहमयाहाआॐ ययाहाआॐ य॥ लिहायविष्मम
॥ धनदिदिव्काडाप्रतिप॥ प्रकांधंरति॥ अयीपुयगमनिपनवनवाऊक

निकट जाय चलिय ॥ दिदि ॥ नृहा ह्य मि नृव ह्य विऊ कीऊ ॥ दिका
दिदि ॥ नृहा स्वामि मि य विऊ किऊ ॥ धंरु सिं ॥ नृयी पृथ नृव ह्य जाय
चलिय ॥ मव्या ॥ दिदि वृथा ॥ नृहा माहा बाज हमा विप ह्य मवका आग्य
हात हं ॥ हमा ॥ नृहा उपका निरु मने मय पृथ का उपका न क मिथ ॥ वृ
था दिदि ॥ नृहा माहा बाज नृव ह्य ॥ थन दिदि न वृथा वाक न नाडा उप
सल याय रवा ल माल का ॥ दिदि ॥ नृहा माहा बाज नृह लो क वेथ क
मा विऊ कीऊ ॥ हमा ॥ नृयी ग्य नि उपका नि नृव ह्य ॥ हमा ॥ नृहा म

हमा॥ ज्योग्मा निड पका वि ज्व ६५॥ दिदिलिहाय॥ हमा॥ ज्हा मंठि मा
हावीन॥ महावीन देह हाय॥ माहावीन॥ ज्हा माहा ऊक्का आग्म हा रुहं
हमा नीष ६५ म॥ हमा॥ ज्हा मंठि का निषिवा ला ०० आहा॥ माहावीन॥
ज्हा माहा नाज ज्व ६५॥ लि ६५ क॥ मंठि॥ ज्हा ऊन वृत् ज्व ह म वा
युव ग मां का निषिवा ला उन जा रुहं॥ चकालं डो॥ थन वृह स्प निरु ग ना
वद डो ना पं मंठि पिठा माहावीन॥ ज्हा का निषि पा हि रु ग ध माहा नाज रुहं
माल का साथ वि ऊ की ऊ॥ आहि ना दि सर्व॥ ज्हा मंठि ज्व ६५ जाय

चलिये॥ कल्पितं नाम स्वयं हाव खिं मं दि॥ जूहा माहा वाऊरु मा
वा प्रहम मऊा निषिधा हि रुवा ला ॐ कवत्राय परुच ॥ हमा॥ जूहा
मं दि रुम या हां ज्ञायी के व हि थ ॥ मं दि॥ जूहा माहा वाऊरु व ह्य ॥ हहा
य ना पं वि ह्य म॥ ना व द सर्व॥ जूहा पर्वता धि प नि सर्व रु म्हा द या रु
ह मा॥ जूहा प्रा हि ता दि स व ह मा वा प्र ह म या हां ज्ञायी के वि ह्य म की
ऊ॥ ना व द दि सर्व॥ जूहा गि पि प नि जू व ह्य ॥ हहा य वि ह्य म॥ ह मा॥ जू
हा धी मान या निषि ज्ञाऊ का ना हि मा भ व स नि म ना की के न्या प्र ग रु रु या

८॥ श्रीगुरुदेव नमः ॥ श्रीगुरुदेव नमः ॥

लकुधप्रकीर्ण॥ याहि॥ गृहागिनिपदिगृवध॥ धनप्रकृयाकल्या
खचायाआहांखिं॥ याहि॥ गृहावाऊनगिनिपदियहकंत्यासूलकुधाकी
वालहंसकललाककोआदवकविलाकवकाकवरह॥ यहऊनप्र
दिलिऊ॥ हमा॥ गृहाऊनिषगृवधयहदकिनालिऊ॥ याहि॥ गृहा
गिनिवाऊगृवध॥ हमा॥ गृहादिऊवाऊआहिरयहवालषकोनाम
कर्धकविदीऊ॥ याहि॥ गृहागिनिवाऊगृवध॥ हमा॥ गृहामंदिता
पिवालाह॥ मंदि॥ गृहामरावाऊगृवध॥ मंदिदंनोसलहु॥ गृहा

नापि रुम ०० हाजा ०० यश ॥ मंजिलि हाय विष्णु मा ॥ नो डा चं मिपं ॥ मध्य
स्वया नो ॥ जहा स्वामिका जहा हा रहं ॥ हमा वा प्रक्षम ॥ मंजि ॥ जहा ना
पिमा हा वा जा को नष के हा दिचं दन कविय ॥ नो ॥ जहा स्वामि ज्व वष ॥
जहा मा हा वा ऊ हमा वा प्रक्षम ॥ हमा ॥ जहा ना पिय ह नष के हा दिचं दन
कविय ॥ नो ॥ जहा मा हा वा ऊ ज्व वष ॥ ^{नि हो दं हाय विष्णु मा} सऊषाय ख्या त्त मा ल क ॥ नो ॥ जहा
मा हा वा ऊ के हा दिचं ^{हो} दचू का ॥ हमा ॥ जहा ना पि ज्व वष ॥ हमा ना पि नि मं दं
लि हाय विष्णु मा ॥ ^{ना पि रुम ०० यश ००} आ हि क ॥ जहा वा ऊ य ह य ह स ना हा म रु या व क न क हं ॥

हमा॥ नृहा प्राहिरु नृव ६५॥ प्राहि॥ नृहा दास हान कन गृह कन य हस वा
जाम रुया न कविय ॥ दासो॥ नृहा गृन्माथ नृव ६५॥ दास दं हहाय ॥ गृहा॥
नृहा हा ०० हान कन य हय ह म दिव त वा जाम रुया न कव रु हं ॥ हान ॥ नृ
हा गृह कन नृव ६५॥ यह दय क हां खिं ॥ गृहा हान ॥ नृहा गृन् य हस वा जा
म रुया न रुया हं ॥ गृन् ॥ नृहा दास नृव ६५॥ गृन् ॥ नृहा वा ऊन नृव य ष क
व रु हं ॥ हमा॥ नृहा प्राहिरु नृव ६५॥ सर्व दं हहाय विष्णाम ॥ गृन् ॥ नृहा वा
न नृच मन कविय ॥ हमा॥ नृहा गृन् नृव ६५॥ नृच मन या क ॥ हमा॥ नृहा

यहागुनाथयहसुनाजामसांहामकविदीऊ ॥ गुरु ॥ अहाहिमपर्वरुनाऊ
ज्वव ॥ गुरु ॥ यगपकमक्रापायाथ्य ॥ पूर्वायाकक्रायाक ॥ प्राहिरा ॥ अहा
हिमपर्वरुनाऊयहकनाकातामपार्वरिहाकऊगरुनकाकयलाककीऊ
ननीहागाज्वयहप्र ॥ दलेहा ॥ हमा ॥ अहाप्राहिरुज्वव ॥ आशिर्वीद
हमाकक्रापायागु ॥ हमा ॥ अहाप्राहिरादियहदकिहमलीऊ ॥ प्राहिरा ॥ अ
हाबाऊज्वव ॥ हरिनावियरिव ॥ नापिरुदिदिवाहिक ॥ प्राहिरा ॥ अहाहिम
पर्वरुनाऊज्वहमलाकनिकुवासस्थानऊरुहंसर्वरुहादयाकु ॥ हमा ॥

अहाप्रहितादिहमाविषहममज्ववधविऊकीऊ॥ सर्वदंरुमालादिरिवंका
सविहमम॥ प्रहितादिलिहाय॥ प्रहिरु॥ अहाकाहिषादिज्वरहमलाक
निकुवासमाजायचलिय॥ कातिखादि॥ अहाग्वज्ववधविऊकीऊ॥
सर्वकृतिपनंती॥ हमा॥ अहानापित्यहमज्वविलकंकाह॥ नापिदं॥ ना
पि॥ अहामाहाबाऊज्ववध॥ खर्ववियरिं॥ नापिलिहवय॥ नापि॥ अयीपृ
थगृहवनिज्वरहमलाकनिकुस्थनजायचलिय॥ नानि॥ अहाहवामिना
पिरुज्ववधविऊकीऊ॥ नाओम॥ ॥ नाग॥ गोवि॥ मालंग॥ पा॥ निकुघा

न जाय चला ॥ **प्रकांडं ॥** हि कां भोनि ॥ अहास्वामि तिघुगमन कविय ॥ **इडा**
 ॥ **हं मा ॥** अयो गमनि उपका विय हवाल को कादना कविल ज्ञाह ॥ **दिदि**
 ॥ **अहा** माहा नाऊ अ व ॥ **थनम चा जाना डादि दि धं म सिं नि म्म नं म्मि न क**
दिदि ॥ अहा प्रा हा पनिय ह नाऊ कु मा विलाल ना को कादना कवरु हं ॥ **धं न**
सिं ॥ अयो पृथ गमनि अ व ॥ **म चा म्मि रु क ह थु म ॥ ॥ वाग ॥ वं ॥ प ॥ उ**
 थ उ थ व विया ॥ **खाल माल का ॥** **दिदि ॥** अहा माहा नाऊ य हवाल कु मा वि
 नाद ना रु यिली ऊ ॥ **मना ॥** अयो गमनि उपका वि अ व ॥ **म चा का थ थ डा**

अथ अथ व वि पा ५४

कासंरु करुय के॥ हमा॥ अयी गप्पनि उपका विरह मऊ विल के जा ॥ ३३ ॥
॥ दिदिधंरुसि॥ अहा माहा बाऊ अवेह ॥ खर्च काय ॥ दिदिवृछा॥ अहा मा
हा बाऊ आरु का रहलिहा ॥ ३४ ॥ हमा निषधम ॥ अवेह मऊ कहं ॥ लिहवय
॥ धंरुसि॥ अयी पृथगप्पनि अवेह मलाक अरु ना आहम ऊय चलि
य ॥ दिदि॥ अहा हमा मि अवेह गमन क विऊ ॥ कपिपनै ॥ पाववति
॥ अहा मा ना अवेह मसखि स हि रु वाल कदा खलि जाऊ कहं ॥ मिना॥
अयी पृथि सिधु ललिना खलि आह ॥ पाववति ॥ अयी मा ना अवेह म

सखि सखि सखि सखि

विषहमम॥ सखि ऊया सखि विऊया सखि पार्वकि दं॥ पावव कि॥ अया
सखि ऊया विऊया अरु हमला क पुष्पवनमा खलन जाय चलिय
॥ ऊया विऊया॥ अहा ना ऊकुमा वि अरु हध विऊकी ऊ॥ वनविहाना
म॥ ॥ नागा॥ वसंका॥ प्रा॥ सखि सखि मिलि जाय॥ खलहा उया नमा
मधुन धुनि सुनि॥ वलिच वलिकु सममा लहि॥ चंपारु लहा नमा
नि॥ पूसऊन कोहि ना हिलि किरु रुजिके॥ खलवहु विधि सानि खल
डा॥ १॥ सखि उ विऊम सारु देव वन उहि॥ सखि गुनहानि के थरु निरुनि

हलकैमाला पहिवलहं भवजानि ॥ २ ॥ प्रकांडं ॥ द्विकां ॥ प्रसिद्धि ॥ भू
 होलाहनाविति घविकीकिऊ ॥ इडो ॥ हमा ॥ भूयो पृथादिगधसवने
 मनाक प्रुडिकासमाचाव बुद्धिपरिहं नहमह ॥ मनादिसर्व ॥ भूहाहि
 वनाऊनाहनाऊ भववृद्धवहिये ॥ सर्वपनिक्षपंडो ॥ लक्ष ॥ ॥
 यनवहिकामदेव भूलकायडो मधुकोमा ॥ ॥ निग ॥ काहि ॥ ॥ ॥ चिन्
 हनजाय ॥ प्रकांड ॥ कामदेवा ॥ भूयो पृथवहि भवमनिजवास्तकायच
 निया ॥ वहि ॥ भूहा पासवलह भववृद्धविकीऊ ॥ द्विकां ॥ वहि ॥

अहावावतलहासिषुविऊकीऊ॥ मध्या॥ काम॥ अयापृथअवनिऊ
वासत्रायपरुचरुहयकविहममकनरुहं॥ नहि॥ अहावावतलहा
अवहविहममकीऊ॥ विहमम॥ धनवायुडाचकालमध्या॥ लयलवावा
यू॥ अहाकामनहिवासाकाअहमसिषुविऊकीऊ॥ नहि॥ काम॥ अहा
वायुअवह॥ नहिकामदं॥ काम॥ अयापृथनहिवायुअववसाका नि
कटकायचलिय॥ नहिवायु॥ अहाहो कामदंवअवहविऊकीऊ॥
अनिपनं॥ धनपाववहिडा॥ निपां॥ अकांदिकां॥ मध्यापाववहिडाअ

यो सखि ऊया विऊया पूष्यव ह्यभयपह च नन्द सांखलिय ॥ सखा
वाञ्छा वाञ्छा कुमाविञ्चव ह्यखलकहं ॥ **थनपाच्छिमापूजावादिवाजाहं**
प्रायः पाञ्चवदिह ॥ हं सखिविहावलि हल्ल च पा हल्ल हल्ल नलागी
सुकेन्दमाञ्छा ॥ दह्वारमासाञ्चव हिउ घानभा माहनद विहल्लि ॥ **ऊया ॥**
ऊगारवाधिहासुदन माहन हल्लकवास ॥ संगि संगि माविदुंगि न
वहिह माहावाधिमाञ्छा मञ्छाक सांखल ॥ **वाजानुस्वानकयकाठाचाक**
उल ॥ पाञ्चवदि ॥ इहा ॥ हं सखिविहावलि हाय च पाहाय सवहिरुल्ल

॥ कंथमलाउंलहासखिविसुंदरमाहनादखिविजया ॥ हंवाऊकुमा
 विहंलहाअवहिरुलकंमालाकंथरुविरुविलाउं ॥ ०० नरुलदखि
 मनउदाहापिहंमाहावाहि ॥ **स्वानकयकाडाचाकउलखि ॥ ननवि**
रावधनकाडापाववाहि ॥ नृहाऊयाविजया नृवहमलोकाकमापापि
 ताकनिकटजायचलिया ॥ **सखी ॥** नृहावाऊकुमावि नृवहधविऊकि
 ऊ ॥ **यडाऊडां नानंदपेडावमे ॥** ॥ **नाग ॥ वलाडा ॥ प्र ॥** हं सवगह
 चलिकायमनरुविवसकवि नृवजायचलियआऊ ॥ नवनेतरुवि

नृसवगहऊऊ

वी नञ् वजाय सुवज्जनसंस्कविमनजाय निगगधसवमिलिजाय
चलिय ॥ १॥ हहं वन्दविक्रमसाह देवगधगधंकाककामपूवधक
व ॥ झाहि रसाडाकसाहि साहि पूवधहो वनसंमनरुविकानजपूवध
क वञ्जवजाज ॥ २॥ पुकां ॥ पार्वती ॥ इं ॥ द्विकां ॥ सरथो ॥ अवीवी जाऊकुमा
विसिधु विऊकीऊ ॥ इडा ॥ लट ॥ ॥ आवनि ॥ ॥ ॐ निष्ठीलिंग
पूना नादिनाना साकुसंगरु स्वस्था न्यापारखानकाहुकनाटकं सवकमा
क ॥ नीदि ॥ थनवसादीउपविपिडा विष्णुम ॥ वष्मा ॥ अहादेवादिअव

इमलाकधंशमरुकनिर्याहिमालयकीपुष्टिपात्रवहिनहिबह
मिहाडाहहंडनकंपुष्टतांहमाविहंडनाहोहोगा॥ ॐ डादि॥ अहा
पिनामरुहमाहकोहपात्रथनकामडाहिपं॥ पुकाहिकोंडं॥ मध्यहव
यहाडावायुकामादिसर्वा॥ अहापिनामरुहमाविषहममा॥ वक्रा॥ अ
हावायुयहायाकनहिया॥ वायुहहायनापंविहममा॥ काम॥ अ
हापिनामरुहमागमहाहहं॥ वक्रा॥ अहाकामहुमडरुनापंथमापु
ष्यवाहसांहीमाहादवजागर्नकनिर्या॥ काम॥ अहापिनामरुहमावह

॥ कामलिख्य ॥ कामा ॥ मूयि पृथक् नमि न्वहम लोक उरु नापं थमा
 जायक पिना मरुका भाग्यमासा इमी नाहा दव को जा गरु कन ह काय
 वलिय ॥ नमि ॥ नृहा द्य धनाथ न्वहम विऊ कीऊ ॥ थन काम नमि उ
 रुनापं थमा ॥ ॥ नाग ॥ ललि ॥ वा ॥ पृथक् चला जाय उरु नापं थमा
 देव लोक का भाग्यमासा इमी नाहा दव को जा गरु कन ह काय
 कम साह नृप व व नाऊ ॥ ऊगन को भाग्यमासा इमी नाहा दव को जा गरु कन ह काय
 का जाय ॥ रा ॥ प्रकांड ॥ द्विका ॥ नमि ॥ नृहा स्वामि सिधु विऊ कीऊ ॥ इ

पृथक् चला जाय उरु

ॐ॥ वृक्ष॥ नृहादुवादि नृवहमलाक कामदेव कामना चानवृमि
कनयहि नरुहह ॥ ॐ॥ आदि सर्व ॥ नृहापि नामह नृवह नहि ये ॥
इडा॥ लू ॥ यनह मादि उपविं पिडा विष्मम ॥ यनपा नव निडा निपं ॥ प्र
कादिका डा॥ सुखि सहिरु पाव मि ॥ नृहा नामा पिना रुमा विष मम ॥ ह
मा॥ नृयी पृष्ठिय ह नृ ॐ॥ कनहि य ॥ स्वकन ॥ नृहा नामा पिना नृव
ह ॥ हराय नापं विष्मम ॥ पा नव नि ॥ नृहा नामा नृवहम ह्री माहा देव
का वर पुजा कर्ष जा रुह रुमा विष मम ॥ मना ॥ नृयी पृष्ठि नृवह ॥

श्रीगणेशाय नमः

॥ पात्रवति सखि ॥ पात्रवति ॥ श्री सखि ज्वहमलाकसि वार्चन
निर्यया जामा जय वलिय ॥ सख्या ॥ श्री श्री नाराज कुमारि ज्वहस्य वि
जकी ॥ निर्यया जामा ॥ ॥ नागा ॥ को ॥ श्री ॥ ज्वहमधी वक्रवृत्त
खि ववजन मिलि ॥ सखि वक्राय वला दिलकी का जसिद्धि मना
वा ॥ कामना पूजन का कीवथ ॥ मक्राय ॥ १ ॥ नृपग हदा वृत्त वद
विक्रम साह ॥ इव सव रुजि पापमा चनी मना वा ॥ कामना पूजन
का कीवथ मा जामा ॥ शा ॥ पात्रवति ॥ श्री सखि ज्वहमहा वलि

गरीथजाजायचलिय॥ **सखो॥** नृवीवीमाऊकुमावीनृवहधवि
ऊकाऊ॥ **दिकां॥ सखो॥** नृवीवीमाऊकुमाविसिषुविऊकीऊ॥ **पा**
ववनि॥ नृयीसखीनृवहधजायचलिय॥ **इं॥ हमा॥** नृयीपुयादि
गद्यसवपुष्टिकासमाचाववुनिकयहिंवरुह॥ **सर्व॥** नृहीमास
नाऊनृवहधवरुह॥ **पविऊपंडा॥ ल२॥** पाववकिडाजिपे॥ **पकांदि**
कां॥ मध्यपाववनि॥ नृयीसखीनृवहनलोकांगतकतिकउजाय
पहुचमानित्माकवाला॥ **ऊया॥** नृवीवीमासवाहिनृव

ॐ॥ पाव॥ नृयी सखि नृवहम लोककुक्षये कविहममकव नहं॥ वि
 जया॥ नृवीवी वाजकुमा विनृवह॥ विहमम॥ जया हहाय॥ जया॥ नृ
 हामाजि लोकवहा आ००० ययहा आ००० य॥ जडास जया हं कहुक॥ थ
 नमापिडा म॥ ॥ नाम॥ आसाडा॥ पा॥ चलिय हा निज हायी नृप
 का नि कट॥ निज कंन्या विम्या ०० कं हाजि नृन वाध वंचला जा ००॥
 ५॥ स्ववठ विक्रम साहनृप गृह हा ॥ निज हा वलिय कनकायु हा
 यी वाजकुमा वि क साथा॥ २॥ पकां॥ गनमिं॥ नृहा हा ०० धनमिं क

कलियुग ३९

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धनसिं ॥ नृहा
 वने रा ॐ गृध्रसिं क च्छु ॐ नमो नृव ॐ चलि वा ॥ द्विकां ॥ धनसिं ॥ नृहा वने
 रा ॐ गृध्रसिं क च्छु ॐ नमि धु जाय वा ॥ गृध्रसिं ॥ नृहा रायि धनसिं व
 च्छु ॐ नमो नृव ॐ जाय वा ॥ मधु ॐ नमो नृव ॐ जाय वा ॥ मामि निम्न ॥ नृवी
 नी नृया ना हि रु मा ना प ॐ नमो नृव ॐ जाय वा ॥ नृया ॥ नृहा धनसि
 गृध्रसिं क च्छु ॐ नमो नृव ॐ जाय वा ॥ नृया ॥ नृहा धनसि
 नृल विरु न के ॐ नमो नृव ॐ जाय वा ॥ नृया ॥ नृहा धनसि
 नृल विरु न के ॐ नमो नृव ॐ जाय वा ॥ नृया ॥ नृहा धनसि

थनद्वेगमय॥

क्षिप्रवस्व॥ ऊयादं॥ पाववन्तियाहुतां नशानं॥ ऊया॥ ज्ञवीवीनाऊक
मानिमानिलाकरयावरुयागंगमभागमनकीऊ॥ पाववन्ति॥ ज्ञयी
ऊया ज्ञवस्व॥ थनमामि॥ ज्ञवीवीनाऊकमाविहमाविषक्षमयहना
उरयावरुयाहं विनाऊमानकिऊ॥ पाववन्ति॥ ज्ञहाककृवासा
मिलाक ज्ञवस्व॥ थनपाववन्तिद्वंगमसदं॥ ऊया॥ ज्ञहामामिलाक
सावधानकविनाउचलाह॥ मामि॥ ज्ञवीवीथकृनानि ज्ञवस्व॥ थन
मामिद्वंगमहाकृवाजाखि॥ थनद्वंगमचाकउलाठीद्वंगमनपिठी॥ ॥

ऊया ॥ अहं कुरु वा मा मिला कय हसु अ विलक जाह ॥ मा मि ॥ अ
भीभीथ कुरानि अ व ६५ ॥ **पर्व वि य र खा ल माल का ॥ ग न सिं ध न सिं ॥ अ**
वी ना ऊ क मा वि थ क ना सि ह मा य प्र ह म ह म लोक आ रु ना घ न का
जा ह हं ॥ ऊया ॥ अहं कुरु वा मा मिला क अ व ६५ जा ह ॥ मा मि लि त्व
क ॥ ग न सिं ॥ अहं हा ०० ध न सिं क रु ड ॥ अ व ह म लोक अ रु ना वा स
मा जा य च लि वा ॥ ध न सिं ॥ अहं व र हा ०० ग ध सिं क रु वा अ व
६५ जा य च लि वा ॥ ध न मा मि ठा नि पं ॥ ष को डं ॥ द्वि को ॥ ध न सिं ॥ अ

हावयरा००१ गृध्रसिंरुलदिजायचलिवा॥ **गुनसिं॥** अहाहा००
धनसिंकचक्रवा अर्वहजायचलिवा॥ **मामिइगं॥ पार्वति॥** अनी
सखिकया विजया अर्वशीर्थभा आ००१ पुरुच अर्वशीर्थस्नानकर्ष
ह॥ **सखी॥** अनीवीवाऊरुमावि अर्वध्या॥ **हृहायविआम॥** स्नान
याकहांवि॥ सु०३॥ **हृहाक॥** मनोनिआ गैगरुऊरुयुग्मपादरुवध
हमी॥ **रुक्मा** मयुक्ता नैहा कलक्षिवयुगा विष्णु वृशदिनिर्ध॥ १॥ गं
गाश्रमदावनिपु प्रनिरुऊरुमया स्नापिरुऊले॥ मनोवाच्यासिद्धि

त्वंप्रदह्य हिनति मन्त्री वाग्म हि ॥ नृवी नीगंग देवी हमा निप्रह
 माक्षिव ह्मा मिममानथ पूर्व कनी दीडा ॥ **पार्वति ॥** नृवी सरखा नृव
 हमला कमाना पिता कनि कटका यच न्निय ॥ **सरखो ॥** नृवी नी
 गाऊ कूमा नि नृव ह्मा विऊ कीऊ ॥ **पार्वत्या दिडा हुथु म ॥** ॥ **नाग**
॥ गमे वि सायंग ॥ प ॥ निऊ घयडा य ॥ **॥ प्रकां ॥ दि के ॥ सरखो ॥** नृ
 वी नी गाऊ कूमा नि सिधु विऊ कीऊ ॥ **पार्वति ॥** नृवी सरखा नृव ह्मा
 जायच न्निय ॥ **इडा ॥ थनह माला दिड पवि पिडा ॥ विहमम ॥**

थनपार्वत्यादिडाहिपं॥प्रकांडिकोंडं॥मह्य॥पार्वत्यादि॥अहामातापि
नाहमात्राप्रधाम॥हमा॥अथीपुष्टिसखियहं॥ॐ॥कनेहिय॥पु
र्वत्यादि॥अहामातापिमाअवहमा॥नापविहमा॥थननानदडोहिपं
॥प्रकांडिकों॥अहोदाससंवकनरुक्कनअवहमलाकनिकटजायच
लिय॥दासो॥अहादिऊवाऊअवहपविऊकीऊ॥दिकों॥दासो॥
अहादिऊवाऊसिबुविऊकिऊ॥मह्यस्वयराव॥नानदा॥अहापर्व
रवाऊहमालयसर्वसुहादयास्त॥हमा॥अहामुनिवाऊहमापि

पक्षामब्कात्राग्यहारहं॥ **नानद॥** अहापत्रवरनाजहंमालुमा
विपुष्टिअन्यंरुकिमानलरुधयुनसुन्दविहं॥ नपानवविको
यागविष्णुमात्रुडावनहि॥ **हमा॥** अहामुनिनाजहुमावि॥ **ऊ॥** **ना**
नद॥ अहाहमालअवहनजाहं सर्वदुसरादयाकु॥ **हमाल॥** अह
मुनिनाजहमाविपक्षमअवध्यविऊकिऊ॥ **नानदलिस्वया॥ नाम**
द॥ अहादासाअवहमसाकवेरुठजायचलिय॥ **दामा॥** अहादि
ऊवाऊअवध्यविऊकीऊ॥ **नानदडां हथूम॥** ॥ **नाग॥ व्याहागना॥**

नाहिभाउमिष्टकवि नरुनहंका जवस्था रुया आगमकीऊ ॥ **पार्वति**
॥ जयी सखी भव मनकी काऊ विनु जडा न हाने लग्न शिव स्वामि
विनु जडा न रुऊ नाना हि के स क न रुन क विय ॥ **जया ॥ इहा ॥** हेरा
ऊरु मा विरु मा विहा मनकी आकूल चो दिय नाहि मनकी रुहा
पुन ध होयी ॥ पूर्वहि दिग मा जायिक न रुऊ ना क विय नाहि सा वि
धिना ॥ जनीयी ना ऊरु मा वि नरु सला क गुफ मा जायि शिव रुऊ
ना क नरुहं ॥ **विजया ॥** हेरा ऊरु मा विहा मनकी सा क चो दिय साच

कन्या विवर्ती की लाव ऊवहि पूवन न होयि ॥ धिरुवहि इय मिमील
न जायौ ॥ नृ श्री श्री नाऊ कृमा निर्धंदा मरु की ऊ विऊ किऊ ॥ पाप ॥ न
हो सखि ऊया विऊया नृ व ह ध जाय चलिय ॥ पाव व म्या दिडा चरु नि
पन ॥ ह मा ला दि ह लं चा डा ॥ ह मा ॥ नृ श्री पूया दिग ध सव ह मा विपु
छिद ख रु ना हि खो ऊन जाय चलिय ॥ सर्व ॥ नृ हा इय मि नृ व ह ध
विऊ किऊ ॥ सर्व दं ऊ डा समाले हाव ॥ ह मा ॥ नृ श्री पूया दिग ध सव
या हा मा द ख रु न हि नृ डा न ऊ ग म भे द ख रु न जाय चलिय ॥ सर्व ॥ नृ

हां हंम मित्रव ह्यविऊ कीऊ ॥ **हुंता न ॥ स्वयं हाव ॥ हंमा ॥** न्यी पृथा
 दिग धसव या हां द ख रुना हि ह र्वा ऊन काय चलिये ॥ **सर्व ॥** नृहा
 स्वा मित्रव ह्यविऊ कीऊ ॥ **दपा स ॥ स्वयं हाव ॥ हंमा ॥** न्यी पृथा दि
 ग धसव या हां द ख रुना हि नृडा नऊ गम मा काय चलिये ॥ **सर्व ॥** नृ
 हा सा हा नाऊ नृव ह्यविऊ कीऊ ॥ **सर्व इडा ॥ ल ३ ॥** ॥ धन पावव
मिडा म ॥ ॥ **नाग ॥ आ सा डा वि ॥ ग ॥** नृव गु पट मा काय चलाम न व
 सरु विश ॥ हा हा ग ये निऊ म न आ सक ये ॥ १ ॥ नृप गु ध ग म व म न क

कामना॥ शिवश्च निश्चास पाउमन हन्त्र २॥ **प्रकं॥ पाव॥** नृशस
खिऊया विऊया नृवहमलाकगुपरुमाऊयकं ह्रीमाहादेवकाऊ
गकनहकाऊयचलिये॥ **सरब्धो॥** नृवीनीनाऊकुमावि नृवहप
विऊकीऊ॥ **दिका॥ सरब्धो॥** नृवीनीनाऊकुमाविसिधुविऊकीऊ॥ **ज**
डाकूनस॥ पाव॥ नृशसखि नृवहमलाकयाहाविहामकविह्रीमा
हादेवकाऊगकविनहहहं॥ **सरब्धो॥** नृवीनीनाऊकुमावि नृवहप
॥ **विहमस॥ पाव॥** नृशसखि नृवहमलाकशिवध्यानकवियहिने

हृहं ॥ **सखो ॥** नृवी श्री नमः कृमा विनृव ह्यवहिथ ॥ **पत्रिहं पंडुआ ॥**
ल ४ ॥ थनहं मालादिडा निपं ॥ **षकां ॥** हं माल ॥ नृवी पृथ मनादिग ह
सव नृव हं मला क पृथि पा न व हि की चर्चा कन ह को जाय च लिय ॥
सर्व ॥ नृहा ह्य मि नृव ह्य विऊ की ऊ ॥ **दिकों सर्व ॥** नृहा स्वा मि सय
विऊ की ऊ ॥ **हमा ॥** नृहि पृथा दिग हं सव नृव ह्य जाय च लिय ॥ **म**
ध्या ॥ **हमा ॥** नृया पृथा दिग हं सव य हां ऊ ह्ये क विहम म क न हं
सर्व ॥ नृहा ह्य मि नृव ह्य व हि ऊ ॥ **सर्व विहममा ॥** **हमा ॥** नृवी पृ

यादिग ससवत्रवहमलाकपुष्टिकिचर्चाकवियहिंनहकहं ॥ सर्व ॥
जहोस्वामिजवहध ॥ सर्वपविंदुं ॥ ल ॥ विष्णु उपनिषिं विष्णुम
थननावदडाहिपं ॥ प्रकोंदि कों ॥ मध्यनावद ॥ हहा माहाविष्णुमा
विषण्णमहिमा लय की पुष्टिअहिसल कुधी आरु का योग्यली ॥
॥ विष्णु ॥ जहानावदजवहध ॥ नावद ॥ जहाविष्णुजवहमजामहं ॥
लस्यया ॥ नावद ॥ जहादासजवहमलाकजायेचलिये ॥ दासा ॥ ज
हादिजवाजजवहधविजकी ॥ कनिपनडा ॥ विष्णु ॥ जहाजनवृन्द

अवहमनावदकासमाचाववसिकवयहिंनरुहं॥पवित्रुपंडी॥
ल३॥ ॥थनहमालादिउपविंपिडा॥नावदडाछरिपन॥मध्यनाव
दा॥अहापर्वनवाऊसर्वसुहादयास॥हमा॥अहामुनिनाऊरुमा
विषधाममवपुहिकोवाकोकोहांगयोखाऊरुमिलनामाहियरुअ
पवाउऊमाकीऊ॥नावदा॥अहापर्वनवाऊकाकवयहधंदामरु
कवियहमऊरुहं॥हमा॥अहामुनीहववरुमाविषधामविऊकीऊ॥
नावदा॥अहादासोअवहमलाकविष्कानिकटजायचलिय॥दाहा

॥ ज्ञहा विज्जना ज्ञव इध विज्जकी ऊ ॥ **छनिपनं डी ॥** हमा ॥ ज्ञयी पृ
यादिसव ज्ञवहमलाक पृष्टिका प्रकृ कविय हिं नरुहं ॥ **सर्वो ॥** ज्ञ
हा इधमि ज्ञव इध ॥ **सर्व इडी ॥** ल ॥ **विष्क उपनि पिडा विष्ममा ॥** नाव
दडा छनिपनं ॥ म **व्य नाव द ॥** ज्ञहामहा विष्क हमा निषधमपव
वरुकी पृष्टि ज्ञद ह रयी च ह ज्ञप ना ध ऊ मा की ऊ ॥ **विष्क ॥** ज्ञहा वि
ज्जना ज्ञय ह पा न व निरु ऊ ग न मा का हा न हं तु म वं दाम नि क वि थ
तु म जा ह ॥ **नाव द ॥** ज्ञहामहा विष्क ज्ञव इध ॥ **नाव द लि इव का ॥** नाव ॥

महाशोत्रवहमलाकजायचलिया॥ दासो॥ महाविजयाऊम
वह्यविऊकीऊ॥ **चुमिपनंठां॥ विष्णु॥** महाऊनवन्दम्वहमपा
नर्वहिकाउपदेहादेनजाऊहं॥ **विष्णुदेठाभा॥** **॥ आगा॥ सिंदूर**
॥ चो॥ देषमहमम्वहगामिऊनकंदहंवन्दानआऊ॥ उपदेहादे
मगिनिऊकंपवकविबहनिऊमनहावमनथपुनवकय॥ १॥
हापिरुपमिआसिनसुरुगामिदानकावहमआऊ॥ गमउमदवग
हसविकोगिसुनस्वस्थानिवनउपदेहादेनआऊ॥ २॥ **प्रकी॥ दि**

रुपमहमम

कां॥ अहाऊन वृन्द अवरुहमसि सुजातुहं॥ इडां॥ लुट॥ यनमाहाद
 वडपविं पिडाविहमम॥ यनकामननिडा निपं॥ प्रकां॥ द्विकांडं॥ मध्य
 कामननि॥ अहाउलाकनाथहमाहिप्रहम॥ कामा॥ अयापुयव
 निवुंकाका अगमसोपुषवाद्यमहमकामनपिवाद्यप्रहावकन
 रुहं॥ ननि॥ अहाइवमिअवइध॥ यनकामनवाद्यप्रहावयाकरिवे
 ॥ श्रीमाहादवनकामरुस्मयाकननि॥ अहाइवमिनुमविनुअवम
 नीकागनीरुनी॥ ननिकनम॥ ॥ नागा॥ विहासा॥ गा॥ हायरुम
 रेपापितुमनेवितापराधनेकामवानप्रहारकेयोतुमभस्तकरतहे॥

वकत्रमकुदिनरुयाआज॥केसवहंपुत्रपविनृहायश्वाक्षम
या॥१॥कवियहामेवपत्रकत्रहमकिपिबकिहो॥स्वामिमत्रद
हावनरूपराचेस्वहिआस॥२॥त्रकिकरुंधीनि॥त्रदिनकुनिया
कहसक॥मृग्युजयत्वसिवकालनृजं॥सहस्रकाठिनवपादयु
ग्मा॥नमानमोमपनिजीवदानं॥रुपांकुत्रषत्रिमूठकामा॥१॥
अहाहममिठुलाक्कनाथरुमानिकाठिरमासुंगपधमयहमय
इवामिकांजीवदानदीज॥माहाद^{उल}वा॥त्रयीत्रकिनुमात्रीरुकिहाव

नैरुक्तिरुक्ते

सं ह म सं जुष्ट ह थ रुमा नी म ना न थ क ल्या नं रु द्वा प्प्यां न पु र्ण हा क ह
दु म स्वा मि रु क ना क वि जा हा ॥ न कि ॥ नृ हा रु ला क ना प नृ व ह व रु मा
वि प्र ष म ॥ न कि लि स् व क ॥ न कि ॥ नृ हा रु न वृ न्द नृ व रु म स्वा मि रु क
ना क न रु क का जा रु हं ॥ न कि या सां कि म ॥ ॥ वा ग ॥ आ ग वा ॥ ख ॥ नृ दि
नि न जा रुं प्र ति रु क ना क न ॥ सा चान हि म्थ स नि सा न रु क ॥ सि
व प न म न थ न रु क जा रु ॥ ५ ॥ नृ प व न ना रु स न रु वि रु म ॥ श हि प्र
नि म न की ग नि दी रु ॥ २ ॥ प्र की र्ण ॥ द्वि कां ॥ नृ हा रु न वृ न्द नृ व रु म नि

युजारुहं ॥ ३३ ॥ माहादेवा ॥ अया प्राधपिया विसक्ति मकारांगयीतु
 मवितुक्कागतिमवि ॥ हास्य ॥ देमाहा ॥ अहाजनवन्द अवरुमसक्ति
 दविकीरुमसमननुकागधमनसांदखरुहं ॥ माहा ॥ अहाजनवन्द
 अवपानवनिहायिकहं मालमजुमरुयाहनरुमस्वामिखाकन
 वरुपुन्यकिया अवरुमरुखधमि ॐ नुहा ॐ कचविदुदखन
 ऊरुहं ॥ धनकिमिगयाडा पाववकियाथासडांभ ॥ ॥ वाग ॥ वर
 लावि ॥ न्वा ॥ हिमगिनिवाकका नृपघनजाय ॥ रुखधमि ॐ नुहाक

पाववहिके पवचविहदखनजाय ॥ नेवावरुजचहिधीनत्रवधाव
 ॥ सनदुविकमसाहदेवगृहणनेवमहमजाय ॥ २ ॥ **प्रकांडं द्विकं मा**
हा ॥ नृशजनहृदसिधुजाकहं ॥ **दुडं ॥** लूट ॥ **थनपाववहिकउपरिपि**
डाविठमम ॥ थनविष्टगहथुम ॥ ॥ **नाग ॥** सिंउना ॥ **चा ॥** देखनह
 मत्रवरुगमिजनकेदहुवनदानभाजा ॥ उपदेहादरुगिविजकेपव
 कविवरुनिजमनराव मननयथपुनक्षक ॥ १ ॥ **हाधिरुपकिआ**
सिरुस्वस्थनिबुहुउपदेहादरुभाजा ॥ २ ॥ **प्रकांडं द्विकं उं ॥** मल्लस्वयवि

देखनहम
 २

उत्तरमधुनिप १०

सुन सुन गि वि सु न व च न ह मा वि

बागा॥ कोला॥ ग॥ सुन सुन म धु वि पु वि न कि ह मा वि ॥ शिव मि म ना न थ रा ऊ ॥ १॥

प्र॥ अहा रु क पा व व नि ॥ पा व व नि दं ह हा य ॥ पा व व नि ॥ अहामाहा
वि प्र रु मा नि प्र क्ष म का आ प हा रु हं ॥ **वि प्र** ॥ अहा पा व व नि रु वि रु कि
हा व सां रु म सं रु ए रु या ०० का व न ल हा ॥ **पा व व नि या दं द क ॥ पा व व नि**
॥ अहामहा वि प्र मे रि मन को चित्त ना ए क वि न नि सु नि लिङां सुन सुन म धु वि
पु व च न ह मा वि च वे क्ष मा का टि २ वि न नि ह मा वि मन को आ क ल द खि तु म जा नि अव सा
ह मे द टि व उप दं श दा ऊ म ना न थ पु रे रा क रि ॥ १॥ अहा पा व व नि वा र्ता य क म नि सु मि थ
॥ दं द क मे ॥ ॥ बागा॥ को॥ ग॥ सुन सुन गि वि सु न व च न ह मा वि ॥ स्व स्था नि पु जा क वा
मि ल हा ॥ २॥ सुन सुन गि वि सु न व च न ह मा वि प्र क चित्त मन ध वि सु नि उप दं श दा ऊ रु
म आ ऊ ॥ श्री ॥ स्व स्था नि द वि का व रु क नि पो ष शु क्त पु रा मा प्रा व रु क नि मा घ शु क्त पु र
मा सि रु क क वि रु व हि म ना न थ पु न दा हा ०० ॥ ३॥

[illegible]

व्याधुवृक्षा पदं ह। दानान मा मि गत उध्व जाय ॥ १ ॥ पात्रवनि ॥ अहा
 दया क न मा हा विष्णु मा निष हाम नृव ह्य विष्णु की जा ॥ विष्णु ॥ अहा
 पात्रव नि नृव ह्य ॥ विष्णु लि मा या ॥ विष्णु ॥ अहा जन वृन्द नृव रु म का
 न हं ॥ चक्रि प न डों ॥ पात्रव नि ॥ विष्णु मा ॥ पात्रव नि ॥ अहा सारि नृ
 व स्थ नि वृ क क न हं ॥ सरस्वती ॥ अनी नी ना ऊ कु मा नि नृव ह्य कि
 जा ॥ स्वस्थ नि वृ क या क म ॥ ॥ नाग ॥ ह्री ॥ ची ॥ स्वस्थ नि द वि क
 न र पु जा वि वि द मा ॥ हा न आ थ न रु ल रु ल स वा हि जा नि क ॥ १ ॥ न

सरस्वती ७९

ॐ
हिमाली २२

वनाथलाचनाय नमः पालहाय नमः ॥ अहं यानन्दकनका विविक्तमम
कनका ॥ २॥ **हुमाक ॥** विष्णुपीष्णुपत्तुष्टिस्थिरुं ककात्रका ॥ स्व
स्थानीजननीदविनमस्तु दुखहावि हो ॥ १५॥ **पाया ॥** अहाहनी स्वस्था
निपत्रमेष्वीममीमना नथ पूर्वकविदीर्घ ॥ **थनधलधुनका ॥** थन
रुख ०० रुडाहुयुमा ॥ ॥ **बागा ॥** वलावि ॥ **चा ॥** हिमगि विनाऊकी न
पघनकाया ॥ **प्रकादि कांठि ॥** मस्त्रस्य हाव ॥ **०० रु ॥** अहारुगरुपात्र
वहि ॥ **पात्रवहि हहाया ॥** पात्रवहि ॥ **अहादेवनाऊका ॥** आग्याहारुह

ॐ ५॥ अहमन्दविपात्रवद्विहमात्रागतिहावसां हमसंस्तुस्तुया
कारुमाहादवस्तुनाकनडागित्वनूपतिरुकादिगंवन्नूपन्नन्यं
हावकाकिरुजुनहाहमस्वर्गदेवनाजुहमरुआदिगंवन्नहालातु
मकोमजाग्यहं हमरुआ ॥ यत्र पात्रवद्विहमचाक ॥ पात्रवदि ॥ अहाच
इवविपापिदेवनाजुशिवकानुमीनिंदाकनरुहाहमकाहमहम
पदनेह ॥ ॐ ६॥ अथीरुगतिपात्रवदिधन्यरुमात्राचविद्वद्वि
कहमसंस्तुस्तुयाहमं ॐ ७॥ नारिहमशिवहंदनस्तनकत्रिय ॥ थं

नकि सिंहालकावदनसनविडा ॥ पाववदि ॥ नृहा ॥ भामहाद्वध
नरमवि कनमम विकनम साहृत्यरुथा हमाविकाटिरनमस्त
नयिरासनमाविऊकिऊ ॥ माहा ॥ नृयापाववदि नृवध ॥ लाहा
डा नागा नापं विडममा ॥ यनकि सिंहां हां रिं ॥ माहा ॥ नृया रुकपाप
वदि रुमास्वस्थानिबुनका पडादरुह ॥ पाववदि ॥ नृहा ॥ नृलाकना
थविवाह विनानहि रायिरुमय कविनरि कनरुहं सनिऊ ॥ माहा ॥
नृयापाववदि रुमकहिय ॥ पार्वदि ॥ नृहा ॥ नृलाकनाथ माहापिका

को हि दन दान दान ॥ माहा ॥ अनी पात्र वरि अत्र वष चला ॥ यन सर्व
 दं ॥ पात्र वरि ॥ अहा उला कनाथ माहा पिना को निकाट विऊ की ऊ ॥ मा
 हा ॥ अनी पात्र वरि अत्र वष आय चलिय ॥ सर्व छ मिप नंदा ॥ लुई
 ॥ अत्र वरि ॥ ॥ ॐ किंभी लिंग पुना नादिना नासा सुसंग हं स्वस्थ
 या पाखात को रुक नाट कन पुमा क ॥ ॥ नाग ॥ माथ मां ॥ ॐभी ऊ
 यनाथ ॐ ॐ वन नो मि रुच न होम विरुदि सा हि रुना ग रु धि रु वगं
 वन उा टि रु क श रु म रु रु न काल रु रु रु रु रु नो मि ऊ य देव नाट व

ॐ श्री गुरुवे नमः

वं॥ गीरुनालधुनिसकलमाहकवि. गिविपत्रविद्याजिह्व. नाचमिह
नखिक. तवसचसचैव नृपगृधराडारु॥ ॥ **थनहमालादिउपविं पि**
डाविहममाथनमहादेवादिडा कृनिपनं॥ मध्यक्रुडास॥ पात्रवमिस
खि॥ अहामातापिताहमाविप्रक्षमयहं श्रीमहादेवकादनहनका
ऊ॥ हमाला॥ अहापुत्रिवन्यरुमहमरवाऊरुहं रुम श्रीमहादेव
काकपक्षकवि श्रीमहादेवदर्शनकवि साधलं अयीधन्यश॥ हमा॥
अयीपुयादिगद्यसव श्रीमहादेवकादनहनकनक्षार्थचलित्य

॥ मनादि सर्व ॥ जहा महा वाज्र व ह्य ॥ सर्वदं पलावन हहाया ॥
हमालादि सर्व ॥ जहा उला कनाथ ॥ श्री महा देव तु माया च व ह्य कम
ल माका टि ॥ सा सुगोप ॥ माहा ॥ जहा पर्वत वाज्र तु मा विपु डि
नेहम ह्य मिखा उव ह्य म उा किया यह क न्या देखि ह न सं तु ह्य ह्यो
क न्या दान द हा ॥ हमा ॥ जहा उला कनाथ गुरु का क पा लो ऊ ॥ हमा
॥ जहा उला कनाथ यहा सन मा विऊ की ऊ ॥ माहा ॥ जपर्वत वाज्र ज
व ह्य ॥ सर्व लिहा य विहमा ॥ हमा ॥ जहा मं डि ॥ मं डि दं हहा य मं डि ॥

अहो महाबाहुका अग्रे हात हैं हम बाध दाम ॥ **हमा** ॥ अहो मंदि
विसेन ऊ किषवा लायी जारु ॥ **वृद्धि** **मन** ॥ अहो महाबाहु अवध ॥
निहाय ॥ **मध्व** ॥ **गपना** ॥ अहो ऊ किषरु मया हां जा ॥ **यश** ॥ **निहाय** ऊ
सविभम ॥ **धन** ऊ किषडा निप ॥ **प्रकां** ॥ **जाकि** ॥ अहो जन वन्द अवह
मह मा लका निकट जा रहें ॥ **द्विकां** ॥ अहो जन वन्द अवह सुसिध जा रहें ॥ **मध्व** ऊ **म** ॥ **वृद्धि** ॥ अहो मंदि स्वस्ति का अग्रे हात हैं ॥ **वृद्धि** ॥ अ
हो ऊ किष मा हा बाहु के संग विऊ ॥ **ऊकि** ॥ अहो मंदि अवध ॥ **नापं** **ह**

हाय मध्य ॥ बुद्धि ॥ अहं माहा नाज ऊ निषवाला ०० आयप हूच ॥ ह
मा ॥ अहं मं डि अ व ६ ध रु म विवाह का स ना ऊ म ल कं आ हा ॥ मं डि ॥ अ
हं माहा नाज अ व ६ ध ॥ मं डि लि स्व या ॥ मं डि ॥ अहं ऊ न व न्द अ व ह म स
ना ऊ म ल न कं ऊ क हं ॥ ऊ डी म ह हा य वि ६ म म ॥ ह मा ॥ अहं ऊ निष
य ह कं न्या दान काल ग न द खि य ॥ ऊ निष ॥ अहं माहा नाज अ व ६ ध
॥ थ न न्या ष चा या डी स्व य खिं ॥ ऊ नि ॥ अहं माहा नाज व ६ ध ष ६ क र
रिया व हू अ ऊ ह क वि य ॥ ह मा ॥ अहं या निषि अ व ६ ध रु म या

ह आधिक न हिय ॥ **कानि ॥** अहं सैल नाऊ अ व ॥ **हहाय नापं**
विष्मम ॥ धन मंदि दं हहाय ॥ **मंदि ॥** अहं माहा नाऊ य ह स नाऊ म
लीऊ ॥ **हमा ॥** अहं मंदि अ व ॥ **मय हां आ ॥** के न हिय ॥ **बुधि**
॥ अहं माहा नाऊ अ व ॥ **नापं विष्मम ॥** **हमा ॥** अहं माहा विन ॥ **मा**
हावी न दं हहाय ॥ **माहावीन ॥** अहं माहा नाऊ का अ ग्ग हा न हं हमा वि
प ॥ **हमा ॥** अहं माहावीन गु म जा यिके श्री हि न लो क वा ला यि
के अ ह ॥ **माहा ॥** अहं माहा नाऊ अ व ॥ **हहाय ॥** **माहा ॥** अहं ऊ न व

नृश्वरमप्राहिरुवात्ताउनजाकहं॥ छकिपनंतां॥ थननाचदहृगुप्रा
हिरुदासमहिरुजातातामंदितांमिपं॥ प्रकां॥ माहा॥ नृहादिऊवाऊप्रा
हिरुादिसुवहिमनाऊकेनिकटविऊकीऊ॥ प्राहिरुादिसर्व॥ नृहाम
हाविनमंदिनृवहृजायचलिय॥ दिकां॥ प्राहिरुादि॥ नृहामाहा
वीनमंदिमिषुजायचलिय॥ माहा॥ नृहादिऊवाऊप्राहिरुादिनृव
हृविऊकीऊ॥ म॥ माहा॥ नृहामाहावाऊप्राहिरुवात्तायकननृ
यप्रहृचहृमानिषधम॥ हंमा॥ नृहामाहावीननृवहृ॥ प्राहिरुादि॥ नृ

नकविया ॥ हं मालादिदं हं हाय प्राहिरुदं हं हाय सर्वविष्णु म ॥ प्राहि ॥
 नृहा सेल नाऊय हं संकलपक विथ ॥ हं माल ॥ नृहा प्राहिरु नृव हं ॥ हं
 मा ॥ नृहा प्राहिरुय हं आच मनली ऊ ॥ प्राह ॥ नृहा पं ववरु नाऊ नृव हं
 ॥ आच मनया क ॥ हं मा ॥ नृहा प्राहिरुय हं वधि ली ऊ ॥ प्राहिरु ॥ नृहा प
 नवरु नाऊय हं स नाजा म सा विधिकी ऊ ॥ प्राहिरु ॥ नृहा प नवरु नाऊ नृ
 व हं ॥ धनयगपया क म ॥ ॥ नाग ॥ मंगल ॥ नृ ॥ यगप क नृ म वरु सा
 ॥ प्राहिरु ॥ नृहा सेल नाऊ नृव कं न्यादान दीन को लगन ह्यी ये हं दीन

धनापाककवायीया॥**हमा॥** अहा प्राहित ज्ववध॥**हमा॥** अयी प
ययहहीनधवापाककवि॥**मना॥** अहा अमि ज्ववध॥**ऊलधना**
आहावा॥ हमा॥ अहा पुष्टि रुमाविकनदहा॥**पाववदि॥** अहा पिना अ
वध॥**आहि॥** अहा सेल नाऊऊमाहाका आचमनदीऊ॥**हमा॥** अहा
प्राहित ज्ववध॥**हमा॥** अहा ऊमाहाऊला कनाथयह आचमनली
ऊ॥**माहादेव॥** अहा गिपिपदि ज्ववध॥**आचमन विठाहावा॥ आहित**
॥ अहा सेल नाऊयहम धूपकदीऊ॥**हमा॥** अहा प्राहित ज्ववध॥**ह**

मा॥ जहाजामा छिडे लाक्क नाथयह मधुपर्क लीऊ॥ माहा॥ जहागिनि
पनि ज्वे ६४॥ मधुपर्क विडा हाव॥ प्राहि॥ जहा सेल नाऊ पाव वरि कि
हंस्त लेकें कन्यादान श्री माहा देव का शिऊ॥ हमा॥ जहा प्राहिरु ज्व
६४॥ पाव वरि या लाह रुऊ नाडा॥ हमा॥ जहाजामा छि लमडा चाव ध
क विय॥ नावद॥ जहागिनि पनि आदि देव का लमड नाहि माहा पिना न
हि रुमहि किम रुक विय कन्यादान क विय॥ प्राहिरु सर्व॥ जहादिज
नाऊ नावद धन्य २ रुमा॥ प्राहिरु नवाळ याक॥ जहाद्यादि ६० मा पा

नवहिसंगप क. कंन्या श्रीमाहादेवाय पत्निस्त्वनरुपमहंसप्रदद ॥ ^{हमा} अ
हाउला कनाथयह दानपनिष्ठा लीऊ ॥ माहा ॥ अहा समुच हमा ल
अव ६५ ॥ दानपनिविय ॥ हमा ॥ अहा जामागडला कनाथयह कंन्या
काकुल विवाह नसां पनिपालक विहमका दया कच दीऊ ॥ माहा ॥ अ
हा मैल नाऊयह धंदा मरु कविया ॥ हमा ॥ अहा जामागा अव ६५ ॥ आ
हिना ॥ अहा हिमनाऊ अव पृथ्वी कविय ॥ हमा ॥ अहा पाहिम अव ६५ ॥
पृथ्वी या कहा पायागुं ॥ आहिना ॥ अहा हिमनाऊ अव कौडक विय ॥ ह

मा॥ जूहा प्राहिरु जूव वध॥ **काठया कद्वपाया गुं॥ प्राहिरु॥** जूहा हिमना
जय रुषे ॥ दली ऊं॥ **हमा॥** जूहा प्राहिरु जूव वध॥ **श्रीही वा दहा पाया**
गुं॥ हमा॥ जूहा प्राहिरु यरु दकि ॥ दली ऊं॥ **प्राहि॥** जूहा हिमना ऊज
वध॥ **दा कुरु विया॥ प्राहिरु॥** जूहा हिमना ऊरुमा निषा विवा रायि
यरु कन्या साय लाऊन काही कुरुमा निषा विवा सजिन रुहमलाक
जा कह॥ **हमा॥** जूहा प्राहिरु सब जूव वध विऊ की ऊरुमा निषा म॥
प्राहिरु॥ जूहा रुगुलाक सब जूव रुहमलाक वा मस्थान जाय चलिय

यवेनमः॥ **पाव॥** नृहा स्वामिठुला कनाथ श्री माहा विष्णु का कपासां
 श्री स्वस्थानिकी उपाये नृ नृग्रह मां मविमना नथ पूर्व हयी नृवहम
 नृवला प्रनदया कवी शर्कें **माहा॥** नृयिकों हि पावे वनिरु मेधं द
 मनिक विथ **॥ माहा॥** नृहा स सून नृवहमला कर्कला सजा नहं वि
 दादिऊ **॥ हमा॥** नृहा ठुला कनाथ रुवानि हं कन नृवहम पूजा कनर
 हं **॥ माहा॥** नृहा स्व सून नृवहम **॥ हमा मना मं दिन पूजा या कलाहा॥**
इलाक॥ नमा सु न माहा माये हं कनाय नमानमः॥ नमा सु नृग गत्या का
 हि वाय स न नमः॥ ठुला कवा पक हं ठुला कऊ ननी स्वयं॥

हमा नी प्रभा न

सर्वं लिहाय कवि नमो भद्रं सनातनं हरे ॥ सर्वं परिशुद्धं न देहि मित्रं परिशुद्धं माहात्म्यं चार्थात्तज्जोतिषं ह मदिदं
परिशुद्धं नमो भद्रं सनातनं हरे ॥ सर्वं परिशुद्धं न देहि मित्रं परिशुद्धं माहात्म्यं चार्थात्तज्जोतिषं ह मदिदं

श्रीनिर्हंकवत्स्वरूपाय गणेशाय नमः ॥ ॥ ॥ ॥

सर्वा ॥ जहादलाकनाथजवहमकापापनाहाकविआरुकोरुजना
हृदयमुषाफकविदीप्त ॥ **महा** ॥ जहागिनिनाऊरुमावाहकिराव
होहमसुकरुयाकुमावायिआपृथरायीजवहमजाकरु ॥ **सर्वा** ॥ ज
हादलाकनाथरुवानीर्हंकवत्स्वरूपविऊकीऊहमावाकोटि
साकुंगप्रक्षम ॥ **महा** ॥ जयीपृथपात्रवहिरुवहमलाकनिऊ
वासजायचलिय ॥ **पावा** ॥ जहास्वामिर्हलाकनाथजवहमविऊ

हम नहा मंथिय जहालकभाह ॥ मंथि ॥ जहामाहा नाज भवज्ज ॥ चको लंका किमि
जना शाक निप ॥ मधि ॥ मंथि ॥ जहामाहा नाज गक नाजली ज ॥ हम नहा मंथि
नव ॥ यही जहायीकवहिय ॥ मंथि ॥ जहामाहा नाज भवज्ज नामवा ॥ हम नहा मंथि

श्रीनिर्हंकवत्स्वरूपाय गणेशाय नमः ॥ ॥ ॥ ॥
जहादलाकनाथजवहमकापापनाहाकविआरुकोरुजना
हृदयमुषाफकविदीप्त ॥ महा ॥ जहागिनिनाऊरुमावाहकिराव
होहमसुकरुयाकुमावायिआपृथरायीजवहमजाकरु ॥ सर्वा ॥ ज
हादलाकनाथरुवानीर्हंकवत्स्वरूपविऊकीऊहमावाकोटि
साकुंगप्रक्षम ॥ महा ॥ जयीपृथपात्रवहिरुवहमलाकनिऊ
वासजायचलिय ॥ पावा ॥ जहास्वामिर्हलाकनाथजवहमविऊ
हम नहा मंथिय जहालकभाह ॥ मंथि ॥ जहामाहा नाज भवज्ज ॥ चको लंका किमि
जना शाक निप ॥ मधि ॥ मंथि ॥ जहामाहा नाज गक नाजली ज ॥ हम नहा मंथि
नव ॥ यही जहायीकवहिय ॥ मंथि ॥ जहामाहा नाज भवज्ज नामवा ॥ हम नहा मंथि

पुनर्वसु पञ्चमि २५

की॥ **॥ धनमहादेवपाववकिस्ममवृशम ॥ ॥ वागा ॥ वलाशा ॥ प्र ॥**
रुयचलापाववकिस्ममवृगिपिपवनिऊवृत्तआसनआऊ ॥ मन
भासवसुकविधीरधोदेमनमनिहासि २ आऊ ॥ आधापनिनिऊक
नआसनआऊ ॥ १ ॥ रावेसवदविक्रमसाहनिस्दिनमनववित्र
ऊ ॥ निऊकूलवासवउरुनृषिकआऊरुगरुकेचानृपयनथनिस्
दिनदेकेआऊ ॥ २ ॥ **प्रकां ॥ उं ॥ दिकां ॥ पाव ॥ नृहो ॥ वामि ॥ वलाव**
नाथ ॥ सिधु ॥ विऊकी ॥ हमा ॥ अथीपृयादिगहसवअवहमना

कथं वदन्ति

कपुडि कीसमाचा नवु फिके यनवका रुजना कन ह्रको जाय चलिये
॥ सती ॥ अहा गि विनाज नव वष विऊकी ऊ ॥ सर्वदा ॥ ॐ ॥ वव रुज नाडां
हथु मे ॥ ॥ नागा ॥ व्याहाग ना ॥ ली ॥ पृथ चला ॥ ॐ ॥ वव रुज न कय ॥
प्रकांटे ॥ ॥ द्विकां ॥ सर्वा ॥ अहा गि विनाज सिधु विऊकी ऊ ॥ ॥ हमा ॥ अया
पया दिगदा सुव नव वष जाय चलिये ॥ सर्वदा ॥ लू ॥ ॥ माहा
पावव नि ॥ ॥ ॥ प्रकांटे ॥ ॥ मल्लमाहा ॥ अया पृथ पावव नि
हमला क ह म नू शाय प ह चै ऊ धं य क वि ह म म क न रु ह ॥ पाय ॥

जा विषय ॥ ॥ ॥ ॥ वष तमन जा क कृपय मरुत

卷之六

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दखि भवमन अकिचं चल रुया भाल हृगुन न निय ॥ उहो ॥ अ
हास्वामि चिनु आरु को ०० ओली ऊ ॥ माहा वाकि हृगुन यह धुम ॥
॥ वाग ॥ पुरु ॥ ले ॥ सेन सुन पा ध पा ना ख ले ॥ अ यो पृथग्मे नि
गंगा रुमा यी न कि न स सा संकुत रुया ॥ उहो ॥ अहास्वामि अवरु मायी
विनामि सुनिऊ ॥ माहा ॥ अ यो पृथो रुम कहिय ॥ गंग वग्मे या कि हं
मवभा ॥ ॥ वाग ॥ व्यागत्रा ॥ चो ॥ सुन २ पा ध प कि च व ध म वि
न कि न्प ना ठ क्षे मा क नि दी ह ॥ नू हा ति ह म प न द या दान क विय

सुन २ पा ध म

अहिनसकविथे प्रदि. प्रहस्वामि पित्रहि अहिकविथे ॥ अहिव
वाननसमनहिगधनहिहमप्रवत्तुडिष्टिकविथे ॥ १॥ सवत्तुविक
मसाहनृपगधगधवत्तुवलाहमप्रवकीयाकथा. प्रहस्वामि पित्रहि अ
हिकविथे ॥ २॥ **उहो ॥** अहा स्वामी अहम अहलापन अहनाहमा
कीऊ ॥ **माहा ॥** अयाष्टयोरुमध्वंदा मरु कविथे ॥ अहम लोक आन
दसां विष्णुमकनरुहं ॥ **उहो ॥** अहा स्वामी अहवध्वविष्णुमकीऊ ॥ स
^{पवित्रं उहो नैदितं गि के लास अहि पं. पवित्रं उहो माहा उपनिषद्}
र्वे विष्णुम ॥ यनगम रुकये ॥ ग. हा हा कुमान अहलाकावडा विष्णुमा ॥ गम
सरिवडा हृदिपं ॥ म. च उहो ॥ अहा स्वाचिहमात्रिप्र लाम ॥ माहा ॥ अयासविष्टतां
आकनहिय ॥ स. ॥ अहा

४०
कुलिकाय ॥ माहा ॥ अहा पृथुगहह कृमा नरु मलोक नय हस मत्र
रु मन को नक यउ सको व न दान द न हं ॥ कृमा व ॥ अहा पिना जव
हमा विप्र हाम ॥ कृमा नदं ॥ कृमा व ॥ अहा जन व न्द जव ह म पिना
हमी मोहा दव को आ ग्मा सो म मत्र रु मन क न ह जा न हं ॥ कृमा नदं ॥
॥ गहह दं ऊ ठो हा म ठो गहह ॥ अहा आ स न मा ख रु मो वा स नी व स
ऊ ह मा यो उ द न ल व ह म स मत्र रु मन के सा क य ॥ कृमा ॥ अहा ह
मि हमी गहह स चिं रु ना का हं जो हां गे वि गं ग म वि वि ना ऊ ठो हि ह स

भनूकनिर्विकिकद्वननकनिलीऊ॥ग॥॥अहाआख्अवध
॥ग॥॥हाहलथडमामहं॥वचचाकडली॥ग॥॥अहामातापितादुमा
याचनक्षकुमलमाकाठिरदंदवरुसस्तुंगपत्तमा॥महा॥अहापुग
हाहारुमसांअघाविकुमानआउनेलगभरुमकाहनहिगथ॥ग॥॥
अहामातापिताजाहाआरुलाकवरुमाहाडाहिसुमनरुपवरुसमन
नहि॥माहा॥अहापुगहाहाधन्यरुमऊथार्थकथाअवरुमऊथ
कमसुर्मंदलकाविघ्नहानकनिपुजालकनहिया॥ग॥॥अहामाता

पिना न्व इध ह मा नो प्र धम म ॥ गङ्गा ॥ लिखक ॥ गङ्गा ॥ नृहा नृहासन
नृषु न्व श्री माहादेव का गङ्गा मा म मूर्म मंदल जाय चलिये ॥ निचु
॥ नृहा स्वामि न्व इध विऊ की ऊ ॥ छुनि प्र नं डा ॥ पा न ॥ नृहा स्वामि मय
पुहु को का गति ॥ महा ॥ नृया पृथ पा न व नि रु मा नी पुहु को न्व इध व न
दरु हं रु म न स्वस्था नि व रु के नि य रु वं ध न रु ॥ पा न ॥ नृहा स्वामि न्व
इध ॥ पा न दं ऊ डा रु हा य वि श्राम ॥ पा न ॥ नृहा जन वृन्द न्व इध ह म श्री
स्वस्था नि व रु क न रु हं ॥ थन स्वस्था नि व रु या क ह थु म ॥ ॥ नागा ॥

स्वस्थानिदुवि १७

श्री॥ चो॥ स्वस्थानिदुविकल्पप्रकाविधिवर॥ ~~श्री~~ क॥ ज्ञापायागं॥
नूनीनीस्वस्थानिदुविमनिमनानेथपुर्णकविदीऊ॥ ~~थन~~ प्रह्लादका
नावहहाया॥ पावा॥ अहा॥ मिथरुषह्लादलीऊ॥ माहा॥ अयीपु
यनूवह्ला॥ प्रह्लादवियेनापंविह्लाम॥ ~~थन~~ कुमारगारिपं॥ प्रका॥ अ
हाऊनहृन्दअवरुमपिनाकानिकटऊरहं॥ ~~दिकां~~॥ अहाऊनहृन्द
अवरुमसिधुऊरहं॥ ~~मह्य~~॥ अहामातापिनाहमभिससुतागप्रह्लाम॥
माहा॥ अहा॥ प्रह्लादमयाहायाकैवहिया॥ ~~कुमान~~॥ अहामातापिना

नकविजायविजगद्भवमिलिजुयचलिय ॥१॥ हं हं सूत्रविक्रमसा
हृदवगुधगमवेकाजकामपुनक्षकवृक्षां ॥ द्विकों ॥ अहाजनवृन्दअव
हमसिधुजानहं ॥ इडों ॥ माहा ॥ अयीपुयअवहमलाकआनन्दसा
पुष्टकासमाधानवृमिकवयहिंनरुहं ॥ गेविगंगा ॥ अहावमि
डिलाकनाथअववधनहिऊ ॥ सर्वपविक्रपंडडों ॥ लू ॥ थनवसा ०० डा
दिडपविपिडाविहममा ॥ व ॥ अहादेवादिसवहमलाकनछीमाहा
देवकादनसनकनधसूमत्रमाजायचलिय ॥ ०० डादि ॥ अहापिक

आहि २ लाडाकसाहि २ पुनलहावनसेभक
विममननेरुपिकाजकेपुनलकयगाऊ ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ कीं ॥ सर्वदेकेनाम ॥ ॥ याग ॥ काहि ॥ ॥ धीवहमजाय ॥
प्रकांठ ॥ दिकासर्व ॥ नृशुद्धेला कनाथ सिधुविऊकीऊ ॥ इडा ॥ ल ॥
थनग ॥ दहाडा ॥ निप ॥ प्रकांठिको ॥ मध्य ॥ ग ॥ नृशुद्धेला नृवहम
मर्ममंदल आयपुह्वेऊदयेक विभामकवनेह ॥ विहभम ॥ थन
कुमावडा ॥ निपनडा ॥ मध्य ॥ कुमाना ॥ नृशुद्धेला नृवहमावि
प्रहाम ॥ ग ॥ नृशुद्धेला नृवहमायिकवहिय ॥ कुमाना ॥ नृशुद्धेला
दनाथनृवहमा ॥ नार्प विहभम ॥ ग ॥ नृशुद्धेला नृवहमला ककार्य

नंदि तिमि उपसिं २

३ अहानदि रति ॥ उलोद ॥ गहा स्वाभिरुमा विमु ॥ म

सिद्धिकावहयहिं नरुहं ॥ **कूमा** ॥ अहसिद्धिविनायकज्वहधवहिय
॥ **निष्कंपवि कृपंडडा** ॥ ल ४ ॥ **धनमोहादवादि केला सडा हथूमा** ॥
॥ **बाग ॥ कारि ॥ प्र ॥ धी बरुम जाय ॥ प्रका ॥ दिकोडा ॥ मधमाहा** ॥
अयी पयादिगहसव अवरुमेला ककेला सजाय पइ चकु धयक
विष्ममकवरुहं ॥ **सर्वी** ॥ अहोला कनाथ अवरुध विष्ममकी ऊ ॥ **स**
र्वी विष्मम ॥ बुक्का ॥ अहादवादि ॥ बुक्का ०० दं हहाय ॥ बुक्का ॥ अहाभीम
हादवहमा नारुप हंग ०० आदिका अमानरु गगनी अहवनायका

२॥ अहमजाय ८९

॥ अहमजाय ८९ ॥ अहमजाय ८९ ॥ अहमजाय ८९ ॥ अहमजाय ८९ ॥ अहमजाय ८९ ॥

दिने जेही रुजी रुकिया साजानी रुमला ककोन जाक विदीऊ ॥ माहा ॥ ज
हाव सादि रुमला क र्वदा मरु कविथ विजादि जा निष सववाला ००
क व व सया मल न प्र प्र क वा ०० य ॥ ०० रु ॥ अहाई ला क नाथ
ज व ०० ०० रु व साद व सा लि हा था वि ०० म ०० रु ह हा य ०० रु ॥ अहा
विजादि जा निष रुमला क य हा ०० य ०० रु लि हा य वि ०० म ॥ थ
न विजादि जा निष न म ल स र्व ॥ अहाई ला क नाथ रुमा वि प्र ०० म
का जा ग म हा रु ॥ माहा ॥ अहा विजादि ज व सया म प्र प्र क विथ ॥ रु

॥ जहाउं लाक्कनाथयहल गनकननव हुमज्ज सलहं ॥ माहा ॥ जहावि
 कादिज्ववधुमलाकनहिय ॥ सर्व ॥ जहाउं लाक्कनाथ ज्ववध ॥ ऊँ
 मविष्म ॥ माहा ॥ जहादेवादिज्ववहमा वासकुपूजाकनिय ॥ सर्व
 ॥ जहाउं लाक्कनाथज्ववध ॥ माहा ॥ जहादेवादिज्ववसंवविधनहा
 यिकनहहं ॥ सर्व ॥ जहाउं लाक्कनाथज्ववधनहिया ॥ सर्वपविष्म
 ॥ लज्ज ॥ आवनि ॥ ॥ ॐ मिह्रीलिंगपुनाधदिनानासाकुसं
 ग्रहस्वस्थानिपाख्यानकोरुकनोटकनववमोक ॥ ॥ श्रीजयनदी
 नाग ॥ नामकनि ॥ स्व ॥

चैदिना ८६ वरनिमूदन ६ नदीजीय ॥ नटनसिद्धिवरकवियग्रनुहि वड
विरुविघ्नघातिनी ॥ रुनयरुगतिनमनामनेपुनक्षकवियकवियेयत्व
विरुहिजाऊन ॥ १॥ जेवत्तानेनपनकविय ६ रुगतिज्जिवमखिकवि
य ॥ नपयगमधुसूतुनपनिमहिटिववरुमेदीजीय ॥ २॥ गहाम
कृमात्रउपविंपिआविहमम ॥ गह ॥ जहाशासनआधुज्जुनकृमात्रआ
हमय्य २ ज्वहमकोविनी खवनसापिनाकासंगमरुयावरुयायहजद
हहह ॥ निरु ॥ जहास्वामिहमकोयकनसममनादहह ॥ गह ॥ जहा

आषुवव ६५॥ **मिच्छुं** **उं** **सिं** ॥ ग ॥ अहा अरुजकुमान अवरुम लोक
 आखकासमाचात्रवृमियहि नरुहं ॥ **कुमान** ॥ अहायुजुवव ६५॥ **पवि**
उपंडु ॥ ल १॥ ॥ **थनमहादेवादिउपविंपिउमाहा** ॥ अहादेवादिज
 वसकुलकं नृधमं लकं नृधमयमरुयावहायियं ॥ **सुर्व** ॥ अहादेला
 कनाथसुसुगं गहं कं नृहा ॥ **माहा** ॥ अहानावदनुमकायकगहं कमा
 नवाला ०० आहा ॥ **नावदा** ॥ अहादेला कनाथ अवरुव ६५॥ **नावदासदं**
नावदा ॥ अहादास अवरुम लोकमर्गमंदलजायचलिय ॥ **दासा** ॥ अ

हादिऊनाऊन वष विऊकीऊ ॥ **छुनिपनैडा ॥** माहा ॥ अहा देवादिना
दका समाचा नवु मिय हि नरुह ॥ **सर्व ॥** अहा देला कनाथ नव वष ॥
पविऊपं सर्व डडा ॥ ल २ ॥ ॥ **थन गध सकुमा नव डप विं पिडा ॥** थन ना
नव डडा **छुनिपं मध्य ॥** ना नव ॥ अहा गध नाथ केला म विऊकीऊ ॥ **गध कु**
मा न ॥ अहा ना नव वष ॥ **गध कुमा नव डडा ॥** अहा ना नव केला सका
य चलिये ॥ **ना नव ॥** अहा गध नाथ नव वष विऊकीऊ ॥ **छुनिपनैडा ॥**
ल ३ ॥ माहा देवादि डप विं पिडा ॥ **थन गध डडा निपं ॥** मध्य ॥ **गध कुमा**

नादि॥ अहाठलाकनाथहमायापक्षम॥ माहा॥ अहापूजादियहांआ
 ठं० कं व हिये॥ ग॥ अहाठलाकनाथअवध॥ सर्वनापं विष्णुमा॥
 माहा॥ अथापुयगमेविगंगे॥ विआदिमुमलोकयहिं न हिये हमलाक
 रुधक न हाको जा रहें॥ विआदिगंगे॥ अहाठलाकनाथअव
 धहमाविषक्षम॥ माहा॥ अहापूजगह॥ दि सव अव हमलाक साव
 धानहायीकं ससु अकुलकं संगाम जाय चलिये॥ सर्व॥ अहाठला
 कनाथअवध विऊकीऊ॥ सर्वदंरुद्रयाऊं म॥ ॥ वाग॥ स्वय

नमो भगवते वासुदेवाय

३
था॥**ख॥** चलिय हासवगद्य इव जनसवके धनजनसवल मिखावे॥
धीनरक्षनिजगद्यसवमिलिसनवीनरयकवजाय॥१॥ सनद्वि
क्रमसाहदेवगद्यराननिजनीनधनुलियजाय॥**छलवलकेविक**
सननसहपि२ न्विगद्यसवहिकदाय॥२॥**प्रकांडा॥दिकोंसर्व॥** न
हाउलाकनाथसिधुविऊकीऊ॥**माहा॥** नहापूजादिसवनवहधजा
यचलिय॥**इडा॥नानद॥** नहादामलाकनवहमलाकरुमनकन
जायचलिय॥**दासा॥** नहादिजनाऊनवहधविऊकीऊ॥**नानददाम**

दं च निपनं शोपाववनि ॥ अनीनीसहचनिविष्यादिसव श्रीकेलाक
नाथकास्माचाववमियहिनेरुहं ॥ सर्व ॥ अनीनीगमनीदवीजव
॥ सर्व ॥ सर्व ॥ ल ४ ॥ नावकादिउपविपिडा ॥ नावदडाचक्रिपनं ॥ म
॥ नावद ॥ अहामानकासुन ॥ नावद ॥ हहायनावा ॥ अहादिजना
ऊकाआगमहामहंरुमाविषधमा ॥ नावद ॥ अहादनुऊडगहाहाक
मावदलसुखिहायीवधसंयामरुयावहायिकेआयोभाजानिरुम
सावकानहायीकवहियरुमजाकहं सर्वरुसुहादयासु ॥ नावा ॥ अ

हाम्निनाज्ज्वल्यमप्राप्तम ॥ नानदहृहायमावलिहायमान
विष्णुम ॥ नानद ॥ अहादाम्ज्वल्यमप्राप्तम ॥ दामा ॥ अहा
दिज्जनाज्ज्वल्यमप्राप्तम ॥ अदिपनंता ॥ थनध्वंताहायि ॥ दुता
॥ नाना ॥ अहापुयादियहज्वल्यमप्राप्तम ॥ नाना ॥ अहामंदिनुमजायकप
नरहं ॥ सर्व ॥ अहादनृज्ज्वल्यमप्राप्तम ॥ नाना ॥ अहामंदिनुमजायकप
मानवाला ॥ ०० ॥ कंखदिल्लाकवालायिकनआह ॥ चर्चि ॥ अहादनृज्ज्व
ल्यमप्राप्तम ॥ चर्चिदंहृहाय ॥ चर्चि ॥ अहाप्रमानध्वमवज्जिनुमेयाहा

धीयः॥ ऊठास विष्णुम॥ धनप्रमानडा हांखिं॥ प्रमान॥ अहमंठि
 काआगफा हां हं हमाया प्रधम॥ चर्चि॥ अहाप्रमानधमवजिहा
 नवनाजकाआगफा हां खड्गिलाकवांला ॐ० कसफपा मालकाद
 म्पयाऊमववांला ॐ० देह॥ प्रमान॥ अहमंठि अवेध॥ मंदि॥ ऊठास
 विष्णुम॥ प्रमानहहाय॥ प्रमाननसलकुप्रमा॥ अहाखड्गिलाकदहि
 सिचामहिमिंचारुमयाहां आयियआयिय॥ लिहायदलपामविष्णु
 म॥ धनवायनिलमडाम॥ ॥ नागा॥ केहा॥ वा॥ दनवानचलाभाईअ

बहुरूपरु ॥ हुकुममानिकैरुविगुजाय न वाऊकासंउम कन ॥ १॥
 नृपवेनहाखिरुगुनिकजनका क नमउम ॥ निऊवाकालिकमनन
 सुरुविश्रवाजाकन ॥ २॥ **पकांदहिसिं ॥** अहाहा ०० महिसिचाअ
 वहमलाकदानववाऊकानिक उजायचालिय ॥ **सुहिसिं ॥** अहाव
 यसायिदहिसिंचाअवहधजायचालिय ॥ **दिकं मरुसिं ॥** अहादा
 रुदहिसिंचासिधुजायचालिय ॥ **दहिसिं ॥** अहाहायीमहिसिंचा
 अवहधजायचालिय ॥ **मध्वउम ॥** अहाप्रमानक्यात्राग्याहाकहह

मानिषदाम॥ प्रमान॥ अहादहि सिंचामहि सिंचा दानव नाऊ का
आगम सा प्रजाला कवाला ॐ हा॥ उहा॥ अहा प्रमान अ व ४५॥ प्र
जाचाय क ख्याल मालका॥ उहा॥ अहा प्रमा प्रजाला कवाला ॐ अ
याहं॥ प्रमान॥ अहा खडिला कदहि सिंचामहि सिंचा अ व ४५॥ प्र
मान दह हाय प्रमान॥ अहा मंडि दानव नाऊ का आगम सा प्रजाला
कवाला या दयाहं॥ चर्चि॥ अहा प्रमान यह मूज निल कजाह॥
प्रमान॥ अहा मंडि अ व ४५॥ खर्च विय प्रमान॥ अहा मंडि हमा नि

पक्षमन्त्रवहमज्ञानहं॥ लिख्यप्रमान॥ अहारखडिलाकयहम्
ऊविलकैआह॥ उहो॥ अहाप्रमानअवह॥ खर्चवियप्रमान॥ अ
हारखडिलाकअवहमलोकायचलिय॥ उहो॥ अहाप्रमानह
वजिअवहजायचलिय॥ ^{पुनरादगले} अहिपुनं॥ थनकाखडाहाविं॥ मा
ना॥ अयापुयादिसवरुमलोकायहिअहिय॥ सूर्यकांमा॥ अहा
हमिअवहमाविप्रक्षम॥ देवगधदंजडासुहृहायविभाम
॥ सूर्यादिपविंडुडा॥ थनमाहादवादेशासाकैमध्यकडासुहृ

क॥ माहादेवादि सर्व॥ अथ पापि तु मल्लो कका हाजा वै निष्ठ॥
मात्रकादि॥ अथ इव द्वि तु मल्लो कका हाजा वै निष्ठ॥ चकार ललि
यदेव गद्य ऊव स दे म्प गद्य खडा सा॥ थन म हा देव॥ अहा पूजादि
गद्य स वरु मल्लो कसा व धन हायिके रुद्र कविथ ह मल्लो क सेना
पनि हा वू के व ह न ह॥ कृमात्र॥ अहा पिना अ व स्य॥ माहा॥ अहा
पुग गद्य हा अ व ह मल्लो क सेना पनि हायिक व व ह न ह॥ थन न न्दि ह
गि॥ अहा पिना अ व स्य॥ प म्प ऊडा स विष्म मा॥ कृमात्र॥ अहा व न

[illegible]

वे॥ **कृमा॥** अहाद वो हली रुयी या हां आयी कन व हिया॥ **ऊम००**
हान॥ अहा खान मारु अवे ६५॥ **नापं वि० भम॥** **कृमान॥** अहा ऊम क
 व नरु म ला क सा व धान हा यिक नरु क क विये॥ **ऊम क व न दं उ**
हा॥ अहा खन व क अवे ६५॥ **नाव॥** अहा मं छि ला क रु म सा व धान
 हा यिक नरु क क विये॥ **मं छि दं उ हा॥** अहा द नु ऊ न्द्र अवे ६५॥ **निप**
हं ह हा य॥ व न दान बा ध म रु म ला क रु मा ना रु क म प ना स ग द म
 हा व क न रं हं निरु २॥ **मं छि निरु॥** व न इ र्व द्वि दे वा ध म रु म ला क

कृमा ऊम

संहावकविजमपुविहंऊंगु निष्ठु॥ थनरुद्रवाजा मालका॥ मंठि
वधा॥ ऊमकूवन्नलिहाथेजमकूवन्न॥ अहोवनवक्र दानवलोका
संहाविकविआयेपहुचं॥ कुमा॥ अहादेवोहलीहयीयहंअ
यीवहिय॥ ऊमकूवा॥ अहाकूमानश्रवध॥ नापीविहभमा॥ कुमा
॥ अहादेवनाऊवायुहुमलोकासावधानहायिकनरुद्रकविय
॥ ॐ ठवायु॥ अहा ॐ ठवनेसूनुअवध॥ दंहुहाय॥ ज्ञान॥ अहाप
कुमपासुनपवनासूनुमसावधानहा ॐ कनरुद्रकविय॥ पवनम

घा॥ नृहापिना नृवक्ष॥ ॐ नृवायु॥ यत्र चो नृवर्जि विना पनाधमाह
मका निर्वोस किया का फल देखा डारुहं निष्ठ॥ पवनमघा॥ यत्र
पापि देवादि तु मला क का हा का वं निष्ठ॥ नृवाजा मालका॥ पव
नमघवधनं॥ ॐ नृवायु निहाय उहा॥ नृहा हा हस्त नृकुमात्रय
ह इष्ट दान वला क संहा व क नी शाय प ह चं॥ कुमार॥ नृहा देव नाज
वायु रुली रुयी य हां नृ ॐ के व हि थ॥ ॐ नृवायु॥ नृहा कुमार नृव
वक्ष॥ ह हा थ ना पं वि ह म म॥ मान दे ह हा म॥ मान॥ नृहा गुरु ना थ हा का

चा नय हां आ० दीऊं २॥ मान लिख य विआमा॥ थ न ह॥ क० कि पं डाम
व० व० य० हु० क॥ अ० हा० मान का सु० व॥ मान द० मान॥ अ० हा० गु० न० ना० थ० रु० मा० यी
च० न० ह० कमल मा० का० टि० २० द० द० व० क० सा० कु० ग० प० ह० म० म० न० ग० ह० स० व० ना० हा० हा०
ग० यी० म० न० का० न० का० क० वि० दी० ऊं॥ हु० क॥ अ० हा० द० न० ऊं० म० पु० ना० पु० र्व० मा० श्री० ऊं
ग० दी० ह० व० न० न० मृ० मृ० ऊं० य० म० उ० प्र० दान० क० यी० ह० म० का० दिया० अ० सा० हि० म० उ० न० न०
न० ग० ह० जि० उ० म० ०००० द० न० ह०॥ मान॥ अ० हा० गु० न० अ० व० ह० थ॥ हु० क० न० स्वा० न० क० हां० खिं
॥ हु० क॥ अ० हा० मान का सु० व० न० न० ग० ह० जि० उ० म० यी० क० र० व० ना० रु० या० ल० हा॥ मान॥

॥ नृहा गुरु नृव षष्ठ आरुया हां विना क्रिय ॥ ६५ ॥ नृहा नानका सव नृ
व षष्ठ ॥ नार्प विष्णुमा ॥ पुत्रु निस्त्री विष्णुमा ॥ कुमा वद ह हाय कुमाव ॥ नृ
हा पिना कुलाव नाथ मय का टि २ सा कुंग प षष्ठ मय रु पा पि ला क अ
सुव सव चर्च का प्रता प्र साना ॥ हा गयी ६५ ॥ नृया क मृग क क्रि ३ ॥ ००
क सरु सरु ॥ ६५ ॥ नृव न या न रु या नृव के स क व ॥ माहा ॥ नृहा
पुत्रु म धंदा म रु क वि थ रु म ज रु ने क व न हं ॥ कुमा ॥ नृहा पिना नृव
६५ ॥ नृमा विष ॥ ६५ ॥ कुमा वलि हा थ ॥ विष्णुमा ॥ माहा देव द ह हा य मा

॥ अहं संगपानरुद्रकुमयहं अहं यश ॥ लिहायविहममा ॥ संगपा
नकालसंगमठाचकालमध्यसंगपान ॥ अहं कुलाक्यनाथहमावीपक्ष
मक्याजाग्याहारहं ॥ अहं संगपानकालसंगमकुमयहं अहं वहा
कुमयहं अहं लासुककारुमावाससवमाधविकेलजायकैरुमज्जा
कासमावहिकैरुजवलदेकैरुहं अहं ॥ संग ॥ अहं कुलाक्यनाथअ
वध्यमवाप्रधम ॥ संगलिहवका ॥ संग ॥ अहं जनवृंदअवहमहमी
माहादेवकाजाग्यासिपपवकविकैरुहं ॥ वाजामालकोहकैरुहं

दुर्गा॥ माहादेव॥ अहो नन्दिहं गिरुमसावधाना यीकनयहन्नु
यसांरुद्रकविय॥ नदिनिमंदं हहायउहा॥ अहाकुलावकनाथश्री
माहादेवज्वहमायापधम॥ लिखका॥ हककु॥ ययन्नसुननवध
मनुमलोककाहाजावृनिष्ठ॥ नाय॥ अहापुरुमलोकसावधानहा
०० कनरुद्रकविय॥ मघपवनदं हहायउहा॥ अहापिनाज्वहमा
यापधम॥ लिखकहककु॥ ययइराचायमलोककाहाजावृनिष्ठ
॥ रुद्रवाजामालकोमघपवननिमंदं वध॥ नदिहं गिलिहायउहा॥ अ

हाउं कृनाथहमाशोपक्षमममसूत्रसंहायकजीआथपहच॥ माहाद
वा॥ अहानंदिरुंगिरुलीहयीयहांआयीकवहिय॥ नंदिरुगि॥ अह
उलाकनाथअवेक्ष॥ हहायनापंविष्मम॥ हावदंहहायहनक॥ व
पदनाचायपापिदेवासूत्रममपूजादिनासकियाकारुलंदखाडा
रहंरिष्ट॥ माहा॥ अहापूजकमावयहनसूत्रसांसावधनेहायि
कवरुद्रकविय॥ कूमावदंहहाय॥ कूमा॥ अहापिताउलाकनाथ
श्रीमाहादेवअवेक्षहमाशोपक्षम॥ लिमायहनक॥ ववइष्ट

सुनरदाहिमनखेमाहिहासैहायहा॥

धमिदानवाधसुसुमलाककाहाजावैरुचपुत्रादिकागहिकविक्रम
प्रविपथाडातहंमिष्ट॥ **रुद्रभा॥** ॥ **त्राग॥** **पहविषा॥** **ऊटि॥** **ग॥**
सुनरदाहिमनखेमाहिहासैहायहा॥ हादसवगधथेयारकनरु
कनरुवरुकापापिअ॥ हादगधमायदखिलहानृपवनरुहानहा॥ **थे**
यारकनरुऊमप्रविपथाडातहंमिष्टसंवगधमय॥ २॥ **मानवध॥** **कुमा**
नलिहायकुमान॥ अहापिताकुलाक्यनाथह्रीमाहादेवरुमावा
काटि॥ **साखांगपधमयहनुसुनसवनासहागयी॥** **माहा॥** **अ**

हा प्रह्लादः कुमारः मल्लिकार्जुनः देवलाकसाथलकसावधानः
यी कचः आहमकैलाजाः ॥ गहः दहहाय गहः कुमारः ॥ अ
हापिताकुलावनाथः श्रीमाहादेवः मानाप्रदा मन्त्रवैद्य विष्णुकी
ऊं ॥ माहादेव नन्दिरुंगिदं ॥ गहः कुमारः लिहाय ॥ माहादेवादिहहा
य गहः कुमारः विष्णुम ॥ महादेवः ॥ अहानन्दिरुंगिः अहमल्लो
ककैलाः माजायचलियः ॥ नन्दिरुंगिः ॥ अहाकुलावनाथः अ
वैद्य विष्णुकीऊं ॥ कृमिपनः ॥ गहः कुमारः ॥ अहादेवादिगहः स्व

नृवहमलाक केलास मा जाय चलिय ॥ ०३ ॥ आदि सर्वा ॥ नृधपय
 क्रमोग द्वाष्टा क्रमाव नृव द्यविज्ज किज्ज ॥ सर्वदे केलाष्टा मा ॥
 ॥ वागा ॥ काहि ॥ ३ ॥ धी नृहम जाय निज पुन आऊ ॥ निज ग द्य सव
 मिलि जाय चलिय ॥ सव ग द्य मिलि र्धावो ॥ १ ॥ सव द्य विक्रम साह
 नृप ग द्य ग ॥ र्ग ग र्को मन पुन द्य क ॥ २ ॥ ३ ॥ ३ ॥ दि को सर्वा ॥ नृ
 हा ग द्य द्वाष्टा क्रमाव सिधु विज्ज किज्ज ॥ ग द्य द्वाष्टा क्रमाव ॥ नृ हा देवादि नृव
 द्य जाय चलिय ॥ सर्व इ ॥ लू ॥ धन क डार व्या ल ध माल ॥ ३ ॥
 दत्त ना उप वि दे

विष्णु उक्त्वा

उवाच

॥ वाग ॥ स्वयं यथा ॥ वा ॥ विलनजायं च लाज हस्मि पवनश्रुता ॥ उदय
पुन ह कवीवगरुपि उदय ॥ १ ॥ नवपतिग ॥ यहा सावला कपयश
स ॥ हवग ह हृदय ममां स नृत्ति नखा च ॥ २ ॥ चकाल इडा ॥ ल ॥ थ
नमस्य कांता दिउप विपिडा ॥ विष्णु म ॥ सूर्य कांता ॥ अथी सखि सूर्य
मनिरा नुमनि देखा २ दव वा न गृह सव संत्य रुया पति विन का गति
हविश ॥ स्वसं हा सुक ॥ भ ॥ ॥ वाग ॥ प्रथमं कुलि ॥ ग ॥ हमा विक
वम नृत्ति गिनी श्रुत ॥ व्ययथ कु नम रुया का गति मनि भावि ॥ ह ह

न शिव ॥ १ ॥ रुम विनुषा धर्के मव खिभ वि ॥ स्रष्टु विक्रम सा ह नृपव
 न नाज ॥ २ ॥ कर्तुं ॐ दि ॥ मध्य सरथो ॥ श्री महा नाधि सूर्य का माय ह
 स नि सा च मा उ सि सं या ग वि या ग हा न ह ॥ आ रु का मन को धि ऊ कि ऊ
 ॥ सूर्य ॥ अ वि स खि य ह स सा च अ नि न्य ह मा या जाल न जि के ॐ ॐ ॐ
 रु ज ना क व ह को जा य च लि य ॥ सरथो ॥ श्री श्री महा नाधि नृ व ध वि
 ऊ कि ऊ ॥ ॐ ॐ ॐ व रु ज न या क डों म ॥ ॥ नाग ॥ काला ॥ च ॥ ॐ ॐ ॐ व के
 अ य न वि हा ग द रि आ स ॥ ह म य क र जी का हा ग ॐ न हि आ ज ॥ १ ॥ क म

ॐ
 नमो
 भू
 भू
 भू

हंगयकाहवहं पाक्षमास॥ स्रुवन्विक्रमसाहदेवगृहवाजा॥२॥ प्रकां
उं॥ द्विकं स्रुवो॥ अवीमीमहाया द्विसिषु विक्रमिऊं॥ सूर्यो॥ अवीमस्त्रि
अवधकायचलिये॥ सर्वडडां॥ लग्नं॥ धनपात्रवन्निगंगविख्यादिउप
विहपंपिडाविष्मम॥ ^{नारदसुतासि}थनमहादेवडा निपं॥ प्रकां द्विकं उं॥ मध्यस्रयहाव
नदिरुध्नि॥ अहिऊगरुमागारुमे विगंगाहमा विप्रक्षम॥ माहा॥ अवी
पृयादिसव॥ ^{नारदसुतासि}थनपात्रवन्नादि सर्वदेहहाया॥ विखिपात्रवन्नादि सर्वो॥
अहाउलाक्कनाथऊगादिष्वनहमा विप्रक्षमयहासनमा विज किऊ

माहा॥ अहागंगदिस्वववव॥ हहायमाहा॥ अहानन्दिहंगियहा
 यिकवहिय॥ नन्दिहंगि॥ अहाइलाक्कनाथववव॥ नन्दिहंगिह
 हायसर्वनापविष्ममा॥ थनकुमावादिडाहयुमा॥ ॥ नागा॥ काफि॥
 प्र॥ धीनहमजायनिऊपुनआऊ॥ प्रकांदिकांडा॥ मध्यस्वयहाव॥ कुमा
 वादिसर्व॥ अहाऊननीऊगदिस्वववहमाविषम॥ महा॥ अहापुजा
 दिदवादिगधस्ववयहा॥ ॐ कवहिय॥ कुमावादिसर्व॥ अहाऊग
 दिस्वववव॥ सर्वहहायनापविष्ममा॥ माहादेव॥ अयीपुयादिग

४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

४ सव सकल देव लोक को सकल भूषि गध जू सव ना सह गायि जू व स
कल देव लोक को आनन्द रुयो ॥ सर्व ॥ जू हं छि लो कना थ कृपा च व द को
धन्य ००० व वा ॥ थन कवि न डाम ॥ ॥ नाग ॥ हथ्या वि ॥ प्र ॥ जय सिद्धि
नाम ००० व निरूप्य धा क नू रुम निरु दिन सूरु गदि पाडं ॥ चला हा ००० धी
प्र २ दा ना के ड प व निरु दिन सूरु ग ध गा डं मुन व थ पू व ध क नू ॥ ॥ सूरु
दु विक्रम सारु देव ग ध ग म डं ड हि प द नि ऊ रु धे ॥ नि ऊ कूल का ऊ क न
२ क दिन की ल ह ना सूरु दिन सूरु ००० रु ग ध गा डं ॥ २ ॥ प्र कां दं लाल ॥ जू हा

हा००० डीष्टलाल भूवहमलाकहि वस्थान जाय चलिय ॥ वसुलाल ॥ अ
हाय ऊर्दं नलाल गंधर्व भूवहम जाय चलिय ॥ दिकी डीष्टलाल ॥ अ
यऊर्दं नलाल गंधर्व सिधु जाय चलिय ॥ दं नलाल ॥ अहा हा००० डीष्टला
ल गंधर्व भूवहम जाय चलिय ॥ मधु सयराव ॥ अहा डीष्टला कनाथ हमा
थो प्रधम ॥ मारा ॥ अहा अदूरु नरुम कोना हाक हिय ॥ उहा ॥ अहा डीष्टला
कनाथ चव नहा का रुपा सी सकल जिवा नुमा मयि देवादि सकल को आ
नन्द रुथो भूवच नहा को गृह वर्ध क नहु को दं न डीष्टलाल हमा आया

हं भवहमगृहवर्धस्तुतिकवहहं॥**महा**॥ अहं दंरुवष्टलालगंधर्वकहि
य॥**दंरुवष्टलाल**॥ अहं उलोक्कनाथ भवष्टहमाविषष्टम॥**धनकवि**
वननिडा॥**हूको**॥**उहो**॥ अहं उलोक्कनाथ हमाविषष्टम॥**महा**॥ अहं गं
धर्वदंरुवष्टलालरुमायारुकिरावसां हमसंरुष्टरुयायरुप्रसादलकंजा
ह॥**उहो**॥ अहं उलोक्कनाथ भवष्ट॥**धनप्रसादविडाखिं**॥**उहो**॥ अहं
लोक्कनाथ भवहमजारुहं हमाविषष्टम॥**महा**॥ अहं गंधर्वदंरुवष्ट
लाल भवष्टजारु॥**उहो लिखक**॥**दंरुलाल**॥ अहं ॐ भवहमनिज